हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 28.07.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 07 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो की फ्लाइट में निकलने लगा धुंआ

नयी दिल्ली : दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो की उड़ान को सोमवार को कार्गो क्षेत्र में धुंआ देखे जाने के बाद गुजरात के राजकोट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। हवाई अड्डे के पदाधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान में 194 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। हवाई अड्डा प्रबंधन ने एक बयान में कहा गया, दुबई से मुंबई आ रही उड़ान आईजीओ-1452 का रास्ता राजकोट की ओर मोड़ना पड़ा क्योंकि विमान के सामान रखने वाले हिस्से में धुआं देखा गया था। इस विमान में 194 लोगा सवार थे। बयान में कहा गया कि संदेश मिलने के बाद अपराह्न 2:45 बजे हवाई अड्डे पर आपात स्थिति घोषित की गई और विमान अपराह्न 3:27 बजे सुरक्षित उतर गया।

राजघाट पहुंच कर सोनम वांगचुक ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली : गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से छुट्टी मिलने के तुरंत बाद सोमवार को पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक ने पत्नी गीतांजलि अंगमो के साथ राजघाट पहुंच कर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। सोनम वांगचुक ने पत्रकारों से कहा, मैं आंदोलन समाप्त होने के बाद बापू के प्रति आभार जताना चाहता था। साथ ही शांतिपूर्ण आंदोलन में हिस्सा लेने वाले सभी देशवासियों को भी धन्यवाद देता हूं। उन्हें यह संदेश देना चाहता हूं कि गांधी जी के दिखाए रास्ते आज भी उतने ही प्रासंगिक और सही हैं जितने 100 साल पहले थे।

हंगामे के बीच दोनों सदन स्थगित
आज पेपर लीक पर हो सकती है चर्चा

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद के मानसून सत्र में पेपर लीक के मुद्दे पर जारी गतिरोध मंगलवार को खत्म हो सकता है। संसदीय सूत्रों के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल और सभी दलों के नेताओं से लगातार बातचीत के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा के लिए तैयार हो गए हैं। इससे पहले विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई थी। अब 28 जुलाई को इस अहम विधेयक पर विस्तृत चर्चा होने की संभावना है।

यह विधेयक ऐसे समय लाया गया है, जब नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर देशभर में छात्र प्रदर्शन हुए। विपक्ष ने संसद में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। विपक्ष का कहना था कि जंतर-मंतर और देश के अन्य हिस्सों में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई पर सरकार पहले अपना पक्ष रखे। इसी मांग को लेकर विपक्ष ने लगातार हंगामा किया, जिसके कारण विधेयक पर चर्चा नहीं हो सकी। मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने के बाद अब तक केवल दो विधेयक ही पेश हो पाए हैं।

लोस में सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक-2026 पेश

केंद्र सरकार ने सोमवार को सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 लोकसभा में पेश किया। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने यह विधेयक सदन में रखा। प्रस्तावित संशोधन के तहत पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा माफिया और अन्य अनुचित गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। विधेयक में अधिकतम सजा पांच साल से बढ़ाकर 10 साल तक करने और जुमार्ना 50 लाख रुपये तक करने का प्रस्ताव है। वहीं, संगठित अपराध से जुड़े मामलों में न्यूनतम सजा सात साल और अधिकतम जुमार्ना 10 करोड़ रुपये तक करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें बनाने का भी प्रावधान है।

लोकसभा अध्यक्ष की पहल से कैसे बनी सहमति?

सूत्रों के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विभिन्न राजनीतिक दलों के फ्लोर नेताओं से लगातार बातचीत की। उन्होंने इस विधेयक पर छह घंटे की विशेष चर्चा का प्रस्ताव रखा और कहा कि देश की प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए सभी दलों का एकजुट होना जरूरी है।

रिजिजू ने विपक्ष से क्या अपील की?

संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने विपक्ष से विधेयक पर चर्चा होने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कई विपक्षी सांसद भी संशोधन प्रस्ताव लेकर आए हैं और चर्चा के लिए तैयार हैं। उनके अनुसार, यह विधेयक छात्रों और युवाओं के भविष्य से जुड़ा है।

मंगलवार की चर्चा क्यों मानी जा रही अहम?

यदि मंगलवार को प्रस्तावित चर्चा तय कार्यक्रम के अनुसार होती है, तो मानसून सत्र में कई दिनों से जारी गतिरोध खत्म हो सकता है। साथ ही पेपर लीक रोकने के लिए सरकार द्वारा प्रस्तावित सख्त कानूनी प्रावधानों पर संसद में विस्तृत बहस होगी।

15 लाख के इनामी समेत 16 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में नक्सल विरोधी अभियान के बीच पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कुल 16 माओवादियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। आत्मसमर्पण करने वालों में एक रीजनल कमेटी सदस्य (आरसीएम), तीन जोनल कमेटी सदस्य, तीन सब-जोनल कमेटी सदस्य, छह एरिया कमेटी सदस्य और तीन कैडर शामिल हैं। इनमें कई लाखों रुपये के इनामी माओवादी भी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जानकारी आज यानि 28 जुलाई को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जाएगी।

15 लाख के इनामी समेत कई बड़े माओवादी मुख्यधारा में लौटे

सरेंडर करने वालों में 15 लाख रुपये का इनामी आरसीएम संतोष उर्फ बासुदेव दा उर्फ गांधी, 10 लाख रुपये का इनामी चंदन लोहरा, पांच-पांच लाख रुपये के इनामी अनिल तुरी और सुखलाल बिरजिया तथा दो लाख रुपये का इनामी सुदेश होनहागा उर्फ सोनाराम उर्फ सोना शामिल हैं। इसके अलावा संतोष मांझी उर्फ जगबंधु, जयकांत मुंडा उर्फ गूंगा उर्फ बंगाली, राजनाथ हांसदा उर्फ गुना हांसदा, एतवारी मांझी उर्फ सोनोत उर्फ संत उर्फ शनिचरवा, देवान मुर्मू उर्फ शनिचर, सुमित्रा सुरीन, चंपा मांझियाइन उर्फ गुड़िया (संथाल कैडर), सालेमी मुंडा उर्फ पारुल, मुन्नी सुरीन उर्फ मुरीन सुरीन और सीता मुंडा ने भी हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया है।

एके-47, इंसास और एम-16 समेत 11 आधुनिक हथियार किए जमा

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी जमा कराया है। इनमें छह इंसास राइफल, दो एके-47, एक एचके-33 राइफल, एक यूएस कार्बाइन और एक एम-16 राइफल समेत कुल 11 आधुनिक हथियार शामिल हैं। इसके अलावा 38 मैगजीन और 1,562 जीवित कारतूस भी पुलिस को सौंपे गए हैं। पुलिस का मानना है कि यह लगातार चल रहे नक्सल विरोधी अभियान और संगठन के कमजोर पड़ते नेटवर्क का बड़ा परिणाम है।

छत्तीसगढ़ में भी झारखंड से जुड़े आठ माओवादियों ने किया सरेंडर

इधर, छत्तीसगढ़ में भी झारखंड से जुड़े आठ माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें जोनल कमेटी सदस्य अश्विन उर्फ लच्छू कोरसा समेत कई एरिया कमेटी सदस्य और संगठन के अन्य सदस्य शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, ये सभी झारखंड में भी सक्रिय रहे थे। इनमें सोहन पुनेम, राती उर्फ मंगली कुंजाम, अनुषा कुंजाम, रजनी मुडकेम, राहत मांडवी, सुबनी और जेलानी के नाम शामिल हैं।

गुजरात आयुर्वेद यूनिवर्सिटी पर उठे सवाल व्हाट्सएप पर सवाल वायरल

जामनगर : देश भर में नीट परीक्षा को लेकर मचा बवाल अभी पूरी तरह थमा भी नहीं था कि गुजरात के उच्च शिक्षा तंत्र से एक और हैरान कर देने वाला मामला सामने आ गया है। इस बार जामनगर स्थित देश की प्रतिष्ठित 'गुजरात आयुर्वेद यूनिवर्सिटी' निशाना बनी है। यूनिवर्सिटी में बीएएमएस यानी बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी के एक विषय का पेपर परीक्षा से पहले ही व्हाट्सएप पर वायरल होने का गंभीर आरोप लगा है। इस खुलासे के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मामला सामने आते ही यूनिवर्सिटी प्रशासन तुरंत हरकत में आया और पूरे मामले की तह तक जाने के लिए एक उच्चस्तरीय जांच कमेटी का गठन कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 20 जुलाई को बीएएमएस के तीसरे प्रोफेशनल ईयर के 'टर-शल्य तंत्र-1' विषय की परीक्षा तय समय पर आयोजित की गई थी। सब कुछ सामान्य लग रहा था लेकिन परीक्षा खत्म होते-होते माहौल गर्मा गया। दावा किया जा रहा है कि परीक्षा शुरू होने से काफी पहले ही व्हाट्सएप के कई ग्रुप्स पर इस पेपर से जुड़े कुछ बेहद महत्वपूर्ण सवाल तेजी से घूम रहे थे। हद तो तब हो गई जब छात्रों ने परीक्षा हॉल से बाहर निकलकर प्रश्नपत्र का मिलान व्हाट्सएप पर आए मैसेज से किया।

एफआईआर वापस नहीं हुई तो फिर शुरू होगा प्रदर्शन : सीजेपी

एजेंसी

नयी दिल्ली : कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सरकार पर समझौते के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए एक बार फिर से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को एक्स पर सीधे तौर पर लिखते हुए पुलिस कार्रवाई और छात्रों की गिरफ्तारी पर कड़ी आपत्ति जताई है। आशुतोष ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगें तुरंत नहीं मानी गईं, तो वे दोबारा धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। सरकार और

पुलिस पर लगाए गए मुख्य आरोप आशुतोष रांका का कहना है कि सरकार के साथ यह तय हुआ था कि किसी भी प्रदर्शनकारी पर पुलिस कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन इस वादे को पूरी तरह से तोड़ा जा रहा है। आरोप है कि बिहार और बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली और अन्य राज्यों में सैकड़ों छात्रों की निगरानी की जा रही है और उन्हें परेशान किया जा रहा है। दिल्ली से ऐसी कई रिपोर्टें सामने आ रही हैं कि जो वालंटियर्स प्रदर्शनकारियों तक रसद और अन्य जरूरी सामान पहुंचा रहे थे, उन्हें भी हिरासत में लिया गया है। रांका ने लिखा है कि यदि इन मांगों को नजरअंदाज किया गया और वादे के मुताबिक कार्रवाई नहीं रोकी गई, तो उनके पास दोबारा बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

विभावि में पार्किन्सनिज्म एवं फिजियोथेरेपी की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरेपी) विभाग द्वारा 27 जुलाई 2026 को आर्यभट्ट सेमिनार हॉल, सी.वी. रमन साइंस ब्लॉक-1 में "पार्किन्सनिज्म" एवं "आधुनिक युग में फिजियोथेरेपी की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एम्स, नई दिल्ली के न्यूरो रिहैबिलिटेशन विभाग के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. प्रभात रंजन थे। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. उमेन्द्र सिंह के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) चन्द्र भूषण शर्मा के नेतृत्व एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कुलसचिव डॉ. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के ज्ञान एवं व्यावसायिक दक्षता के विकास में महत्वपूर्ण हैं।

मुख्य वक्ता डॉ. प्रभात रंजन ने "पार्किन्सनिज्म" पर व्याख्यान देते हुए रोग की प्रारंभिक पहचान, संतुलन एवं चाल प्रशिक्षण तथा साक्ष्य-आधारित फिजियोथेरेपी की महत्ता पर प्रकाश डाला। द्वितीय वक्ता डॉ. अजीत कुमार, रजिस्ट्रार JSCPT एवं संयोजक IAP झारखंड ने "आधुनिक युग में फिजियोथेरेपी की भूमिका" पर फिजियोथेरेपी के बढ़ते दायरे और अनुसंधान आधारित उपचार पर विचार रखे। विशिष्ट वक्ता डॉ. आयुषी, रांची ने "थिंक बियॉन्ड द शोल्डर" विषय पर कंधे की समस्याओं के आधुनिक पुनर्वास पर जानकारी दी। विभाग का परिचय डॉ. मेराज नबी सिद्दीकी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अम्बिका गुप्ता ने किया। अंत में डॉ. राहुल कुमारने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जमीन मुआवजे की मांग पर ट्रांसपोर्टिंग रोड जाम, 10 घंटे धरने पर बैठे किसान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के भुरकुंडवा टावर चौक के समीप एनटीपीसी कोयला ट्रांसपोर्टिंग रोड पर जमीन मुआवजे की मांग को लेकर फुलेश्वर महतो ने सोमवार को व्यक्तिगत धरना दिया। करीब 10 घंटे जाम की स्थिति बनी रही। इस दौरान हमारा हक हमें दो के नारे लगाए। फुलेश्वर महतो ने कहा कि उनकी जमीन का उपयोग ट्रांसपोर्टिंग रोड के लिए किया गया है, लेकिन अब तक हमे उचित मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित अधिकारियों और प्रबंधन से मांग रखने के बावजूद कोई ठोस पहल नहीं की गई। जिसके कारण उन्हें धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ा। सूचना मिलने पर प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और वार्ता के माध्यम से जाम समाप्त कराया। फुलेश्वर महतो ने बताया कि जब तक मुझे जमीन का उचित मुआवजा नहीं मिलता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। प्रशासन और एनटीपीसी प्रबंधन से अविलंब मुआवजा भुगतान सुनिश्चित करने की मांग करता हूं।

साइकिल योजना से छात्राओं के सपनों को मिली उड़ान, मुखिया ने किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के कन्या मध्य विद्यालय, चौपारण में झारखंड सरकार की छात्र हितैषी साइकिल योजना के तहत छात्राओं के बीच निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर चौपारण पंचायत की मुखिया श्रीमती पिंकी देवी ने छात्राओं को साइकिलें सौंपीं और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आकर मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विद्यार्थियों के बीच कॉपी एवं किताबों का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुखिया पिंकी देवी ने कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि सरकार की साइकिल योजना का उद्देश्य छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में होने वाली कठिनाइयों को दूर करना तथा उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने छात्राओं से अनुशासन के साथ अध्ययन करने और अपने परिवार, विद्यालय तथा क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। साइकिल एवं अध्ययन सामग्री प्राप्त करने के बाद छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने सरकार और पंचायत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनकी पढ़ाई और नियमित विद्यालय आने में काफी सुविधा होगी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति उनकी रुचि भी मजबूत करती हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, अभिभावक तथा कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जोको में सचिव पद को लेकर विवाद

पारा शिक्षक को हटाकर सरकारी शिक्षक को जिम्मेदारी देने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : कराली पंचायत के ग्राम जोको स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जोको में सचिव पद की जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों और विद्यालय प्रबंधन समिति का आरोप है कि पिछले कई वर्षों से पारा शिक्षक बद्री साहू को ही सचिव पद का कार्यभार सौंपा गया है, जबकि विद्यालय में सरकारी शिक्षक उपलब्ध हैं। प्रत्यूष नवबिहार को दिए बयान में ग्रामीणों ने कहा कि नियम के अनुसार सचिव पद का दायित्व सरकारी शिक्षक को मिलना चाहिए। लेकिन विभाग की मिलीभगत से पारा शिक्षक बद्री साहू को लगातार यह जिम्मेदारी दी जा रही है।

विद्यालय की स्थिति

विद्यालय में वर्तमान में कुल 5 शिक्षक कार्यरत हैं:
मुकेश कुमार महतो - सरकारी शिक्षक, सीमा देवी - सरकारी शिक्षिका , महिमा देवी - सरकारी शिक्षिका, ममता देवी - सहायक शिक्षिका , बद्री साहू - पारा शिक्षक विद्यालय में कुल छात्र-छात्राओं की संख्या 102 है। बावजूद इसके आरोप है कि बच्चों को सही तरीके से पोषक आहार नहीं मिल पा रहा है और पढ़ाई में भी लापरवाही बरती जा रही है। प्रबंधन समिति ने की शिकायत विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा इस संबंध में प्रखंड शिक्षा विभाग को कई बार लिखित आवेदन दिया जा चुका है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय मिलीभगत के कारण अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई और पारा शिक्षक को ही सचिव पद पर बने रहने दिया जा रहा है। ग्रामीणों और अभिभावकों ने शिक्षा विभाग से मांग की है कि तत्काल पारा शिक्षक बद्री साहू से सचिव पद का कार्यभार हटाकर किसी सरकारी शिक्षक को यह जिम्मेदारी दी जाए, ताकि विद्यालय में पारदर्शिता आए और बच्चों के हित सुरक्षित हो सकें।

इटखोरी से लौट रहे दो युवकों को हाइवा ने रौंदा, एक की मौत, दूसरा रेफर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : परसौनी चौक स्थित सपना होटल के समीप रविवार देर शाम हुए भीषण सड़क हादसे में प्रखंड के मदगोपाली गांव के एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की खबर मिलते ही मृतक के घर में मातम पसर गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान मदगोपाली निवासी ललन कुमार (22 वर्ष), पिता शंकर साव उर्फ तोखलाल साव के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक बबलू कुमार, पिता सहजीवन साव, निवासी मदगोपाली का इलाज चल रहा है। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों युवक किसी आवश्यक कार्य से इटखोरी गए थे। देर शाम बाइक से घर लौटने के दौरान परसौनी चौक के समीप एक तेज रफ्तार हाइवा ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ललन कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बबलू कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटखोरी पहुंचाया गया। बताया जाता है कि ललन कुमार अपने परिवार के दो भाइयों में बड़े थे। उनकी असमय मौत से परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई।

स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय में 31 को मुंशी प्रेमचंद जयंती पर भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का होगा आयोजन

प्रशासनिक पदाधिकारियों को मिला आमंत्रण, बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मिलेगा पुरस्कार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय ट्रस्ट, प्रखंड परिसर बरही द्वारा उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर 31 जुलाई 2026 को भाषण एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। पुस्तकालय के सचिव कृष्णा प्रजापति ने बरही प्रखंड के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों के प्राचार्य/प्रधानाध्यापक से कक्षा 9 से 12 तक के छात्र-छात्राओं को भेजने का अनुरोध किया है। भाषण प्रतियोगिता में प्रत्येक विद्यालय से 1 छात्र/छात्रा भाग ले सकते हैं, जिसका विषय ₹उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद जी के साहित्य में ग्रामीण जीवन का यथार्थ₹ होगा और समय 4 से 5 मिनट निर्धारित है। निबंध लेखन में भी प्रत्येक विद्यालय से 1 छात्र/छात्रा भाग ले सकते हैं, जिसका विषय "कलम के जादूगर मुंशी प्रेमचंद जी का कथा साहित्य" होगा और शब्द सीमा 250 से 300 शब्द व समय 1 घंटा रहेगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय बरही में होगा जिसके मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज कुमार यादव, एसडीओ जोहान टुडू, एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहेंगे। चयनित प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह दिया जाएगा। प्रतिभागियों की सूची 25 जुलाई तक कार्यक्रम प्रभारी को भेजनी होगी। इस संबंध में स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय ट्रस्ट एवं स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति की संयुक्त प्रतिनिधि मंडल एसडीएम जोहन टुडू, एसडीपीओ राधा प्रेम किशोर, थाना प्रभारी इंस्पेक्टर विनोद कुमार, डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी से मिलकर कार्यक्रम में आमंत्रित किया। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष प्रो हीरामन साव, सचिव कृष्णा प्रजापति, स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार दत्त, बीरेंद्र कुमार, सत्येंद्र कुमार शर्मा, राजेश कुमार, सुजीत प्रधान आदि लोग मौजूद रहे। अधिक जानकारी के लिए सत्येन्द्र कुमार शर्मा 9334665325 एवं प्रो. हीरामन साव 7050026616 से संपर्क किया जा सकता है।

एक नजर

दनुआ घाटी में भीषण सड़क हादसा, चालक की मौत

चौपारण : राष्ट्रीय राजमार्ग-19 स्थित दनुआ घाटी में रविवार रात करीब 9 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में 37 वर्षीय वाहन चालक मुन्ना लाल की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही चौपारण पुलिस और आपदा मित्र की टीम मौके पर पहुंची तथा तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही आपदा मित्र एम्बुलेंस चालक शक्ति चंद्रवंशी बिना देर किए घटनास्थल पहुंचे और गंभीर रूप से घायल चालक को एम्बुलेंस के माध्यम से तत्काल अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद मुन्ना लाल को मृत घोषित कर दिया। कठिन परिस्थितियों में शक्ति चंद्रवंशी ने सेवा भावना की, जिसे स्थानीय लोगों ने सराहना की। दनुआ घाटी में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के दौरान वे लगातार राहत एवं बचाव कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं, जिससे कई घायलों को समय पर उपचार मिल सका है। इधर, पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया, जिसके बाद अंतिम संस्कार के लिए उसे उत्तर प्रदेश के सीतापुर रवाना किया गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है, गौरतलब है कि दनुआ घाटी राष्ट्रीय राजमार्ग-19 का अत्यंत संवेदनशील एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्र माना जाता है।

ब्रह्म विद्या विहंगम योग ने साप्ताहिक सत्संग गोष्ठी का किया आयोजन

बरही : ब्रह्म विद्या विहंगम योग द्वारा संध्या चार बजे गुरु बहन अंजू देवी के निवास स्थान पर साप्ताहिक सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता सत्येंद्र सिंह उर्फ किशोर सिंह ने किया। जबकि संचालन कृष्णा कुमार गुप्ता ने किया। सत्संग गोष्ठी में ॐ कार ध्वनि, स्वागत गान, मंगल गान एवं माल्यार्पण सामूहिक रूप से किया गया। जबकि उद्घोष ममता देवी, ज्ञान गुदड़ी पाठ अनमोल राणा, स्वर्वेद पाठ सिकंदर सिंह एवं भजन सुनीता देवी, ममता देवी एवं सिकंदर सिंह ने संयुक्त रूप से किया एवं प्रवचन डॉ महेश प्रसाद ने किया। मौके पर डॉ महेश प्रसाद,रेणु देवी, ममता देवी, मीनाक्षी देवी, विमला केशरी, तन्नू देवी, चांदनी कुमारी, पूजा कुमारी, नंदन कुमार यादव, सिद्धि केशरी एवं काजल कुमारी मुख्य रूप से मौजूद थे।

बरवाडीह सर्वे स्टेशन के पास पुलिस का सघन वाहन जांच अभियान

बड़कागांव : बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के निदेर्शानुसार सोमवार को बरवाडीह सर्विस स्टेशन के समीप बड़कागांव पुलिस द्वारा सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना, यातायात नियमों का पालन कराना तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखना वाहन जांच अभियान का नेतृत्व एसआई गजेंद्र कुमार सिंह ने किया। इस दौरान थाना के अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। जांच के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के दस्तावेज, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट, वाहन के कागजात तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की गई।

संक्षिप्त खबरें

बीस सूत्री अध्यक्ष सलीम अंसारी ने नए थाना प्रभारी से की मुलाकात

चलकुशा : बीस सूत्री अध्यक्ष सलीम अंसारी ने सोमवार को चलकुशा थाना के नए थाना प्रभारी नरेन्द्र पाण्डेय से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच क्षेत्र में अमन-चैन बनाए रखने, रात्रि गश्त बढ़ाने और आम जनता की समस्याओं के त्वरित निपटारे को लेकर विस्तार से बातचीत हुई। सलीम अंसारी ने नए थाना प्रभारी का स्वागत करते हुए कहा कि पुलिस और प्रशासन के समन्वय से ही क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने खास तौर पर महिला सुरक्षा, नशे के कारोबार पर रोक, ट्रैफिक व्यवस्था और भूमि विवादों के समय पर समाधान की मांग रखी। मुलाकात के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। इस भेंट से स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है कि थाना और बीस सूत्री समिति के बीच बेहतर तालमेल से क्षेत्र की समस्याओं का समाधान जल्दी होगा।

चौपारण में शराब तस्करी पर बड़ा प्रहार, लाखों की अंग्रेजी शराब जब्त

चौपारण : थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 41 पेटी अंग्रेजी शराब से लदी एक एक्सयूवी-500 वाहन को जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक पुलिस को देखकर अंधेरे और झाड़ियों का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन से कुल 1,968 बोतल (180 एमएल) अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर वाहन को जब्त कर लिया है। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को 26 जुलाई 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि चौपारण थाना क्षेत्र के केंदुआ मोड़ की ओर से एक सफेद रंग की एक्सयूवी-500 में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लोड कर कठम्बा की दिशा में ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर के नेतृत्व में चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार तथा सशस्त्र बल के जवानों की संयुक्त टीम गठित कर छापेमारी की योजना बनाई गई। गठित टीम ने ग्राम पडरिया पुल के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान रजिस्ट्रेशन संख्या बीआर-01-पीएच-9361 वाली संदिग्ध सफेद एक्सयूवी-500 को रोककर तलाशी ली गई। पुलिस को देखते ही चालक वाहन छोड़कर अंधेरे और आसपास की झाड़ियों का लाभ उठाते हुए फरार हो गया। तलाशी के दौरान वाहन की डिक्की एवं बीच की सीट से ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की की कुल 41 पेटी, जिसमें प्रत्येक पेटी में 48 बोतल (180 एमएल) थीं, बरामद की गईं। इस प्रकार कुल 1,968 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की गई। पुलिस ने शराब और वाहन दोनों को अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया है। फरार चालक की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और अवैध शराब तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है। इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर, चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक दिव्य प्रकाश, सहायक अवर निरीक्षक बादल कुमार महतो तथा चौपारण थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि मामले में विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है।

दैहर विद्यालय में 42 छात्र-छात्राओं को मिली निःशुल्क साइकिल

चौपारण : प्रखंड की दैहर पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय, दैहर में झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी साइकिल वितरण योजना के तहत कक्षा आठ के 42 छात्र-छात्राओं के बीच नि:शुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। साइकिल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दैहर पंचायत के मुखिया ब्रमदेव भुइयाँ ने विद्यार्थियों को साइकिलें सौंपते हुए कहा कि राज्य सरकार की यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और विद्यालय आने-जाने में होने वाली कठिनाइयों को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने उज्ज्वलभविष्य के लिए मेहनत करने कीअपील की साइकिल पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। बच्चों ने सरकार एवं विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर समाजसेवी नागेंद्र कुमार, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष संगीता देवी, विद्यालय के प्राचार्य, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा ग्रामीण सुरेश कुमार दांगी एवं अशोक पासवान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नव प्राथमिक विद्यालय लश्करी का भवन जर्जर, छत से टपक रहा पानी

बरही : बरही प्रखंड के रसोइया धमना पंचायत के लश्करी गांव स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय का भवन जर्जर हालत में है। यह भवन लगभग 60 छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। बच्चे इसी असुरक्षित भवन में बैठकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। विद्यालय की छत से लगातार प्लास्टर गिर रहा है। कई स्थानों पर बारिश का पानी टपकने और सीलन के कारण भवन की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। पानी टपकने से बच्चों को बैठ कर पढ़ना पड़ता है। बच्चों के साथ किसी भी समय बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। विद्यालय का परिसर बिल्कुल खुला है जिसके कारण आए दिन बेसहारा पशु परिसर में घुस आते हैं और रात को अपना विश्राम स्थल बना देते हैं जिसके कारण स्कूल परिसर गन्दा हो जाता है। सुबह स्कूल खुलने से पहले बच्चे एवं शिक्षक साफ सफाई करने के बाद भी पढाई चालू करते हैं। इस मामले की जानकारी के मिलने के बाद स्थानीय पंचायत समिति सदस्य मो तैयब ने विद्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे परिसर का निरीक्षण किया और शिक्षकों को बच्चों को सुरक्षित स्थान पर बैठाकर पढ़ाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि भवन की जर्जर स्थिति में बच्चों को बैठ कर पढ़ाया जाना भयावह है किसी भी समय अनहोनी घटना होने आशंका बनी रहती है।

एक नजर

भाजपा पहले अपने शासनकाल की भर्ती विवादों पर जवाब दे : नायक

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कहा कि भाजपा के नेताओं बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा और रघुवर दास को जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती मामलों पर बोलने से पहले अपने शासनकाल में हुई कथित भर्ती अनियमितताओं और विवादों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासनकाल में भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठे और अभ्यर्थियों को लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि प्रथम और द्वितीय जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा से जुड़े मामलों की सीबीआई जांच हुई तथा वर्ष 2024 में आरोपपत्र भी दायर किया गया। नायक ने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में युवाओं के हित में है, तो उसे अपने कार्यकाल की भर्ती प्रक्रियाओं पर जवाबदेही स्वीकार करनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार युवाओं के हितों की रक्षा और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध है।

रांची विवि की कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय वुशु खिलाड़ी अंजना को शुभकामनाएं दीं

रांची : रांची विश्वविद्यालय की छात्रा और अंतरराष्ट्रीय वुशु खिलाड़ी अंजना कुमारी महतो आगामी इंटरनेशनल वुशु चैंपियनशिप, बाटुमी (जॉर्जिया) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। अंजना इस प्रतियोगिता के लिए चयनित 40 सदस्यीय भारतीय दल का हिस्सा हैं। रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर (डॉ) सरोज शर्मा ने सोमवार को अंजना कुमारी महतो से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया और प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अंजना की यह उपलब्धि रांची विश्वविद्यालय, झारखंड और पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अंजना अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत का गौरव बढ़ाएंगी। अंजना कुमारी महतो की इस उपलब्धि से रांची विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और झारखंड के युवा खिलाड़ियों में उत्साह का संचार हुआ है। सभी ने आशा व्यक्त की कि वे अंतरराष्ट्रीय वुशु चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश, राज्य और विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित करेंगी एवं झारखंड के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी।

रांची में सात वार्डों में चला डेंगू सर्विलांस अभियान

रांची : डेंगू और अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को रांची शहरी क्षेत्र के सात वार्डों में व्यापक डेंगू सर्विलांस अभियान चलाया। अभियान के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने घर-घर जाकर बुखार से पीड़ित लोगों की जानकारी जुटाई, संभावित डेंगू मरीजों की पहचान की तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों की जांच की। विभाग ने बताया कि डेंगू और मलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रतिदिन शहर के सात अलग-अलग वार्डों में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने नागरिकों से अपील की कि तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, आंखों के पीछे दर्द या त्वचा पर लाल चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकीय परामर्श लें। उन्होंने सप्ताह में एक दिन रांची में सात वार्डों में चला डेंगू सर्विलांस अभियान, कई घरों और बर्तनों में मिले लार्वा 'ड्राई डे' मनाने, घरों के आसपास पानी जमा नहीं होने देने, पूरी बांह के कपड़े पहनने तथा मच्छरदानी और मच्छररोधी उपायों का नियमित उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से ही डेंगू मुक्त और स्वस्थ रांची का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

चार श्रम संहिताओं पर बीएमएस का मंथन, दो का समर्थन तो दो में संशोधन की उठाई मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यसमिति की बैठक के दूसरे दिन सोमवार को नामकुम स्थित सरला बिरला विश्वविद्यालय के सभागार में श्रम कानूनों और श्रमिक हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा लागू चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) की समीक्षा करते हुए बीएमएस ने वेतन संहिता-2019 और सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 का समर्थन किया, जबकि औद्योगिक संबंध संहिता-2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता-2020 के कई प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता बताई। बैठक में संगठन ने स्पष्ट किया कि चारों श्रम संहिताएं 21 नवंबर 2025 से लागू हो चुकी हैं, लेकिन श्रमिकों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रावधानों में अभी भी सुधार की आवश्यकता है। बीएमएस का कहना है कि उसका उद्देश्य श्रम कानूनों का विरोध करना नहीं, बल्कि उनमें ऐसे संशोधन कराना है, जिससे श्रमिकों के अधिकार, रोजगार की सुरक्षा और कार्यस्थल पर सम्मान सुनिश्चित हो सके। संगठन का मानना है कि केंद्र सरकार द्वारा 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को समेकित कर तैयार की गई इन संहिताओं को और अधिक श्रमिक हितैषी बनाया जाना चाहिए।

औद्योगिक संबंध संहिता-2020 पर चर्चा के दौरान बीएमएस ने 13 बिंदुओं पर आपत्ति दर्ज कराई। इनमें उद्योग की परिभाषा, वेतन की परिभाषा, कामगार की परिभाषा, वातार्कार संघ (नेगोशिएटिंग यूनियन) की मान्यता, वार्षिक विवरणी तथा ट्रेड यूनियनों के अधिकारों से जुड़े प्रावधान प्रमुख रहे। संगठन का कहना है कि इन प्रावधानों में संशोधन कर सामूहिक सौदेबाजी की व्यवस्था और श्रमिक संगठनों की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए।

इसी प्रकार व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता-2020 के संबंध में भी बीएमएस ने 15 बिंदुओं पर आपत्ति जताई। इनमें कारखाने की परिभाषा, कार्य गतिविधियों की परिभाषा, वेतन से जुड़े प्रावधान तथा कार्यस्थलों पर सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी मानकों को लेकर संशोधन की मांग की गई। संगठन का कहना है कि श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े नियमों में किसी प्रकार का ऐसा प्रावधान नहीं होना चाहिए, जिससे नियोक्ताओं की सुविधा के कारण श्रमिकों के हित प्रभावित हों।

बीएमएस ने दोहराया कि वह पहले भी इन दोनों संहिताओं में व्यापक विचार-विमर्श के बाद संशोधन की मांग करता रहा है। वहीं संगठन ने वेतन संहिता-2019 और सामाजिक सुरक्षा संहिता-2020 को श्रमिकों के हित में महत्वपूर्ण बताते हुए उनका समर्थन किया। संगठन का मत है कि इन संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन से श्रमिकों को बेहतर वेतन संरचना और सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिलेगा।

बैठक में यह भी मांग उठाई गई कि श्रम कानूनों का समान रूप से सभी श्रमिकों पर प्रभावी ढंग से लागू होना सुनिश्चित किया जाए, ताकि संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों को समान अधिकार और सुरक्षा मिल सके। कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता बीएमएस के अखिल भारतीय अध्यक्ष एस. मल्लेशम ने की, जबकि संचालन अखिल भारतीय महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांडेय ने किया। दोनों पदाधिकारी वर्ष 2026-29 के लिए संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व में निर्वाचित हुए हैं। तीन दिवसीय यह बैठक 28 जुलाई तक चलेगी। इसमें देशभर से आए प्रतिनिधि श्रमिकों की समस्याओं, श्रम कानूनों, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और अन्य समसामयिक श्रमिक मुद्दों पर मंथन कर आगे की रणनीति तय करेंगे।

जेबीवीएनएल को हाई कोर्ट से राहत एकल पीठ के आदेश पर लगी रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर पद पर प्रमोशन देने से संबंधित एकल पीठ के आदेश पर झारखंड उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने जेबीवीएनएल की अपील पर सुनवाई करते हुए निगम को राहत प्रदान की है।

जेबीवीएनएल ने एकल पीठ के 16 दिसंबर 2025 को दिए गए उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसने अशुकरु खड़िया और गोपाल माझी को एक्जीक्यूटिव इंजीनियर से सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर पद पर प्रमोशन देने का निर्देश दिया गया था। साथ ही झारखंड स्टेट इलेक्ट्रिकल इंजीनियर जनरल कैडर रूल 1976 में संशोधन का भी आदेश दिया था।

प्रतिवादी की नियुक्ति बिजली विभाग में वर्ष 1984 में जूनियर इंजीनियर पद पर हुई थी। इसके बाद प्रोन्नति पाकर वह एग्जीक्यूटिव इंजीनियर पद तक पहुंचा था। उसने एकल पीठ में रिट याचिका दाखिल कर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर पद पर प्रोन्नति का आग्रह किया था। नियम के तहत सुपरीटेंडेंट इंजीनियर पद पर उसी को प्रोन्नति दी जाती है, जिसने इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की है। प्रतिवादी डिप्लोमा होल्डर थे, जिस कारण झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम की ओर से प्रतिवादियों को सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर पद पर प्रमोशन नहीं दिया जा रहा था।

अपर मुख्य सचिव से वार्ता के बाद स्वास्थ्य कर्मियों का चरणबद्ध आंदोलन समाप्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड एमपीडब्ल्यू कर्मचारी संघ एवं झारखंड अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के नेतृत्व में राज्यभर के एमपीडब्ल्यू स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा अपनी लंबित एवं न्यायोचित मांगों के समर्थन में संचालित राज्यव्यापी चरणबद्ध आंदोलन के तहत 27 जुलाई 2026 दिन सोमवार को झारखंड मंत्रालय नेपाल हाउस, रांची के समकक्ष आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन करते हुए घेराव किया गया। घेराव में राज्यभर के सभी जिलों से हजारों की संख्या में कर्मी उपस्थित हुए। आज घेराव के पश्चात लगभग 3 बजे अपर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य संघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता हुआ उक्त वार्ता में स्वास्थ्य विभाग की ओर से अपर सचिव, संयुक्त सचिव, निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं, अवर सचिव एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। राज्य संघ की ओर से प्रतिनिधिमंडल के रूप में प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार, महासहिव मंगल हेंब्रम, दुमका जिला अध्यक्ष जयप्रकाश मंडल, गोड्डा जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार, साहबगंज जिला। अध्यक्ष गेनालाल मंडल पाकुड़ से रविकांत कुमार शामिल थे। आज के वार्ता में दो मुख्य मांगो को अपर मुख्य सचिव महोदय के द्वारा माना गया तथा क्षेत्रीय कार्यकर्ता की बहाली पर रोक, विभाग द्वारा निकाला गया त्रुटिपूर्ण संकल्प को कैबिनेट से 1 सप्ताह के अंदर सुधार करवाने के साथ अविलंब कर्मियों का विभाग के द्वारा नियमावली बनाकर स्थाई नियुक्ति/समायोजन करने पर झारखंड एमपीडब्ल्यू कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ सफल वार्ता किया गया।

समरस संस्थान साहित्य सृजन भारत की रांची इकाई का गठन, काव्य गोष्ठी एवं सम्मान समारोह संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था समरस संस्थान साहित्य सृजन भारत की रांची इकाई के गठन के उपलक्ष्य में आयोजित काव्य गोष्ठी सह सम्मान समारोह का सफल आयोजन सोमवार को सिटी पैलेस के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में रांची की जानी-मानी महिला साहित्यकारों एवं कवयित्रियों के साथ-साथ नवोदित बाल कवियों की प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने श्रोताओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मधुमिता साहा द्वारा सरस्वती वंदना से किया गया। इसके पश्चात कवयित्रियों ने अपनी उत्कृष्ट काव्य रचनाओं की प्रस्तुति देकर साहित्यिक वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। वहीं प्रतिभाशाली बाल कवियों ने भी अपनी सशक्त कविताओं से उपस्थित जनसमूह की भरपूर सराहना प्राप्त की।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित मुकेश कुमार व्यास 'स्नेहिल', राकेश रमण, रश्मि सिन्हा, रिंकू बनर्जी, चंद्रिका ठाकुर एवं सुरेश निराला ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। समारोह में सभी विशिष्ट अतिथियों के साथ-साथ बाल कवियों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन संस्था की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मनीषा सहाय तथा डॉ. भावना अंबष्ट ने संयुक्त रूप से किया। काव्य गोष्ठी में रेणु जा रेणुका, प्रतिमा मणि त्रिपाठी, निर्मला कर्ण, पुष्पा सहाय, रजनी शर्मा 'चंदा', किरण, मीनाक्षी प्रकाश, अर्चना श्रीवास्तव, चेतना यादव, रूप माला, सुनीता सिंह, डॉ. उर्मिला सिन्हा सहित अनेक कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया।

कार्यक्रम के अंत में संस्था के संरक्षक संजय कुमार मिश्रा ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित साहित्यप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

गांव में सड़क नहीं होने से गर्भवती की मौत

रांची : साहिबगंज जिले के पीराचक गांव में सड़क नहीं होने के कारण समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी। इससे एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। इस घटना को लेकर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर सवाल उठाए हैं। बाबूलाल ने सोशल मीडिया पर सोमवार को कहा कि सिर्फ सड़क नहीं होने की वजह से एक गर्भवती महिला की जान चली जाना बेहद दुखद और चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि राज्य बनने के 25 साल बाद भी जिले के कई गांवों तक पक्की सड़क नहीं पहुंची है। बाबूलाल मरांडी ने सरकार से इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पीराचक सहित ऐसे सभी गांवों को जल्द से जल्द पक्की सड़क से जोड़ा जाए, ताकि भविष्य में किसी की जान सड़क के अभाव में न जाए।

छात्र संगठनों ने डीएसपीएमयू के कुलपति को सौंपा ज्ञापन, एफआईआर वापस लेने पर सहमति बनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में छात्र-छात्राओं और विभिन्न छात्र संगठनों के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. राजीव मनोहर से मुलाकात कर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार को लेकर संयुक्त मांग पत्र सौंपा। बैठक में छात्रहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई और उनके समाधान की दिशा में सहमति बनी। प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय में चल रहे पेन डाउन आंदोलन को समाप्त कर नियमित पठन-पाठन और परीक्षाएं शुरू कराने, NET, JRF और Ph.D से जुड़ी प्रक्रियाओं को समयबद्ध पूरा करने, सीटों में कटौती वाले विभागों में शिक्षकों की नियुक्ति करने, शिक्षकों और कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम लागू करने और अन्य संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों की जांच कर कार्रवाई करने की मांग रखी।

इसके अलावा ऑनलाइन शिकायत निवारण प्रणाली को प्रभावी बनाने और सूचना का अधिकार के तहत मांगी गई सूचनाओं का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने की भी मांग की गई।

बैठक के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन और छात्र संगठनों के बीच सकारात्मक वार्ता हुई। दोनों पक्षों ने विश्वविद्यालय में शांतिपूर्ण शैक्षणिक माहौल बनाए रखने, छात्रहित से जुड़े मुद्दों पर नियमित समन्वय बैठक करने और समस्याओं का समाधान आपसी संवाद से निकालने पर सहमति जताई।

बैठक का सबसे अहम निर्णय छात्र नेताओं पर दर्ज मामलों को लेकर रहा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने नियमानुसार छात्र नेताओं पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

बैठक में आजसू छात्र संघ के प्रदेश प्रभारी हरीश सिंह, प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो, वरीय उपाध्यक्ष ऋतुराज सहदेव, विश्वविद्यालय प्रभारी रवि, जेसीएम के कमलेश महतो, अरविंद बैठा, सचित रंजन, छात्र राजद के बबलू मंडल, एआईएसए के शालीन गोप समेत विभिन्न छात्र संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कुलपति प्रो. राजीव मनोहर, कुलसचिव धनंजय द्विवेदी, प्रोक्टर अजय चौधरी, डीएसडब्ल्यू डॉ. सर्वोत्तम कुमार सहित कई शिक्षक और पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए। बैठक के अंत में सभी छात्र संगठनों ने संयुक्त समिति के माध्यम से कुलपति को ज्ञापन सौंपा और भविष्य में भी विश्वविद्यालय एवं छात्रहित के मुद्दों पर संवाद और समन्वय जारी रखने का निर्णय लिया।

संक्षिप्त खबरें

प्रिंस खान के सहयोगी बबलू खान को उच्च न्यायालय से मिली जमानत

रांची : कुख्यात अपराधी प्रिंस खान के सहयोगी बबलू खान को झारखंड उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी है। बबलू खान को अदालत ने जिस केस में जमानत दी है। वह सदर थाना में दर्ज कांड 512/ 2025 से जुड़ा केस है। इस केस में बबलू खान के ऊपर व्यापारियों से रंगदारी के लिए धमकी देने और आर्म्स एक्ट समेत अन्य गंभीर आरोप लगे हैं। बबलू खान को रांची पुलिस ने पिछले वर्ष 22 अक्टूबर को रिंग रोड में हथियार के साथ गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वह न्यायिक हिरासत में है। बबलू की जमानत याचिका ओर झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने 20-20 हजार के दो निजी मुचलकों पर जमानत की सुविधा प्रदान की है। बबलू खान की ओर से अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने बहस की।

झमाझम बारिश से रांची समेत कई इलाकों को गर्मी-उमस से राहत, दो दिन भारी वर्षा का अलर्ट

रांची : झारखंड की राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में पिछले दो दिनों से जारी गर्मी और उमस के बीच सोमवार दोपहर बाद हुई झमाझम बारिश ने लोगों को राहत दी। बारिश के कारण तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे उमस कम हुई और मौसम सुहाना हो गया। बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में लोगों ने राहत की सांस ली और शाम के समय मौसम खुशनुमा बना रहा। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश की संभावना जताते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग के अनुसार सोमवार को राज्य के मध्य और उससे सटे उत्तर-पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। वहीं मंगलवार को उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी और निकटवर्ती मध्यवर्ती क्षेत्रों में भारी बारिश होने की संभावना व्यक्त की गई है। इसके अलावा कई स्थानों पर गरज के साथ वज्रपात और तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी मिलने और मानसूनी सिस्टम के सक्रिय रहने के कारण झारखंड में वर्षा की गतिविधियां तेज बनी हुई हैं। इसके प्रभाव से राज्य के अधिकांश हिस्सों में अगले 48 घंटे तक बादल छाए रहने और रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक 61.4 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम जिले के झींकपानी में दर्ज की गई। वहीं सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान लातेहार में 22.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार को रांची में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद अचानक बादल घिर आए और कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण सड़कों पर पानी जमा हो गया और वाहन चालकों को कुछ समय के लिए धीमी गति से आवागमन करना पड़ा। हालांकि बारिश थमने के बाद मौसम पूरी तरह से सुहावना हो गया और लोगों को उमस से राहत मिली।

दीदी नीलम आनंद का 74वां जन्मदिवस पौधरोपण अभियान के रूप में मनाया गया

रांची : शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फाउंडेशन, शिव शिष्य परिवार एवं वैश्विक शिव शिष्य परिवार के संयुक्त तत्वावधान में दीदी नीलम आनंद का 74वां जन्मदिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से हजारों शिव शिष्यों एवं शिव शिष्याओं ने भाग लिया। हर वर्ष की तरह इस बार भी दीदी नीलम आनंद के जन्मदिवस को वृक्षारोपण पखवाड़ा के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिव शिष्य हरीन्द्रानन्द फाउंडेशन के मुख्य सलाहकार अर्चित आनंद ने कहा कि वर्ष 2030 तक विश्व की जनसंख्या 8.3 अरब से अधिक होने का अनुमान है। इसके परिणामस्वरूप भोजन और ऊर्जा की मांग में लगभग 50 प्रतिशत तथा स्वच्छ जल की मांग में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो इसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। उन्होंने हाल के वर्षों में बढ़ती गर्मी और लू से हुई जनहानि का उल्लेख करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनका संरक्षण करने का आह्वान किया। अर्चित आनंद ने कहा कि वृक्षारोपण को जनआंदोलन का रूप देने के लिए लोगों को पेड़ों के महत्व और उनसे होने वाले लाभों के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने शिक्षा के पाठ्यक्रम में भी वृक्षारोपण को पर्याप्त स्थान देने तथा पौधे लगाने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यदि हम प्रदूषण कम करना और जल संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना चाहते हैं, तो पर्यावरण संरक्षण के साथ संतुलित विकास अपनाना होगा। उन्होंने सभी से आओ चलें प्रकृति की ओर का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में श्रीमती बरखा आनंद, श्री अभिनव, श्रीमती निहारिका, गौरी, रत्नम, हिना, गौतम, रणधीर, राजेश सहित अनेक शिव शिष्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पेपर लीक पर नया कानून नहीं, जवाबदेही तय करे केंद्र सरकार : कांग्रेस

रांची : झारखंड कांग्रेस ने सार्वजनिक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि नया कानून लाकर भाजपा अपनी नाकामी छिपाने की कोशिश कर रही है। राकेश सिन्हा ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में कई बड़ी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, जिससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि अब सरकार नया कानून लाकर खुद को ईमानदार और पारदर्शी दिखाने का प्रयास कर रही है। मीडिया प्रभारी ने सवाल उठाया कि अगर पहले से कानून मौजूद था तो ठएएळ समेत कई भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर बार-बार कैसे लीक हुए। उन्होंने कहा कि समस्या कानून की नहीं, बल्कि उसे लागू करने और दोषियों पर कार्रवाई करने की है। राकेश सिन्हा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें निराशा और धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक परीक्षा कराने वाली एजेंसियों की जवाबदेही तय नहीं होगी, पेपर लीक के आरोपियों और उन्हें संरक्षण देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कोई भी नया कानून प्रभावी साबित नहीं होगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी ने कहा कि कांग्रेस निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और पेपर लीक के दोषियों को सख्त सजा दिलाने की मांग को लेकर संसद से लेकर सड़क तक आवाज उठाती रहेगी।

डोमचांच अंचल कार्यालय के बाहर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन, सीओ पर भ्रष्टाचार के आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : अंचल कार्यालय डोमचांच परिसर में सोमवार को बड़ी संख्या में आमजनो के द्वारा धरना-प्रदर्शन कर अंचल कर्मियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में महिलाओं और पुरुषों ने बड़ी संख्या में भाग लिया तथा हाथों में तख्तियां लेकर अपनी मांगों को बुलंद किया। धरना दे रहे लोगों ने आरोप लगाया कि अंचल कार्यालय में भूमि संबंधी कार्यों में अनियमितता, दलालों की सक्रियता तथा आम लोगों के कार्यों में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान लगाए गए नारों और तख्तियों पर डोमचांच अंचल में दलाल हटाओ, अंचल अधिकारी और कर्मचारी मनमानी बंद करें जैसे संदेश लिखे हुए थे।

धरना को संबोधित करते हुए कोडरमा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह रजत नेता सुभाष प्रसाद यादव, मनोज रजक, बसंत मेहता, पप्पू मेहता विजय कुमार सिंह, संजय मेहता एवं अन्य वक्ताओं ने कहा कि यदि अंचल कार्यालय की कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ व भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। साथ ही डोमचांच स्थित बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज के सचिव हिमांशु कुमार व संरक्षक प्रेमांशु कुमार के साथ कई लोगों के साथ डोमचांच अंचल अधिकारी का साठ गांठ को लेकर नारे लगाए गए। लोगों का आरोप है कि हिमांशु कुमार ने कई लोगों का जमीन अपने नाम करवाया है। साथ ही आंदोलन कार्यों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है अगर कार्रवाई नहीं की जाती है तो डोमचांच अंचल अधिकारी रविंद्र पाण्डेय के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा वही धरना-प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की और से प्रदर्शन को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

एक नजर

जेजे कॉलेज बचाओ आंदोलन को साहिया सामुदायिक प्रशिक्षण संघ का समर्थन

कोडरमा : जे जे कॉलेज सहित कोडरमा जिले के सभी डिग्री कॉलेजों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से हटाकर सर जेसी बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से संबद्ध किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति, कोडरमा द्वारा चलाए जा रहे जन आंदोलन को साहिया सामुदायिक प्रशिक्षण संघ, कोडरमा जिला इकाई ने अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। संघ के जिला अध्यक्ष प्रकाश चंद्र राय, जिला सचिव साइबुन निशा तथा कोषाध्यक्ष बालमुकुंद राम ने संयुक्त रूप से जारी प्रेस बयान में कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी होती है। ऐसे में छात्रों और अभिभावकों की राय की अनदेखी कर लिया गया कोई भी निर्णय न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि जिले के डिग्री कॉलेजों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से अलग कर सर जेसी बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से जोड़ने से हजारों छात्र-छात्राओं को अनावश्यक दूरी, आर्थिक बोझ, समय की बबार्दी तथा शैक्षणिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। पदाधिकारियों ने कहा कि कोडरमा जिले के छात्रों के भविष्य, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता तथा शैक्षणिक हितों की रक्षा के उद्देश्य से जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति द्वारा चलाया जा रहा आंदोलन पूरी तरह जनहित का आंदोलन है। इस आंदोलन को समाज के सभी वर्गों का समर्थन मिलना चाहिए ताकि छात्रों के हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। साहिया सामुदायिक प्रशिक्षण संघ ने यह भी कहा कि यदि छात्रों की जायज मांगों की अनदेखी की जाती है तो संगठन आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से चलाए जाने वाले आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाएगा। साथ ही जिले के सभी सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों, अभिभावकों, छात्र-युवा संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों से शिक्षा बचाने के इस अभियान में एकजुट होकर सहयोग करने की अपील की गई।

चुटूपालू घाटी में हादसे रोकने को बढ़ेंगे साइन बोर्ड, सड़क सुरक्षा पर डीसी सख्त

रामगढ़ : जनपद मुख्यालय के समाहरणालय के सभागार में सोमवार को डीसी ऋतुराज की अध्यक्षता एवं एसपी मुकेश कुमार लुणायत की उपस्थिति में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक के दौरान समिति की पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में किए गए कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। इस दौरान जिले की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने, दुर्घटनाओं में कमी लाने और शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए कई कड़े और सुधारात्मक निर्णय लिए गए। समीक्षा के क्रम में चुटूपालू घाटी में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। डीसी ने वर्तमान में घाटी में लगाई गई लाइटों के नियमित रूप से कार्य करने की स्थिति की जांच की। उन्होंने घाटी क्षेत्र में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगाए गए साइन बोर्ड की संख्या में वृद्धि करने और वाहनों की गति को नियंत्रित करने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। इसके साथ ही घाटी में ओवर स्पीडिंग पर रोक लगाने,हाई मास्ट लाइट लगाने,सीसीटीवी कैमरे दुरुस्त रखने और ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर उन स्थानों को दुर्घटनाओं को रोकने के निर्देश दिया। बैठक के दौरान 'हिट एंड रन' दुर्घटनाओं से संबंधित मामलों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। डीसी ने इस योजना के तहत मिलने वाली मुआवजा प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश एक्का को निर्देश दिया कि 'हिट एंड रन' के तहत आए सभी लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन सुनिश्चित करें, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत और मुआवजा मिल सके।

खंडराडीह गाव में जंगली हाथी के हमले से एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचायत पपलो के खंडराडीह गाँव में रविवार की रात्रि जंगली हाथी के हमले से एक ग्रामीण की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान खंडराडीह निवासी 65 वर्षीय केदार यादव पिता स्वर्गीय धनपत यादव के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार रविवार की रात्रि लगभग 9:30 बजे हाथी गांव के समीप पहुंच गया। इसी दौरान केदार यादव शौच के लिए बाहर निकाला था जो हाथी के चपेट में आ गया। हाथी उन्हें पटक-पटक कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है, और ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि

वन विभाग को सूचना देने के बाद भी बहुत देर बाद पहुंचती है। रविवार की रात्रि भी सूचना देने के बाद काफी देर बाद वन विभाग की टीम पहुंची। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेजने के लिए रात में ही मरकच्चो थाना ले आई जहां से सोमवार को शुबह में कोडरमा सदर अस्पताल भेजा गया। वन विभाग ने मृतक के परिजनों को नियमानुसार मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है। वहीं ग्रामीणों ने हाथियों से बढ़ते आतंक से निजात दिलाने और प्रभावित परिवार को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की है। सोमवार शुबह वन बिभाग के रेंजर रवींद्र कुमार,वनरक्षि अभिमन्यु कुमार कुमार ने पपलो मुखिया पति दशरथ यादव उर्फ संजु यादव की उपस्तिथि में मृतक केदार यादव की पत्नी फुल कुमारी देवी को तत्काल 50 हजार का नकद राशि दिया गया। रेंजर रवींद्र कुमार ने बताया कि हांथी के घटना में मरने वाले लोगों के लिए अब 10 लाख का मुआवजा दिया जाएगा। तत्काल मृतक की पत्नी को मुआवजे की राशि सोमवार को 50 हजार दिया गया।एक सप्ताह के अंदर कागजी प्रक्रिया पूरी कर 4 लाख 50 हजार की राशि दी जाएगी। इसके बाद सारी कागजी प्रक्रिया पूरी कर 5 लाख की राशि मृतक के पत्नी के खाते में ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग, ढाई लाख हस्ताक्षर डीसी को सौंपे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : गौ सम्मान आह्वान अभियान के द्वितीय चरण के तहत ध्वजधारी धाम, कोडरमा में गौ दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजधारी धाम से उपायुक्त कार्यालय तक विशाल जनजागरण यात्रा निकाली गई। यात्रा के समापन पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन के साथ करीब 2.5 लाख लोगों के हस्ताक्षर युक्त समर्थन-पत्र डीडीसी रवि जैन को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से केंद्र सरकार से गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने तथा गौ सेवा, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी कानून बनाने की मांग की गई। अभियान के आयोजकों ने बताया कि यह जनआंदोलन देशभर में साधु-संतों के नेतृत्व में चलाया जा रहा है। जिला प्रभारी अतुल आनन्द ने कहा कि गौ हमारी सृष्टि का आधार है। उन्होंने कहा कि गौ से जंगल, खेती और मानव जीवन का संरक्षण संभव है तथा गौ के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना अधूरी है। उन्होंने सभी नागरिकों से गौ सेवा, सुरक्षा और संवर्धन के लिए आगे आने तथा अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। ध्वजधारी धाम मठ के मठाधीश महंत सुखदेव दास ने अपने संबोधन में गौ माता की सेवा एवं संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। वहीं, विश्व हिंदू परिषद के गौ रक्षा प्रमुख अजय वर्मा ने झारखंड सरकार से ₹गौ सम्मान योजना₹ लागू करने की मांग की। अभियान की सफलता में पंडित शिव शंकर एवं कुसुम साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जनजागरण यात्रा में सुधांशु यादव, विनीत सिंह, सूरज मेहता, नितेश मेहता, दीपक मेहता, अखिलेश यादव, सुधांशु पांडेय, अंशु पांडेय, राहुल यादव, हर्ष गुप्ता, अनिल कुमार, हिमांशु कुमार, आलोक सोनकर सहित बड़ी संख्या में गौ-प्रेमी एवं श्रद्धालु शामिल हुए।

पपाहरा निवासी पूर्व पंसस बबीता देवी का इलाज के दौरान निधन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : उत्तरी पंचायत के पपाहरा निवासी पूर्व पंसस बबीता देवी (42 वर्ष) पति शिबू यादव का निधन इलाज के दौरान हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में दुःख की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि बबीता देवी पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं, और उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान ही उनका निधन हो गया। उनके निधन से परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट गया है। उन्हें एक लड़का व एक लड़की है। उनके निधन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। शोक व्यक्त करने वालों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। लोगों

ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में पूरा क्षेत्र शिबू यादव एवं उनके परिजनों के साथ खड़ा है। शोक व्यक्त करने वालों में राजद नेता सुभाष यादव, प्रमुख विजय कुमार सिंह, मुखिया रंजीत कुमार सिंह, समाजसेवी राजकुमार यादव, जनार्दन यादव, प्रयाग यादव, भुनेश्वर यादव, अणेश्वर सिंह, बिनोद दास, मोहम्मद खलील, इश्हाक अंसारी, नवीन राणा, दिवाकर तिवारी, सन्तोष सिंह, विनोद यादव, पवन दास,अनील यादव, सिकंदर वर्मा समेत कई लोगों के नाम शामिल हैं।

दो नए उप स्वास्थ्य केंद्रों की सौगात, विधायक ने किया शिलान्यास

ग्रामीणों को घर के पास मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा : डॉ. नीरा यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत बच्छेडीह पंचायत भवन के समीप एवं कुड़ीधनवार में सोमवार को नए उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का शिलान्यास कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव और जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने संयुक्त रूप से किया। विधिवत पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर एवं मंत्रोच्चार के साथ निर्माण कार्य की शिलान्यास किया गया। इस मौके पर विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र भवन बनने के बाद बच्छेडीह समेत आसपास के गांवों के लोगों को

इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा इससे गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा,गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाएं की लाभ होगा। वही विधायक ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। नए उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से स्थानीय लोगों को समय पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी और इलाज के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। कार्यक्रम में बच्छेडीह मुखिया बीना देवी, मुखिया प्रतिनिधि मनोज यादव, खरखार मुखिया प्रतिनिधि पिंटू यादव, संवेदक दिवाकर भारती, समाजसेवी किशोर यादव, कमलेश ठाकुर, वीरेंद्र यादव, हरदेव साव, नंदकिशोर भारती, परमेश्वर यादव, दुली साव, आशा देवी, बैजन्ती देवी, राजेंद्र यादव, टिंकू यादव, आफताब आलम, मो. जावीर, सुनील साव, खगेंद्र दास, सुनील दास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। लोगों ने नए स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम बताते हुए विधायक के प्रयास की सराहना की।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पांचवें दिन भी जारी रखा धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरकच्चो में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार पांचवें दिन भी धरना प्रदर्शन जारी रखा। इस दौरान कर्मियों ने सरकार एवं संबंधित एजेंसी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपने समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। धरना दे रहे कर्मियों ने कहा कि वे लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें नियमित वेतन भुगतान, सेवा सुरक्षा एवं अन्य सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। कई बार मांगों से

संबंधित ज्ञापन सौंपने के बावजूद भी अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। कर्मियों ने चेतावनी दी है कि बिगत पांच माह का मानदेय राशि का अविलम्ब भुगतान करने, सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी देने की मांग, ई पी एफ का समय से कटौती करने समेत अन्य मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो वे आंदोलन को और तेज करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग एवं एजेंसी की होगी। धरना प्रदर्शन के दौरान सत्येंद्र यादव, अजीत कुमार यादव, नीरज कुमार साव, पंकज कुमार राणा, इंद्रदेव पांडे, गौरी शंकर सिंह ,पंकज कुमार, मनीष कुमार, पप्पू दास ,अरविंद कुमार, कंचन कुमार, राधा रविदास, करिश्मा कुजूर, क्रांति कुमारी ,नन्हकी मोसोमात, बबीता कुमारी, सारो देवी, मालो देवी , प्रतिमा कुमारी समेत कई आउटसोर्सिंग कर्मी मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर अपनी मांगों को पूरा करने की मांग उठाई।

संक्षिप्त खबरें

गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर निकली नगर भ्रमण रैली, आज से 12 घंटे का अखंड जप

कोडरमा : 29 जुलाई 2026 बुधवार गुरू पूर्णिमा महोत्सव के सुअवसर पर आज डोमचांच गायत्री चेतना केन्द्र में आज नगर भ्रमण रैली का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कल डोमचांच गायत्री चेतना केन्द्र में 28 जुलाई प्रातः 6 बजे से अखंड जप संध्या 6 बजे तक 12 घंटे का चलेगा तत्पश्चात आरती चालीसा दीप यज्ञ संपन्न होंगे गुरुपूर्णिमा के दिन 29 जुलाई प्रातः 7 बजे से ब्यास पूजन के साथ सभी संस्कार और हवन यज्ञ सम्पन्न होंगे। गुरुदेव के सपने को साकार करने के लिए अपने अंग अवयव से अपेक्षा किए है उसका भी संकल्प पौधारोपण, नशा मुक्ति अभियान, बाल संस्कार शाला के साथ गृहे गृहे गायत्री माता की स्थापना पतन पीड़ा से निवारण के लिए छोटे छोटे सूत्र को अपनाकर कैसे मनुष्य तनाव मुक्त रह सकता है। कई सामूहिक संकल्प लिया जाएगा आइये हम सब मिलकर जीवन का अनुपम सौभाग्य और संयोग- जिसमें हमें एक अवतारी चेतना का गुरु सत्ता के रूप में सानिध्य- संरक्षण मिला है। अपने गुरू वेदमूर्ति, तपोनिष्ठ, युगदृष्टा पं श्रीराम शर्मा आचार्य जी के चरणों में हम सभी मिलकर अपने श्रद्धा-सुमन समर्पित करने पधारें।

कोडरमा के गायक दीपक सिंह का नया बोल बम भजन जल्द होगा रिलीज

कोडरमा : सावन माह के पावन अवसर पर कोडरमा के चर्चित लोकगायक दीपक सिंह एक बार फिर अपने नए बोल बम भजन के साथ श्रोताओं के बीच आने वाले हैं। इस भजन की शूटिंग बरसोत स्थित कुलेश्वरी पहाड़ के समीप प्राकृतिक जंगलों में की गई है। भजन में भगवान भोलेनाथ की महिमा का गुणगान किया गया है, साथ ही ध्वजाधारी धाम और झरनाकुंड धाम की विशेष महत्ता को भी दशार्या गया है। इस भजन में दीपक सिंह के साथ खोरठा एवं भोजपुरी लोकगायिका मनिता श्री ने भी अपनी मधुर आवाज दी है। भजन का संगीत प्रशांत सिंह ने तैयार किया है। इसकी रिकॉर्डिंग शहंशाह स्टूडियो, कोडरमा में हुई है, जबकि वीडियो निर्माण रोमियो स्टूडियो, बरही द्वारा किया गया है। भजन के निर्देशक माही सोनू ने बताया कि जल्द ही यह भजन रिलीज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एक से बढ़कर एक लोकगीत भी दर्शकों के बीच प्रस्तुत किए जाएंगे और इसके लिए श्रोताओं का सहयोग व प्यार जरूरी है। वहीं, वीडियो डायरेक्टर दिलीप रोमियो ने कहा कि भजन की शूटिंग बेहद शानदार लोकेशन पर की गई है और इसका वीडियो दर्शकों को काफी पसंद आएगा। उन्होंने सभी से अपना आशीर्वाद और समर्थन बनाए रखने की अपील की। इस भजन में अभिनेत्री शोभा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। कैमरा संचालन मुकेश भाई ने किया है। अन्य सहयोगियों में सुमित्रा यादव, रवि पांडेय, बाबू अशोक, कोरियोग्राफर दीपक, पवन और झरी भाई शामिल रहे।

स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग कर्मियों की जायज मांगों का शीघ्र समाधान करे सरकार : प्रकाश रजक

कोडरमा : झारखंड स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ, कोडरमा द्वारा 23 जुलाई से जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल के पाँचवें दिन सोमवार को

जिला कांग्रेस कमेटी, कोडरमा के अध्यक्ष प्रकाश रजक एवं जिला उपाध्यक्ष दशरथ पासवान धरना स्थल पहुँचे। दोनों नेताओं ने आंदोलनरत कर्मचारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा उनकी जायज मांगों का समर्थन किया। सभा को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रजक ने कहा कि सदर अस्पताल सहित जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्सिंग स्वास्थ्यकर्मी वर्षों से पूरी निष्ठा के साथ आमजन को स्वास्थ्य सेवाएँ दे रहे हैं। इसके बावजूद पाँच माह से उनका मानदेय लंबित होना बेहद गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के अनुसार 1 जून को सिविल सर्जन की अध्यक्षता में त्रिपक्षीय वार्ता हुई थी। इसके बाद 17 जून को भुगतान का आश्वासन भी दिया गया, लेकिन आज तक उस पर अमल नहीं हुआ। वहीं 2 जुलाई को कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन किया, फिर भी उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। प्रकाश रजक ने कहा कि कर्मचारियों की मांगें पूरी तरह न्यायोचित हैं। सरकार और संबंधित एजेंसी को बिना विलंब पाँच माह के लंबित मानदेय का भुगतान सुनिश्चित करना चाहिए। साथ ही झारखंड सरकार के निर्धारित मानकों के अनुसार मानदेय का भुगतान किया जाए तथा एढऋअंशदान से जुड़ी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के अधिकारों की लगातार अनदेखी किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो इसका सीधा असर जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ेगा। कांग्रेस पार्टी कर्मचारियों के न्यायोचित अधिकारों की लड़ाई में सदैव उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। ज्ञान-विज्ञान समिति के राम रतन अवधया ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान टकराव से नहीं, बल्कि संवाद और संवेदनशील रवैये से होना चाहिए। सरकार को उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष दशरथ पासवान ने कहा कि महीनों तक मानदेय लंबित रखना कर्मचारियों के साथ अन्याय है। सरकार को तत्काल वार्ता कर उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए, ताकि कर्मचारियों के साथ-साथ आम जनता को भी किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। सीटू के जिला अध्यक्ष प्रेम प्रकाश ने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा प्रत्येक लोकतांत्रिक सरकार का दायित्व है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की जायज मांगों की अनदेखी उचित नहीं है। सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता रणजीत राम ने की। इस अवसर पर राहुल कुमार वर्मा, अभिजीत कुमार, विशाल राणा, महिमा भारद्वाज, प्रिंस पांडे, हीरालाल डोम, मुकुल, बबीता, सूफी प्रेमलता, साजन दास, दीपक कुमार, कंचन कुमारी, सरिता, प्रेमलता, रंजीत कुमार, शालिनी कुमारी, रंभा देवी, राधा कुमारी, रानी सिंह, चम्मा देवी, संजना कुमारी सहित सैकड़ों की संख्या में आउटसोर्सिंग कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर

ईवीएम वेयरहाउस का डीसी ने किया निरीक्षण

धनबाद : धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन ने सोमवार को मासिक निरीक्षण के तहत जिले के ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव और पूर्व में बताई गई कमियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस तक जाने वाले मार्ग पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग की समस्या भी उनके संज्ञान में आई, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि यह निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार होने वाला नियमित मासिक निरीक्षण है। उन्होंने कहा कि झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पिछले निरीक्षण में जिन कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया गया था, उन्हें अब पूरी तरह दूर कर लिया गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वेयरहाउस तक पहुंचने वाले मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा और अवैध पार्किंग पर भी जल्द कार्रवाई होगी, ताकि किसी भी स्थिति में ईवीएम के आवागमन में बाधा न आए। उल्लेखनीय है कि जिले में चुनाव के दौरान उपयोग होने वाली सभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें यानी ईवीएम इसी वेयरहाउस में सुरक्षित रखी जाती हैं। ऐसे में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप यहां सुरक्षा, रखरखाव और निगरानी की नियमित समीक्षा की जाती है।

निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूरा करें : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिले की विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुल-पुलिया, सड़क, भवन सहित अन्य निमार्णाधीन योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के पूर्ण और अपूर्ण कार्यों की जानकारी लेते हुए लंबित योजनाओं के कारणों पर संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया। उन्होंने सभी कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया कि निमार्णाधीन योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए और कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाए। बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, पथ निर्माण विभाग, एनआरईपी, भवन निगम, भवन प्रमंडल सहित विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित सड़क, पुल-पुलिया, अस्पताल भवन एवं अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को योजनाओं में तेजी लाने, नियमित मॉनिटरिंग करने और तय समय पर कार्य पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही अनटाइड फंड का प्रभावी एवं पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, जिला योजना पदाधिकारी, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, ग्रामीण कार्य विभाग, भवन प्रमंडल, एनआरईपी, पथ प्रमंडल सहित विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

आदिवासी उच्च विद्यालय में प्रबंधन समिति की अध्यक्ष रेखा रजक, उपाध्यक्ष आशुतोष महतो बने

पटमदा : सोमवार को आदिवासी उच्च विद्यालय बोड़ाम में ग्राम प्रधान राधेश्याम सिंह सरदार की अध्यक्षता में प्रबंधन समिति पुनर्गठन की बैठक आयोजित किया गया। बैठक में सभी सदस्यों का गुप्त मतदान करवाया। जिसमें दो सदस्यों ने दावेदारी की जिसमें रेखा रजक को 12 और सुनीता मोदक को 5 वोट प्राप्त हुआ। इस दौरान विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन करते हुए अध्यक्ष रेखा रजक ,सचिव प्राचार्य मजनू अंसारी, उपाध्यक्ष आशुतोष महतो के नाम की घोषणा करते हुए 25 सदस्य समिति गठित किया गया। बैठक में ग्राम प्रधान राधेश्याम सिंह सरदार,प्राचार्य मजनू अंसारी,मालती प्रामाणिक, सरस्वती रुहिदास, मिहिर महतो, वीरेन महतो, विनय मंडल,मनोज रजक, राजीव महतो, युधिष्ठिर सिंह सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

हथिया बाबा मंदिर के समीप दर्दनाक हादसा हाइवा की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

चौपारण : राष्ट्रीय राजमार्ग–19 स्थित दनुआ घाटी के हथिया बाबा मंदिर के समीप सोमवार को तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आने से एक वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर चौपारण पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौपारण में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। मृतक की पहचान दशरथ यादव के रूप में हुई है। वे बिहार के बाराचट्टी प्रमुख प्रतिनिधि एवं समाजसेवी जगदीश यादव के पिता थे। वहीं घायल की पहचान तीतरिया निवासी बलेश्वर यादव के रूप में की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों किसी आवश्यक कार्य से जा रहे थे। इसी दौरान हथिया बाबा मंदिर के समीप तेज गति से आ रहे हाइवा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दशरथ यादव ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि बलेश्वर यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। चौपारण थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। दशरथ यादव के निधन की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया।

जेएलकेएम केंद्रीय संयुक्त महासचिव देवव्रत महतो के पहल पर बोड़ाम में जर्जर सड़क की हुई मरम्मत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय संयुक्त महासचिव देवव्रत महतो की पहल पर पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत बोड़ाम प्रखंड के बांकादा मध्य विद्यालय के सामने पर बने गड्ढों की मरम्मत ढहऊ विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर कराई गई। पिछले कुछ वर्षों से सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण स्कूली विद्यार्थियों, महिलाओं एवं आम नागरिकों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही, इस स्थान पर हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी और कई लोग दुर्घटना का शिकार भी हो चुके हैं। स्थानीय लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए देवव्रत महतो ने पी डब्लू डी अधिकारियों से संपर्क कर त्वरित पहल की, जिसके परिणामस्वरूप सड़क के गड्ढों की मरम्मत कराई गई। इस कार्य से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

जायदा पुल पर नहाने के दौरान ट्रेलर चालक डूबा एनडीआरएफ ने एक घंटे में बरामद किया शव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : चांडिल थाना क्षेत्र के जायदा पुल स्थित छठ घाट पर रविवार शाम नहाने के दौरान एक ट्रेलर चालक नदी में डूब गया। देर रात तक चला रेस्क्यू अभियान सोमवार सुबह एनडीआरएफ की टीम ने सफल किया और घटना के करीब 1 घंटे में ही लापता युवक का शव बरामद कर लिया।

जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी 35 वर्षीय शोहरुख खान पेशे से ट्रेलर चालक था। वह अपने साथियों के साथ जमशेदपुर जा रहा था। रास्ते में उन्होंने होटल के पास वाहन खड़ा कर जायदा पुल के पास नदी में नहाने का फैसला किया। इसी दौरान शोहरुख गहरे पानी में चला गया और तेज बहाव में बह गया। साथियों ने तुरंत स्थानीय लोगों और पुलिस को सूचना दी। रेस्क्यू अभियान सूचना मिलते ही सबसे पहले चौका थाना पुलिस और बाद में चांडिल थाना पुलिस रेस्क्यू टीम के साथ मौके पर पहुंची। लगातार बारिश और चांडिल डैम के 7 फाटक खुले होने के कारण नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ था और बहाव तेज था, जिससे बचाव कार्य में काफी दिक्कतें आईं। देर शाम तक चली खोजबीन के बाद भी कोई सफलता नहीं मिली। सोमवार सुबह 9:30 बजे एनडीआरएफ की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। महज 1 घंटे के भीतर टीम ने लापता चालक के शव को बरामद कर लिया। शव जायदा मंदिर के सामने, डूबने वाली जगह से लगभग 1 किलोमीटर दूर मिला। सूचना मिलते ही दिल्ली से शोहरुख के दो रिश्तेदार मौके पर पहुंचे और परिजनों को खबर दी गई। घटना की खबर सुनते ही परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

स्थानीय लोगों ने बताया कि इसी जगह पर 9 जून को सोनारी के प्रेम कुमार नामक युवक का शव भी बरामद किया गया था।

अनुमंडलीय अस्पताल जल्द शुरू करने की मांग, एसयूसीआई ने सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सोमवार को एस.यू.सी.आई पार्टी के बैनर तले अनुमंडल पदाधिकारी चांडिल के अनुपस्थिति में बड़ा बाबू को एक ज्ञापन सोपा गया।

मांगः

नवनिर्मित अनुमंडलीय अस्पताल को अविलंब चालू किया जाए। कुकड़ो में ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जाए। इस अवसर पर पार्टी के अनुमंडल सचिव अनंत कुमार महतो ने कहा की हमारी पार्टी की ओर से कई सालों से यह मांग उठाया जा रहा है की अनुमंडलीय अस्पताल को जल्द से जल्द चालू किया जाए तथा कुकड़ू में ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जाए। जिसका नतीजा है कि आज अनुमंडलीय अस्पताल का भवन बनकर तैयार है। 2008 से अनुमंडल अस्पताल का भवन बन रहा है। बन के तैयार भी हो गया था लेकिन चालू नहीं किया गया और बाद में भवन जर-जर हो गया तो फिर से टेंडर निकाल के मरम्मती की गई। अब भवन बनकर पूरी तरह तैयार है इसीलिए आम चांडिल वासियों से अपील है चालू करने की मांग को लेकर जोरदार आंदोलन तैयार करें। वरना यह चालू नहीं भी हो सकता है और भवन फिर से जर्जर हो सकता है। हमारे आंदोलन के दबाव में पिछले साल जिला चिकित्सा पदाधिकारी सरायकेला ने झारखंड सरकार को प्रस्ताव भेजा था की कुकड़ू ब्लॉक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जाए लेकिन अभी तक इस पर कोई पहल नहीं हुई है। कार्यक्रम में निम्नलिखित साथियों ने भाग लियाः आशुदेव महतो, भुजंग मछुआ, धीरेन गोड, विशेश्वर महतो, राजा प्रामाणिक आदि।

कला संस्कृति भवन सिल्ली में कला उत्सव का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली के कला संस्कृति भवन में कला उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मोहन कुमार के नेतृत्व में किया गया, जिसमें सिल्ली क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों और डांस एकेडमी से जुड़े छात्र-छात्राओं एवं कलाकारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कला उत्सव में बच्चों और कलाकारों ने अपनी नृत्य प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में रांची से पहुंचे निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रतिभा का मूल्यांकन किया और बेहतर प्रदर्शन करने वाले कलाकारों का चयन किया गया। आयोजकों के अनुसार, फाइनल राउंड का कार्यक्रम आयोजित होने के बाद विजेता कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा।वहीं, डांस एकेडमी से जुड़े निर्णायकों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को नृत्य और कला के माध्यम से एक बेहतर मंच उपलब्ध कराना है, ताकि बच्चे अपनी प्रतिभा को सामने ला सकें और भविष्य में आगे बढ़ सकें। कला उत्सव में शामिल बच्चों और कलाकारों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, रामगढ़

अतिअल्पकालीन निविदा आंमत्रण सूचना सं0–17 / 2026–27

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पदनाम : कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल रामगढ़।
2. परिमाण विपत्र निर्गत की तिथि एवं समय : दिनांक **03 / 08 / 2026** को अपराह्न 1:00 बजे तक ।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक **04 / 08 / 2026** को अपराह्न 3:00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक **04 / 08 / 2026** को अपराह्न 3:30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : (1) अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल हजारीबाग, (2) कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, रामगढ।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : **पुलिस अधीक्षक कार्यालय, ब्लॉक सी0, समाहरणालय, रामगढ़।**
7. कार्यो का विवरण :–

क्र0 स0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मुल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of Boundary wall, Gate & Repair work in KB +2 High School Lari, Block- Chitarpur, Ramgarh	37,86,000/-	76,000/-	5000/-	3 माह

* निविदा की शर्तें एवं अन्य सूचनाएँ www.jharkhandtenders.gov.in पर भी देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमंडल ,रामगढ़

PR 385928 Building(26-27).D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग)
जिला गव्य विकास कार्यालय, कोडरमा

पशुपालकों के लिए आवश्यक सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में सरकार के सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग), झारखण्ड, राँची के राज्यादेश संख्या – 20 रा0 (वि0) दिनांक – 13 / 07 / 2026 के द्वारा गव्य विकास प्रक्षेत्र के अन्तर्गत मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजनान्तर्गत लाभुकों का चयन ग्राम स्तर पर ग्राम सभा अथवा पंचायत स्तरीय समिति के द्वारा किया जाना है, जिसकी अनुशंसा प्रखण्ड स्तरीय समिति एवं जिला स्तरीय समिति से प्राप्त किया जाना है। उक्त संबंधी योजनानुसार कोडरमा जिला को प्राप्त लक्ष्य एवं लाभुक अर्हता निम्नवत् है –

क्र0	योजना का नाम	अर्हता	अनुदान प्रतिशत	लक्ष्य
1.0	दो दुधारू गाय /भैंस वितरण की योजना			
1.	02 दुधारू गाय/भैस वितरण की योजना	आपदा/आगलगी से प्रभावित परिवार की महिला/सड़क दुर्घटना से प्रभावित परिवार की महिला/परित्यक्त महिला/दिव्यांग महिलाओं के लिए	90 प्रतिशत	100
		शेष सभी महिला लाभुकों के लिए	75 प्रतिशत	230
2.0	कामधेनु डेयरी फार्मिंग अन्तर्गत 05/10 गाय/भैस की योजना			
1.	05 दुधारू गाय/भैस वितरण की योजना	अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लिए।	75 प्रतिशत	30
		अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी जातियों के लिए।	50 प्रतिशत	50
2.	10 दुधारू गाय/भैस वितरण की योजना	अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लिए।	75 प्रतिशत	9
		अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी जातियों के लिए।	50 प्रतिशत	10
3.0	हस्त चालित एवं विद्युत चालित चैफ कटर वितरण की योजना			
1.	हस्त चालित चैफ कटर	अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लिए।	90 प्रतिशत	42
		अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी जातियों के लिए।	75 प्रतिशत	40
2.	विद्युत चालित चैफ कटर	अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लिए।	90 प्रतिशत	40
		अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी जातियों के लिए।	75 प्रतिशत	55
4.0	प्रगतिशील डेयरी कृषकों को सहायता की योजना			
1.	मिल्किंग मशीन	अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लिए।	90 प्रतिशत	1
		अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी जातियों के लिए।	75 प्रतिशत	2
2	पनीर एवं खोआ मेकिंग यूनिट	अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लिए।	90 प्रतिशत	1
		अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी जातियों के लिए।	75 प्रतिशत	3
3	वर्मी कम्पोष्ट यूनिट	अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लिए।	90 प्रतिशत	75
		अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी जातियों के लिए।	75 प्रतिशत	120
4	बोरिंग (4" dia, depth 400')	अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लिए।	90 प्रतिशत	32
		अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी जातियों के लिए।	75 प्रतिशत	45
5	काउ मैट (6.5'X4')	अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों/दुग्ध सहकारी समिति के लिए।	90 प्रतिशत	155
		अनुसूचित जाति/जनजाति के लाभुकों के अतिरिक्त अन्य सभी जातियों के लिए।	75 प्रतिशत	265

- इच्छुक लाभुक आवेदन पत्र संबंधित प्रखण्डों के प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी (नोडल पदाधिकारी, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना) से प्राप्त कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
- मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत दुधारू मवेशी वितरण/कामधेनु डेयरी फार्मिंग के लाभुकों को शत प्रतिशत **"दुधारू पशु पोषण एवं प्रबंधन"** प्रशिक्षण दिया जाना है। अतः दुधारू पशु प्रबंधन प्रशिक्षण यदि पूर्व से प्राप्त है, तो उसका छाया प्रति आवेदन के साथ संलग्न करना आवश्यक है।
- प्रशिक्षणार्थी का उम्र 18 से 55 वर्ष के बीच निर्धारित है एवं साक्षर होना अनिवार्य है। अतः आवेदक का उम्र उम्र 18 से 55 वर्ष के बीच होना वांछित है।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी, कोडरमा

PR 385955 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department)26-27*D

स्कूल की बदहाली पर सवाल उठाने वाली शिक्षिका को पढ़ाने से रोका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के रा० म० विद्यालय चौलीवासा में मूलभूत सुविधाओं के अभाव और प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ आवाज उठाने पर विद्यालय प्रबंधन समिति की सदस्य सह शिक्षिका रीना भुईयां को पढ़ाने से रोकने और दुर्व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगा है। शिक्षिका का कहना है कि बच्चों के हित में सवाल पूछना उन्हें भारी पड़ गया।

6 महीने तक निशुल्क पढ़ाती रहीं रीना

विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी को देखते हुए PTM की मासिक बैठक में ग्रामीणों और SMC सदस्यों ने निर्णय लिया था कि यदि कोई निशुल्क सेवा भावना से पढ़ाना चाहे तो उसे अनुमति दी जाए। इसी के तहत SMC सदस्य रीना भुईयां को प्रधानाध्यापक के लिखित निर्देश पर पढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रीना ने पिछले 6 महीने तक बिना किसी मानदेय के कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को पढ़ाया। फाइनल परीक्षा में उन्होंने कक्षा 1, 2, 3 का पेपर भी लिया और रजिस्टर में नियमित हाजिरी बनाई। रीना का कहना है, ₹मैं यहां की बहू हूं। मेरा बच्चा भी इसी स्कूल में पढ़ता है। शिक्षक नहीं थे इसलिए मैंने निशुल्क पढ़ाना शुरू किया। बीआरपी सर ने भी प्रभारी शिक्षक को कहा था कि मैडम को पढ़ाने की इजाजत दी जाए।

स्कूल में सुविधाओं का घोर अभाव

रीना और ग्रामीणों ने स्कूल की स्थिति को लेकर कई समस्याएं गिनाईं:

स्थिति को लेकर कई समस्याएं गिनाईः

पानी की व्यवस्था नहीं - स्कूल परिसर में न चापाकल है, न सोलर। बच्चे पीने के पानी के लिए नेशनल हाईवे पार करके जाते हैं। इससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। शौचालय जर्जर - शौचालय टूटा-फूटा है और नियमित सफाई नहीं होती। बालिकाओं को भारी परेशानी होती है। चारदीवारी नहीं - परिसर खुला होने के कारण बच्चे पढ़ाई के दौरान बाहर निकल जाते हैं। पंखा और बिजली नहीं - गर्मी में कक्षाओं में पंखा नहीं चलता, जिससे पढ़ाई बाधित होती है। शिक्षकों की कमी - लगभग 263 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं, लेकिन शिक्षक पर्याप्त नहीं हैं। समस्या उठाई तो रोक दिया जाना रीना भुईयां ने बताया कि गर्मी की छुट्टी के बाद स्कूल खुलने पर उन्होंने फिर से इन समस्याओं के समाधान की मांग की। इस पर प्रभारी शिक्षक ने उन्हें क्लास लेने से मना कर दिया और कहा ₹कल से मत आनाज। मैं बाथरूम, पंखा, शिक्षक और रसोइया की कमी पर सवाल उठाती थी। इसी कारण मेरे खिलाफ माहौल बनाया गया। क्लास में बच्चों को निकाल दिया जाता था। मेरे खिलाफ बच्चों को भी भड़काया गया। रटउ सदस्य होने के नाते सवाल पूछना मेरा अधिकार है, लेकिन मुझे ही टॉर्चर किया गया, रीना ने कहा। उन्होंने कहा कि स्कूल में अध्यक्ष और कुछ शिक्षकों के व्यवहार के कारण उन्हें अंततः स्कूल आना बंद करना पड़ा।

धरती की चेतावनी सुनिए

पूरी दुनिया में मौसम के तेजी से बिगड़ते मिजाज के कारण विभिन्न देशों में प्रकृति की मार अब स्पष्ट नजर आने लगी है। प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही परिणाम है कि अब हर साल देश के कई हिस्से भारी बारिश के कारण बाढ़ की वजह से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं जबकि कई हिस्से मानसून के दौरान भी पर्याप्त बारिश के लिए तरसते रह जाते हैं। इस वर्ष भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। दुनिया के कई ठंडे इलाके अब ग्लोबल वार्मिंग के कारण तपने लगे हैं तो कई सूखे इलाके बाढ़ से त्रस्त हैं, जंगल झुलस रहे हैं। बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। पर्यावरण के तेजी से बदलते इस दौर में वैश्विक स्तर पर लोगों का ध्यान इन समस्याओं की ओर आकृष्ट करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 जुलाई को 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' मनाया जाता है, जिसके माध्यम से वातावरण में हो रहे व्यापक बदलावों के चलते लगातार विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही जीव जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को जागरूक करने के लिहाज से आज के समय में प्रकृति संरक्षण दिवस की महत्ता बढ़ गई है। साल 2020 में कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौर में पूरी दुनिया ने पहली बार प्रकृति को खुलकर मुस्कराते देखा था। तब औद्योगिक इकाइयां, हवाई व रेल यात्राएं, बस यात्रा तथा निजी वाहनों का आवागमन बंद होने से हर तरह के प्रदूषण का स्तर पूर्ण रूप से नियंत्रित हो गया था। गंगा, यमुना जैसी जो पवित्र नदियां कई जगहों पर गंदे नालों की भांति बहती दिखाई देती थी, उनमें जल की निर्मल धारा बहने लगी थी। जिन नदियों को साफ करने के लिए पिछले कुछ दशकों में अनेक योजनाएं और समितियां बनी तथा नदियों की स्वच्छता के नाम पर अरबों-खरबों रुपये खर्च हो गए, लॉकडाउन के दौरान वे स्वतः ही स्वच्छ और निर्मल हो गई थी। पहली बार देखा गया था कि किस प्रकार लॉकडाउन के चलते लोगों के घरों में बंद रहने और सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्य बंद हो जाने से हवा इतनी शुद्ध हो गई थी कि सैकड़ों किलोमीटर दूर स्थित पर्वतों की चोटियां भी स्पष्ट दिखाई दी थी। जिन नन्ही चिड़ियों की चहचहाहट को हमारे कान तरस गए थे, ब्रह्म मुहूर्त में उनकी मधुर आवाज फिर से सुनाई देनी लगी थी। प्रकृति के उस साफ-सुथरे स्वरूप को देखकर हर कोई खुश था। दरअसल प्रकृति को स्वयं अपनी मरम्मत करने और खुद को सजाने-संवारने का सुअवसर मिला था लेकिन इंसानी गतिविधियां पुनः शुरू होते ही प्रकृति के साथ निर्मम खिलवाड़ का वही दौर पुनः शुरू हो गया, जिसका परिणाम इस समय दुनिया के तमाम देश भुगत रहे हैं। लॉकडाउन के दौर ने पूरी दुनिया को यह समझने का बेहतरीन अवसर दिया था कि इंसानी गतिविधियों के कारण ही प्रकृति का जिस बड़े पैमाने पर दोहन किया जाता रहा है, उसी के कारण स्वर्ग से भी सुंदर हमारी धरती कराहती रही है। प्रकृति मनुष्य को ऐसा न करने के लिए बार-बार किसी न किसी बड़ी आपदा के रूप में चेतावनियां भी देती रही है लेकिन उन चेतावनियों को सदा दरकिनार किया जाता रहा है। प्रकृति के साथ मानवीय छेड़छाड़ का ही नतीजा रहा है कि बीते कुछ वर्षों में मौसम चक्र में बदलाव स्पष्ट दिखाई दिया है। वर्ष दर वर्ष अब जिस प्रकार मौसम के बिगड़ते मिजाज के चलते समय-समय पर तबाही देखने को मिल रही है, ऐसे में हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि मौसम चक्र के बदलाव के कारण प्रकृति संतुलन पर जो विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, उसकी अनदेखी के कितने भयावह परिणाम होंगे। प्रकृति बार-बार मौसम चक्र में बदलाव के संकेत, चेतावनी तथा संभलने का अवसर देती रही है लेकिन हम आदतन किसी बड़े खतरे के सामने आने तक ऐसे संकेतों या चेतावनियों को नजरअंदाज करते रहे हैं, जिसका नतीजा अक्सर भारी तबाही के रूप में सामने आता रहा है।

सूडोकु नवताल- 7869

******* कठिनतम**

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7868 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है।

माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है। भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी- 'मैं' से पहले 'हम' का भाव। आज 'हम' की जगह 'मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।

भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति 'संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं।

समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी। भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- 'वसुधैव कुटुम्बकम्।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो उसकी शुरूआत संसद, न्यायालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि हर घर के आंगन से होगी। संयुक्त परिवार की आत्मा, रिश्तों की गरिमा, संवाद की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को पुनर्जीवित करना ही इस युग की सबसे बड़ी राष्ट्रीय आवश्यकता है। यही सुप्रीम कोर्ट की चिंता का वास्तविक संदेश है और यही भारतीय सभ्यता के भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी।

स्मृतियों में जिम कॉर्बेट

प्रयाग पाण्डे

प्रकृति के सजग चितेरे, वन्यजीव विज्ञानी, शिकार कथा लेखक और प्रसिद्ध शिकारी जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट यानी जिम कॉर्बेट की 151वीं जयंती 25 जुलाई के साथ खामोशी के साथ गुजर गई। 71 वर्ष पूर्व उनकी आत्मा अनंत में विलीन हो चुकी है। इसके बावजूद नेकदिली और भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट भारत के सामाजिक जीवन का अटूट हिस्सा बने हुए हैं। जिन लोगों ने जिम कॉर्बेट को कभी देखा नहीं, वे भी गरीबों से अगाध प्रेम करने वाले नेक दिल इंसान के रूप में जिम के प्रति श्रद्धा रखते हैं।

जेम्स एडवर्ड कॉर्बेट के पुरखे मूलतः आयरिश नागरिक थे। कॉर्बेट का कुटुंब तीन पीढ़ियों तक भारत में रहा। जिम कॉर्बेट का जन्म 25 जुलाई,1875 को नैनीताल में हुआ था। इस दृष्टि से वे जन्म से भारतीय थे। संस्कारों से भी। जिम के पिता का नाम क्रिस्टोफर विलियम कॉर्बेट था। वे नैनीताल के हेड पोस्ट ऑफिस में पोस्ट मास्टर थे। उनकी मां का नाम मैरी जेन कॉर्बेट था।

जिम कॉर्बेट की ख्याति कुशल शिकारी और शिकार कथा लेखक के रूप में है, लेकिन यह उनके व्यक्तित्व का अधूरा पक्ष है। वे अचूक निशानेबाज तो थे ही, इसी से उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। इसके इतर वे गरीबों के प्रति अत्यधिक उदार और मानवीय गुणों से भरे संवेदनशील भलमानुष भी थे। उन्होंने अनेक बार स्वयं के जीवन को गंभीर संकट में डालकर मानव जीवन की रक्षा की। इसी भलमनसाहत के चलते जिम कॉर्बेट के जन्म से ईसाई होने के बावजूद उत्तराखंड की धर्मभीरू जनता ने उन्हे 'गोरा साधु' की संज्ञा दी थी।

जिम कॉर्बेट ने करीब डेढ़ हजार लोगों को मारने के लिए जिम्मेदार दर्जन भर से अधिक खूंखार नरभक्षियों का अत्यंत साहस और बहादुरी के साथ मुकाबला किया। अपने प्राणों की परवाह किए बिना नरभक्षियों से लड़े। जिन आदमखोरों के सामने देश-विदेश के अनेक नामचीन निशानेबाजों ने हथियार डाल दिए थे, जिम कॉर्बेट ने अकेले उनका खात्मा कर उत्तराखंड के निवासियों को नरभक्षियों के आतंक से मुक्ति दिलाई। इस वजह से उत्तराखंड का जनमानस जिम कॉर्बेट को चमत्कारिक शक्ति से संपन्न व्यक्ति मानता था।

जिम कॉर्बेट के जीवन का अधिकांश हिस्सा कुदरत के निकट बीता। उन्होंने जंगल को अपने भीतर सोख लिया था। उनका संपूर्ण जीवन प्रकृति के सूक्ष्म और गहन रहस्यों को जानते और आत्मसात करने में बीता। स्वअर्जित जंगल ज्ञान के बूते ही वे प्रकृति के ज्ञाता बने और दुर्दांत नरभक्षियों को मारने में सफल हुए। जिम कॉर्बेट का व्यक्तित्व बहुआयामी था। वे प्रकृति विज्ञानी, वन्यजीव विशेषज्ञ एवं मशहूर शिकारी थे साथ ही वन्यजीव रक्षक भी। उन्होंने रेलवे में नौकरी की। सेना में भी सेवाएं दी। जिम कॉर्बेट को सेना में कर्नल की पदवी से नवाजा गया था। वे लोकप्रिय जनप्रतिनिधि भी रहे।

जिम कॉर्बेट ने 1907 से 1940 के कालखंड में नैनीताल नगर पालिका के सदस्य, उपाध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष के दायित्वों का निर्वहन किया। वे ठेकेदार भी थे और संपत्ति एजेंट भी। जिम सिद्धहस्त लेखक भी थे और प्रसिद्ध वन्यजीव फोटोग्राफर भी। जिम की तत्कालीन अंग्रेज शासकों के साथ निकटता भी थी और वे भारत के गरीबों के अजीज दोस्त एवं हमदर्द भी थे। जिम कॉर्बेट के व्यक्तित्त्व का सबसे उजला पक्ष था- उनकी दानशीलता और गरीबों के प्रति आत्मीयता। 1893 से 1914 के दौरान मोकामाघाट में रेलवे की नौकरी के कालखंड को छोड़कर जिम कॉर्बेट का अधिकांश जीवन नैनीताल और कालाढूंगी में ही बीता।

जिम कॉर्बेट भारत भूमि और भारत के गरीबों से बेपनाह मोहब्बत करते थे। जिम कॉर्बेट ने अपनी बहुचर्चित किताब 'माय इंडिया' हिंदुस्तान के गरीबों को समर्पित की है। जिम कॉर्बेट ने 'माय इंडिया' की प्रस्तावना में लिखा, जिस हिंदुस्तान को मैं जानता हूं, उसमें चालीस करोड़ लोग रहते हैं, जिनमें से नब्बे फीसदी लोग सीधे- सादे, ईमानदार, बहादुर, वफादार और मेहनती हैं, जिनकी रोजाना की इबादत- ऊपर वाले से और जो भी सरकार गद्दी पर हो, से यही रहती है कि उनकी जान-माल की सलामती बनी रहे और वो अपनी मेहनत का फल अच्छे से खा सकें। हिंदुस्तान के ये वो लोग हैं, जो निपट गरीब हैं और जिन्हें अक्सर 'हिंदुस्तान के करोड़ों अधपेटे' कहा जाता है। ये वे लोग हैं जिनके बीच मैं रहा हूं और जिनसे मैं मोहब्बत करता हूं। यही वो लोग हैं जिनके बारे में बताने की कोशिश मैं इस किताब के पन्नों में करूंगा और यह किताब मैं अपने उन्हीं दोस्तों के नाम करता हूं। हिंदुस्तान के गरीबों के नाम।

जिम कार्बेट और उनकी बहन मारग्रेट विनिफर्ड 'मैगी' ने 30 नवंबर, 1947 को भारी मन से नैनीताल को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। वे रोते- बिलखते सेवकों को छोड़कर केन्या की ओर चल पड़े। जिम कॉर्बेट और मैगी कभी नैनीताल नहीं छोड़ना चाहते थे। नैनीताल छोड़ते समय अपनी मनोदशा के बारे में जिम कॉर्बेट की बहन मैगी ने केन्या से अपने किसी मित्र को भेजे पत्र में लिखा था, जिस सुबह हम निकलने वाले थे, सुबह सबसे पहले हमने तालाब को देखा, सुबह की रोशनी में तालाब बेहद खूबसूरत दिख रहा था। तालाब की इस खूबसूरती को शब्दों में व्यक्त कर पाना असंभव है। हमारे नौकरों ने हमारा जाना आसान नहीं किया, वे रो रहे थे। उनके आंसू गालों से नीचे को लुढ़क रहे थे। जब हम पहाड़ी से नीचे उतर रहे थे, हमने मुड़कर उस घर (गर्नी हाउस) को देखा, जिस घर को अब हम दुबारा कभी नहीं देख पाएंगे।

जिम कॉर्बेट बेहतरीन शिकारी ही नहीं बल्कि उच्चकोटि के आदर्शवादी इंसान भी थे। वे आमदखोर जानवर को भी अपने बचाव का भरपूर अवसर देने के प्रबल पक्षधर थे। जिम कॉर्बेट के इस उच्च स्तरीय आदर्शवादिता को एक वाकये से बखूबी समझा जा सकता है। जब जिम कॉर्बेट मोहान के खूंखार नरभक्षी शेर को मारने के लिए घने जंगल में अकेले उसका पीछा कर रहे थे, एकाएक एक गहरी संकरी खाई में जिम कॉर्बेट और नरभक्षी शेर का प्रत्यक्ष आमना- सामना हो गया। शेर, चारे के रूप में लगाए गए कटड़े को खाकर संकरी खाई में टूटे वृक्ष के तने के नीचे आराम फरमा रहा था।

नरभक्षी को खोजते हुए जिम उसके बेहद करीब पहुंच गए। नरभक्षी शेर के मुंह और जिम के बीच केवल पांच फिट का फासला था। शेर नींद में था। जिम ने नरभक्षी शेर के माथे पर दनादन दो गोलियां उतार दीं। शेर वहीं पर ढेर हो गया। जिम कॉर्बेट इस नरभक्षी को मारने के निमित्त महीनों से दिन -रात जंगलों की खाक छान रहे थे। उनका काम पूरा हो गया था। इस वाकये के वक्त वहां जिम और नरभक्षी के अलावा कोई और चश्मदीद नहीं था। शेर को मारने के बाद जिम शेर की लाश के पास ही गिरे हुए पेड़ के तने पर बैठ गए। सिगरेट सुलगाई और सोचने लगे कि उन्होंने नरभक्षी शेर को मारने का यह काम ठीक ईमानदारी से नहीं किया।

जिम कॉर्बेट सोते हुए शेर को मार गिराने को नैतिक रूप से उचित ठहराने के लिए मन ही मन अनेक तर्क गढ़ने लगे। उन्होंने खुद को तसल्ली देने के लिए तर्क दिया कि शेर नरभक्षी था, जिसका जीवित रहने से मर जाना बेहतर था, इसलिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि जब उसे मारा गया वह जागा हुआ था या सोया हुआ। यदि उसे छोड़ दिया जाता तो उन सभी मानवों की संभावित मृत्यु के लिए, जिन्हें वह उसके बाद मारता, उसके लिए नैतिक रूप से वे (जिम) ही जिम्मेदार होते। जिम कॉर्बेट का मानना था कि सोये हुए शेर को मारने के लिए इन बलवान तर्कों के बावजूद यह खेद फिर भी बचा रह जाता है कि उन्होंने सोते हुए जानवर को बचाव के लिए खिलाड़ी जैसा मौका दिए बिना मार दिया। जिम कॉर्बेट का मानना था कि आदमखोर जानवर को भी बचाव का उचित अवसर मिलना चाहिए। जिम ने इस घटना पर अफसोस जताते हुए खुद इसका उल्लेख अपनी किताब 'कुमाऊं के नरभक्षी' में किया है।

जिम कॉर्बेट में गजब की दानशीलता थी। कालाढूंगी का छोटी हल्द्वानी नाम का गांव जिम कॉर्बेट की दानशीलता का जीवंत प्रमाण है। जिम पूरे छोटी हल्द्वानी गांव की जमीन के मालिक थे। उन्होंने 1915 में 221 एकड़ रकबे वाला यह गांव खुद खरीदा था। जिम ने इस गांव में चालीस गरीब परिवारों को आसामी के रूप में बसाया था। उन्होंने अपने आसामियों के लिए घर बनाए, पीने और सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था की और गांव की सुरक्षा के लिए चारों ओर पत्थर की चहारदीवारी बनवाई। जिम कॉर्बेट द्वारा गांव की हिफाजत के लिए बनाई गई दीवार का कुछ हिस्सा अभी भी मौजूद है।

लोकतंत्र शोर से नहीं, मीडिया के सख्त सवालों से होगा परिपक्व

संजय सक्सेना

समय के साथ लोगों की सोच और नजरिया काफी बदल गया है। खासकर आज की युवा पीढ़ी में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बदलाव की वजह सोशल मीडिया और मोबाइल है, जिसमें सब कुछ खुला हुआ है। डिजिटल क्रांति और 24/7 न्यूज चैनलों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिस युग में सुकरात और कौटिल्य जैसे विचारकों को ज्ञान और अनुभव के वर्षों बाद सम्मान मिलता था, आज रील्स और ट्वीट्स के 15 सेकेंड में हर इंसान खुद को महाज्ञानी घोषित कर चुका है। लेकिन इस पूरे तमाशे का सबसे विकृत पहलू यह है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ (मीडिया) और सोशल मीडिया के दौर ने देश के खारिज किए गए नेताओं को एक ऐसा मुफ्त का लाउडस्पीकर दे दिया है, जो बिना किसी जवाबदेही के दिन-रात बजता रहता है। जनता जिन्हें चुनाव में नकार देती है, जिन्हें जमीन पर दो लोग सुनने को तैयार नहीं होते, वही नेता शाम 8 बजे टीवी स्क्रीन पर आकर देश और दुनिया को नैतिकता और शासन का पाठ पढ़ाते हैं। मीडिया उन्हें रहनुमा की तरह पेश करता है, लंबी-लंबी बाइट्स दिखाता है, लेकिन अफसोस, उनसे एक तीखा या सही सवाल पूछने का साहस कोई पत्रकार नहीं जुटा पाता।

आज का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पत्रकारिता का धर्म निभाने के बजाय पौराणिक नारद मुनि की भूमिका में आ चुका है, लेकिन एक नकारात्मक अर्थ में। मीडिया का काम अब सच उजागर करना नहीं, बल्कि दो नेताओं को स्टूडियो में आमने-सामने बिठाकर उनमें आग लगाना रह गया है। देश में स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, कृषि और वैज्ञानिक विकास जैसे बुनियादी मुद्दे अब गौण हो चुके हैं। मीडिया के लिए वही खबर प्राइम टाइम के लायक है, जो समाज में सनसनी फैलाए या नफरत का तड़का लगाए। जब कोई खारिज किया गया नेता स्टूडियो में बैठकर बेतुके दावे करता है, तो एंकर उनसे यह नहीं पूछता कि आपने अपने कार्यकाल में इस समस्या के लिए क्या किया? या जनता ने आपको क्यों हराया? इसके बजाय, एंकर सिर्फ एक पक्ष के नेता का बयान दूसरे के सामने उछालकर बहस को गाली-गलौज का मंच बना देता है। सोशल मीडिया और न्यूज चैनलों के इस दौर की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि मीडिया का पूरा ध्यान या तो वंशवादी-विरासती राजनीति के राजकुमारों पर रहता है, या फिर रोज बखेड़ा खड़ा करने वाले ट्रोल-नेताओं पर। इस तमाशे के बीच वे नेता पूरी तरह अनदेखा कर दिए जाते हैं, जो किसी राजनीतिक घराने से नहीं आते, बल्कि अपनी शिक्षा, जमीनी संघर्ष और कार्य-योग्यता के बल पर आगे बढ़े हैं। इसके कई उदाहरण मौजूद हैं। डॉ. एस. जयशंकर किसी राजनीतिक परिवार से नहीं आते। वे एक पूर्व नौकरशाह और कूटनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने अपनी प्रशासनिक और बौद्धिक क्षमता के बल पर देश की विदेश नीति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। जब वैश्विक मंचों पर भारत का रुख तय करने की बात आती है, तो जयशंकर जैसे योग्य नेताओं की नीतिगत बातें 2 मिनट के क्लिप में सिमट जाती हैं। वहीं दूसरी ओर, चुनाव हारे हुए नेता जब विदेश नीति पर कोई बचकाना बयान देते हैं, तो मीडिया उस पर 2 घंटे का प्राइम टाइम डिबेट चलाता है। योग्यता को दरकिनार कर सनसनी को तरजीह दी जाती है।

तमिलनाडु की राजनीति में के. अन्नामलाई एक ऐसा नाम हैं, जो बिना किसी राजनीतिक विरासत के आगे आए। वे एक पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं, जिन्होंने आईआईएम से पढ़ाई की और बाद में अपनी प्रशासनिक नौकरी छोड़कर जमीन पर राजनीति शुरू की। मीडिया अक्सर ऐसे नेताओं के विजन, उनकी प्रशासनिक सोच या उनके द्वारा उठाए गए बुनियादी मुद्दों पर गहराई से रिपोर्टिंग नहीं करता। इसके बजाय, अगर कोई वंशवादी नेता अन्नामलाई पर कोई निजी टिप्पणी कर दे, तो मीडिया उस विवाद को 24 घंटे चलाएगा, लेकिन अन्नामलाई की शैक्षणिक या प्रशासनिक पृष्ठभूमि से निकले विचारों पर कोई बहस नहीं होगी।इसी प्रकार पूर्वोत्तर भारत में सबार्नंद सोनोवाल और हेमंत विश्वा शर्मा जैसे नेताओं ने बिना किसी बड़े राजनीतिक घराने के ठप्पे के, छात्र राजनीति और जमीनी संघर्षों से अपनी पहचान बनाई। मीडिया को पूर्वोत्तर के इन नेताओं के विकास मॉडल या उनकी योग्यता से ज्यादा दिलचस्पी इस बात में रहती है कि वे किसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ क्या तीखा बयान दे रहे हैं। मीडिया उनकी योग्यता को तब तक तवज्जो नहीं देता, जब तक वे टीवी की टीआरपी के हिसाब से मसालेदार बयान न दें।

जो नेता अपनी नीतियों और नफरत भरी राजनीति के कारण जनता द्वारा पूरी तरह ठुकरा दिए गए हैं, उनके लिए सोशल मीडिया एक संजीवनी बूटी बन चुका है। सोशल मीडिया पर हर नेता ने अपनी एक ट्रोल आर्मी और समर्थकों का एक छोटा समूह बना लिया है। यहां वे खुद को पीड़ित और देश का सबसे बड़ा रहनुमा साबित करते हैं। पहले नेता को अपनी बात जनता तक पहुंचाने के लिए काम करना पड़ता था। आज एक ट्वीट या फेसबुक लाइव करके कोई भी पूर्व-नेता खुद को ज्ञान का भंडार घोषित कर देता है। टीवी चैनल अब खुद से खबरें ढूंढने के बजाय नेताओं के इन्हीं ट्वीट्स और रील्स पर ब्रेकिंग न्यूज चला रहे हैं। यानी जनता द्वारा खारिज नेता ही अब मीडिया का कंटेंट तय कर रहे हैं। जब मीडिया और सोशल मीडिया का केंद्र बिंदु योग्यता के बजाय सनसनी और खारिज किए गए नेताओं का आलाप बन जाता है, तो इसके गंभीर परिणाम पूरे देश को भुगतने पड़ते हैं।

दैनिक पंचांग

28 जुलाई को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

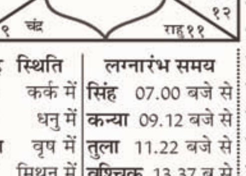

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.00 बजे से
चंद्र	धनु में	कन्या	09.12 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.22 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.37 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.53 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	17.58 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.45 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.17 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.48 बजे से
राहुकाल		वृष	00.28 बजे से
3.00 से 4.30		मिथुन	02.26 बजे से
बजे तक		कर्क	04.40 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 209 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 18.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 13.11 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 23.34 बजे को समाप्त।
करण वणिज 18.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 13.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 01'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872784
जूलियन दिन 2461249.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 13
विशेष कोकिला व्रत, आषाढ़ चौमासी चौदस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

रेलवे हाई स्कूल के नवनिर्मित भवन का जीएम मिलिंद देवास्कर ने किया उद्घाटन

करीब एक करोड़ की लागत से हुआ कायाकल्प, 12वीं तक पढ़ाई शुरू करने की घोषणा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पूर्व रेलवे हावड़ा के महाप्रबंधक मिलिंद देवास्कर विशेष रेलवे सैलून से सोमवार को साहिबगंज स्टेशन पहुंचे। जीएम व उनकी पत्नी ईआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ अध्यक्ष कोलकाता सीमा देउस्कर ने यहां लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित एवं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे हाई स्कूल भवन का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर मालदा रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष गुप्ता सहित रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। स्कूल पहुंचने पर जीएम व डीआरएम का स्कूली बच्चों ने भव्य स्वागत किया गया। उद्घाटन समारोह को यादगार बनाने के लिए विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। गणेश वंदना, छात्राओं के आकर्षक नृत्य और बच्चों द्वारा प्रदर्शित योगासन की विभिन्न मुद्राओं ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक पाठ्यक्रम व खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले

विद्यार्थियों को जीएम और डीआरएम के हाथों पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद विद्यालय परिसर में जीएम, उनकी पत्नी डीआरएम व उनकी धर्मपत्नी सहित अन्य अतिथियों ने पौधारोपण किया ओर छात्रों के बीच फलदार पौधा वितरण करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ताकि बच्चों में प्रकृति के प्रति जागरूकता विकसित हो सके। महाप्रबंधक मिलिंद देवास्कर ने कहा कि रेलवे स्कूल केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि रेलवे की एक महत्वपूर्ण धरोहर है। विद्यालय के व्यापक कायाकल्प से इसकी पहचान और गरिमा दोनों बढ़ी हैं। रेलवे का प्रयास रहेगा कि इस विद्यालय में अधिक से अधिक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो और इसे क्षेत्र के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में शामिल किया जाए। जल्द ही मास्टर प्लान बनाकर 12वी तक की पढ़ाई शुरू कराई जाएगी। वही जीएम ने विद्यालय परिसर का जायजा लिया, जिसमे क्लास रूम, डिजिटल क्लास रूम, लाइब्रेरी, प्रयोगशाला, कंप्यूटर क्लास रूम, प्ले ग्राउंड, शताब्दी प्रशाल भवन सहित पूरे विद्यालय परिसर का जायजा लिया। रेलवे स्टेशन पर विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने जीएम से मुलाकात कर रेलवे से जुड़ी स्थानीय समस्याओं और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। भाजपा के पूर्व विधायक अनंत ओझा, जदयू नेता सुनील सिन्हा, लोको इसके उपरांत जीएम रेलवे रनिंग स्टाफ, पत्थर व्यवसाई संघ सदस्य सहित अन्य अपने-अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे ओर रेलवे से संबंधित अपनी मांगो को रखा। इसके उपरांत जीएम रेलवे स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ संवाद कर स्थानीय समस्या से अवगत हुए। वहीं जीएम ने प्रेस कांफ्रेंस कर लूप लाइन में रेलवे की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्टेशन में टिकट की बिक्री जितनी ज्यादा होगी ट्रेन की संख्या में उतनी बढ़ोतरी होगी। नई ट्रेन और ट्रेन ठहराव रेलवे मंत्रालय का कार्य है। हमलोग मंत्रालय को रिपोर्ट भेजते है। पश्चिम फाटक समीप रेल ओवरब्रिज का निर्माण रेलवे अपने क्षेत्र में कभी भी करवा देगी। एप्रोच रोड का अभी तक जमीन नहीं मिली है। टेंडर प्रक्रिया प्रोसेस में है। पूर्वी फाटक समीप ओवरब्रिज का डीपीआर प्रोसेस में है। साहिबगंज पाकुड़ रेलखंड में तीसरा ओर चौथा रेल लाइन बिछाना है। जिसके लिए जमीन अधिग्रहण कार्य प्रक्रिया जारी है। डीएमयू मेंटेनेंस शेड में नई पीट लाइन निर्माण के लिए भूमि की प्रक्रिया राज्य सरकार के अधीन है। भूमि मिलने के बाद कार्य शुरू होगा। जीएम ने बताया कि साहिबगंज स्थित डीएमयू मेंटेनेंस शेड के विस्तार पर भी तकनीकी स्तर पर कार्य चल रहा है। इससे भविष्य में यहां रेल रखरखाव की क्षमता बढ़ेगी और नई ट्रेनों के संचालन का मार्ग भी प्रशस्त होगा। मौके पर पूर्व रेलवे जनरल मैनेजर मिलिंद देउस्कर, उनकी पत्नी पूर्व रेलवे महिला वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन अध्यक्ष सीमा देउस्कर, मालदा डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता, डीआरएम धर्मपत्नी सह ईस्टर्न रेलवे महिला वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन मालदा डिवीजन अध्यक्ष मनीषा गुप्ता सहित कोलकाता जोन के अधिकारी व मालदा रेल मंडल के अधिकारी, आरपीएफ अधिकारी उपस्थित थे।

सड़क के अभाव में गर्भवती की मौत, शव भी खटिया पर ढोने को मजबूर ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : विकास के दावों के बीच राजमहल प्रखंड की तेतुलिया पंचायत का पीराचक गांव आज भी सड़क जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित है। रविवार को इस बदहाल व्यवस्था की दर्दनाक तस्वीर तब सामने आई, जब इलाज के दौरान मृत एक गर्भवती महिला का शव गांव तक पहुंचाने के लिए परिजनों और ग्रामीणों को कीचड़ भरे खेतों के बीच खटिया का सहारा लेना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार, पीराचक निवासी मोनू कुमार राय की गर्भवती पत्नी सपना कुमारी की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। गांव तक सड़क नहीं होने के कारण परिजन उन्हें खटिया पर लादकर खेतों और कीचड़ भरे रास्ते से

रामचौकी गांव तक ले गए। वहां से उन्हें इलाज के लिए भागलपुर ले जाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। रविवार को जब शव गांव लाया गया तो सड़क के अभाव में एक बार फिर ग्रामीणों को खटिया के सहारे शव को रामचौकी से पीराचक तक पहुंचाना पड़ा। इसके बाद अंतिम संस्कार के लिए शव को राजमहल ले जाया गया। मृतका के पति मोनू कुमार राय ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। करीब 15 दिन पहले उनकी मां की भी बीमारी के दौरान मौत हो गई थी। उस समय भी उन्हें अस्पताल ले जाने और बाद में शव गांव लाने के लिए इसी तरह खटिया का सहारा लेना पड़ा था। ग्रामीण गौतम कुमार राय, अंजलि कुमारी राय, रेखा देवी, अंजली देवी, सूरज राय, नितांत राय, अर्जुन राय, संजय राय सहित अन्य लोगों ने बताया कि गांव में आज तक पक्की सड़क नहीं बनी है। बारिश के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती और उसे रामचौकी में ही रुकना पड़ता है। इसके बाद मरीजों, गर्भवती महिलाओं और यहां तक कि शवों को भी खटिया के सहारे कीचड़ भरे रास्ते से लाना-ले जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीराचक गांव तक शीघ्र पक्की सड़क निर्माण कराने की मांग करते हुए कहा कि वर्षों से सड़क के अभाव में उन्हें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सड़क बन जाती, तो शायद ऐसी दर्दनाक परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ता।

कृषक गोष्ठी एवं खेत बचाओ अभियान का हुआ आयोजन

साहिबगंज: जिले के तालझारी प्रखंड अंतर्गत सालगाछी पंचायत के धोगौड़ा गांव (नीचे टोला) में आत्मा प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण, साहिबगंज के निदेर्शानुसार कृषक गोष्ठी एवं खेत बचाओ अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के सैकड़ों महिला एवं पुरुष किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। किसानों को पहाड़ी क्षेत्रों में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों जैसे मक्का, बाजरा, बरबटी, मड़ुआ (रागी), अरहर एवं सुथनी की वैज्ञानिक खेती, मोटे अनाज को बढ़ावा देने, कीट एवं रोगों से बचाव तथा समय पर उपचार की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने किसानों से प्राकृतिक एवं संतुलित खेती अपनाने, उन्नत बीजों का उपयोग करने तथा कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय बढ़ाने का आह्वान किया।

बिना सूचना पट्ट के हो रहा पेवर्स ब्लॉक निर्माण, गुणवत्ता पर भी उठे सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड की डूमरचीर पंचायत में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर एक बार फिर पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं। पंचायत भवन के ठीक सामने बिना योजना संबंधी सूचना पट्ट लगाए पेवर्स ब्लॉक निर्माण कार्य कराए जाने से स्थानीय ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में न केवल नियमों की अनदेखी की जा रही है, बल्कि गुणवत्ता से भी समझौता किया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार पेवर्स ब्लॉक बिछाने के दौरान बालू का उपयोग नाममात्र किया जा रहा है, जिससे निर्माण की मजबूती और टिकाऊपन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह कार्य 15वें वित्त आयोग की राशि से कराया जा रहा है। वहीं स्थानीय स्तर पर इस बात की भी चर्चा है कि किसी अन्य योजना की राशि का उपयोग इस निर्माण कार्य में किए जाने की आशंका है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। मामले में पंचायत सचिव रितेश कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उन्हें इस योजना की जानकारी नहीं है, क्योंकि वे हाल ही में पदस्थापित हुए हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने योजना से जुड़े बिचौलिए को ठेकेदार भी कह दिया, जिससे पूरे मामले को लेकर और सवाल खड़े हो गए। गौरतलब है कि सरकारी नियमों के अनुसार किसी भी विकास योजना का कार्य शुरू करने से पहले कार्यस्थल पर सूचना पट्ट लगाना अनिवार्य होता है।

15 दिनों से ठप शहरी जलापूर्ति बहाल कराने की मांग, डीसी से मिले वार्ड पार्षद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के नगर परिषद क्षेत्र में पिछले करीब 15 दिनों से शहरी जलापूर्ति योजना बंद रहने से उत्पन्न पेयजल संकट को लेकर सोमवार को नगर परिषद उपाध्यक्ष राणा ओझा के नेतृत्व में वार्ड पार्षदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त मेघा भारद्वाज से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने जलापूर्ति योजना को अविलंब चालू कराने की मांग करते हुए नगरवासियों की परेशानियों से उपायुक्त को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि जलापूर्ति ठप रहने से नगर परिषद क्षेत्र के हजारों परिवारों को पेयजल के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को दैनिक

जरूरतों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी पड़ रही है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है और रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा है। नगर परिषद उपाध्यक्ष राणा ओझा ने उपायुक्त को बताया कि जलापूर्ति योजना की मरम्मत एवं संचालन को लेकर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी द्वारा पूर्व में ही पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पाकुड़ के कार्यपालक अभियंता को आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया था। इसके बावजूद विभागीय स्तर पर अपेक्षित पहल नहीं होने से समस्या लगातार बनी हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को शीघ्र मरम्मत कार्य पूरा कर शहरी जलापूर्ति योजना बहाल करने तथा नगरवासियों को जल्द से जल्द पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उपायुक्त के त्वरित हस्तक्षेप पर प्रतिनिधिमंडल ने आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि विभाग शीघ्र कार्रवाई कर नगर परिषद क्षेत्र में जलापूर्ति बहाल करेगा।

पाकुड़ में एमएसएमई ने उद्यमी जागरूकता एवं विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) द्वारा पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से सोमवार को रवींद्र भवन (टाउन हॉल), पाकुड़ में उद्यमी जागरूकता एवं विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के नए एवं वर्तमान उद्यमियों को एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं, स्वरोजगार के अवसरों तथा सरकारी खरीद प्रणाली से जोड़ते हुए उद्यमिता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में 100 से

अधिक नए एवं वर्तमान उद्यमियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एससी-एसटी हब योजना, उद्यम पोर्टल पंजीकरण, सरकारी ई-मार्केटप्लेस, विक्रेता पंजीकरण प्रक्रिया, ई-टेंडरिंग, बैंक ऋण एवं क्रेडिट सुविधाएँ, सब्सिडी योजनाएँ तथा व्यवसाय के विस्तार एवं स्थायित्व से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में बताया गया कि सार्वजनिक खरीद नीति के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्वामित्व वाले सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों से 4 प्रतिशत तथा महिला स्वामित्व वाले एमएसई से 3 प्रतिशत खरीद का प्रावधान है। इस नीति का उद्देश्य वंचित वर्गों के उद्यमियों को सरकारी खरीद प्रणाली में अधिक अवसर प्रदान कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। विशेषज्ञों ने नए उद्यमियों को उद्यम पोर्टल पर पंजीकरण के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि औपचारिक पंजीकरण के माध्यम से उद्यमी केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण, विपणन सहयोग एवं अन्य प्रोत्साहन सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। वहीं वर्तमान उद्यमियों को केंद्रीय मंत्रालयों एवं केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों में विक्रेता पंजीकरण, आवश्यक दस्तावेज, ई-टेंडरिंग प्रक्रिया, सरकारी खरीद प्रणाली, बैंकिंग सहायता तथा व्यवसाय विस्तार के लिए उपलब्ध विभिन्न वित्तीय विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में किरण मारिया तिरु (एसबीएम, राष्ट्रीय एससी-एसटी हब, रांची) ने स्वागत संबोधन देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा एवं एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न पहलों की जानकारी दी। उन्होंने सार्वजनिक खरीद नीति के अंतर्गत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति तथा महिला उद्यमियों के लिए उपलब्ध अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

एक नजर

271 विद्यार्थियों को मिली निःशुल्क साइकिल खिल उठे चेहरे

साहिबगंज : जिले के मंडरो प्रखंड क्षेत्र के प्लस-2 उच्च विद्यालय भगैया में सोमवार को राज्य सरकार की साइकिल वितरण योजना के तहत चार विद्यालयों के 271 छात्र-छात्राओं के बीच नि:शुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी कमलेश कुमार एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मो. अहसान अहमद उपस्थित रहे। उत्क्रमित मध्य विद्यालय नया टोला भवानी चौकी, उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय तेतरिया, मॉडल विद्यालय मंडरो तथा पीएम श्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय मिजाचौकी के विद्यार्थियों को साइकिलें प्रदान की गईं। अधिकारियों ने कहा कि योजना का उद्देश्य दूर-दराज के विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं, को विद्यालय आने-जाने में सुविधा देकर उनकी नियमित उपस्थिति और शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से साइकिल का सदुपयोग करते हुए नियमित विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने की अपील की। कार्यक्रम में शिक्षक, कर्मी एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

गायत्री शक्तिपीठ की पांच बाल संस्कार शालाओं में बच्चों को मिल रहे नैतिक संस्कार

साहिबगंज: अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की देखरेख में गायत्री शक्तिपीठ द्वारा शहर के अलग-अलग पांच स्थानों में बाल संस्कार शाला संचालित हो रहे हैं जहां बच्चों को नैतिक पाठ सिखाया जाता है तथा उनमें राष्ट्र धर्म की भावना जागृत की जाती है। गायत्री परिवार के जिला समन्वयक शिवशंकर प्रसाद निराला ने सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा कुल सात आन्दोलनों के तहत समाज में रचनात्मक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उनमें विचार क्रांति अभियान, व्यसन मुक्ति अभियान, नारी जागरण एवं नारी उत्थान, बाल संस्कारशाला, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य एवं स्वालंबन, कुरीति निवारण शामिल है। उन्होंने बताया कि शिक्षा नहीं विद्या की अवधारणा को साकार करने के उद्देश्य से गायत्री शक्तिपीठ के माध्यम से शहर के अलग-अलग मोहल्ले में पांच स्थानों में बाल संस्कारशाला संचालित हो रहे हैं। जिला समन्वयक निराला ने बताया कि इन संस्कार शाला को संचालित करने वाले सभी आचार्यों को गायत्री शक्तिपीठ में 29 जुलाई को आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में सम्मानित किए जाएंगे। बहरहाल गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है।

डीएवी राष्ट्रीय खेल क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता का भव्य आगाज

बोकारो : डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-8बी में दो दिवसीय 25 /7/26 से 26/7/26 डीएवी राष्ट्रीय खेल क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता (सत्र 2026-27) का भव्य आयोजन प्रारंभ हुआ। प्रतियोगिता में कबड्डी, हैंडबॉल एवं क्रिकेट खेलों का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 526 खिलाड़ियों और 42 टीमों ने भाग लिया इस प्रतियोगिता में *डीएवी गिरिडीह, डीएवी धोरी, डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4, सेक्टर-6, सेक्टर-9, सेक्टर-12, सेक्टर-2सी तथा मेजबान डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल सेक्टर-8बी की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य अनुपल सागर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का ही नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व, आत्मविश्वास तथा खेल भावना के विकास का भी सर्वोत्तम माध्यम है।

संक्षिप्त खबरें

ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने जीएम को सौंपा 21 सूत्री मांग

साहिबगंज: ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन ने लोको रनिंग कर्मचारियों के ज्वलंत मुद्दा को लेकर जीएम मिलिंद देऊवाकर को मांग पत्र सौंपा। जिसमें डिवीजनल प्रायोरिटी सूची जारी करने, नवनियुक्त सहायक लोको पायलट का प्रारंभिक नियुक्ति मालदा/साहिबगंज लॉबी में करना, ओवर टाइम भत्ता का भुगतान करना, अनावश्यक चार सीट एवं बुक अप पर रोक लगाया जाए, कार्मिक विभाग द्वारा किसी भी आवेदन शिकायत निवारण हेतु समय सीमा निर्धारित किया जाए, कार्मिक विभाग के लिपिक सचिन कुमार शर्मा का स्थानांतरण अन्य विभाग में करने, रनिंग के सभी पदों को पदोन्नति कर हाई ग्रेड कार्य करना बंद किया जाए, अवकाश में सुधार करने, अस्थाई स्थानांतरण पर रोक लगाने सहित 21 सूत्री मांग पत्र सौंपा। मौके पर सचिव कामरेड रवि रंजन, गोपाल कुमार, पी के प्रभाकर, दिवाकर, सहित साहिबगंज लाबी के कामरेड उपस्थित थे।

शराब के नशे में पिता बना हैवान, इकलौते बेटे की कुल्हाड़ी से की निर्मम हत्या

साहिबगंज: जिले के रांगा थाना क्षेत्र के बिशनपुर गांव में रविवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां शराब के नशे में धुत एक पिता ने अपने ही 22 वर्षीय इकलौते पुत्र की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। आरोपी पिता वारदात के बाद फरार हो गया, जबकि पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है।मृतक की पहचान सफीकुल (22 वर्ष) के रूप में हुई है। आरोप है कि उसके पिता मुजाहिरुल हक ने सोते समय उसके सिर पर कुल्हाड़ी से कई वार किए। गंभीर रूप से घायल सफीकुल को परिजन विभिन्न अस्पतालों में इलाज के लिए ले गए, लेकिन हायर सेंटर ले जाने के दौरान रास्ते में उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रविवार शाम किसी बात को लेकर पिता-पुत्र के बीच विवाद हुआ था। विवाद के बाद मुजाहिरुल हक घर से निकल गया। देर रात वह शराब के नशे में घर लौटा और सो रहे बेटे पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। बताया जाता है कि आरोपी को लगा कि बेटे की मौके पर ही मौत हो गई है। इसके बाद वह हाथ में कुल्हाड़ी लेकर अपनी पत्नी पर भी हमला करने बढ़ा, लेकिन तभी उसकी बेटी की नजर उस पर पड़ गई। बेटी के शोर मचाने पर घर के अन्य लोग और ग्रामीण जाग गए। लोगों के जुटने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों की मदद से गंभीर रूप से घायल सफीकुल को पहले कल्याण अस्पताल, केंदुआ ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया। इसके बाद उसे बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया। यहां भी चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल हायर सेंटर भेजने की सलाह दी। परिजन उसे फरक्का बीडीएच लेकर पहुंचे, लेकिन वहां से भी बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। हायर सेंटर ले जाने के दौरान रास्ते में ही सफीकुल ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही रांगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोप के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस आरोपी पिता की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पोस्टमार्टम होने के उपरांत शव को परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था।

राज्य स्तरीय फुटबॉल में कांस्य जीतने वाली टीम का उपायुक्त ने किया सम्मान

पाकुड़ : जिले के लिए यह अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि मध्य विद्यालय जिंदातो की अंडर-12 बालक फुटबॉल टीम ने रांची के खेलगांव में आयोजित द्वितीय राज्य स्तरीय लिटिल चैंप्स फुटबॉल चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। कांस्य पदक मुकाबले में पाकुड़ की टीम ने लोहरदगा को 1-0 से पराजित कर राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्रीमती मेघा भारद्वाज ने खिलाड़ियों एवं उनके कोच को सम्मानित किया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों एवं कोच को माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, फुटबॉल एवं पानी की बोतल भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने खिलाड़ियों, उनके कोच, शिक्षकों एवं पूरे विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि मध्य विद्यालय जिंदातो ने बच्चों में खेलों के प्रति रुचि विकसित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने का सराहनीय कार्य किया है। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएँ लगातार राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। यह उपलब्धि जिले के लिए गौरव का विषय है तथा अन्य बच्चों को भी खेलों के प्रति प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर से बेहतर खेल सुविधाएँ, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि पाकुड़ के अधिक से अधिक खिलाड़ी विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले एवं राज्य का नाम रोशन कर सकें। उपायुक्त ने जिला क्रीड़ा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिले के उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए बेहतर एवं व्यवस्थित प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करने हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण, नियमित अभ्यास, खेल उपकरण तथा प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी पहल की जाए, जिससे जिले की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण मिल सके। पूरे टूनार्मेंट के दौरान मध्य विद्यालय जिंदातो की टीम ने अनुशासन, उत्कृष्ट तकनीकी कौशल, शानदार तालमेल और अदम्य जुझारूपन का परिचय दिया। सीमित संसाधनों के बावजूद खिलाड़ियों ने अपने परिश्रम, समर्पण और टीम भावना के बल पर यह उपलब्धि हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, जिला शिक्षा अधीक्षक प्रियाश्री भगत एवं जिला खेल पदाधिकारी राहुल कुमार ने भी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत है तथा विद्यालयों में खेल संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

एक नजर

तांतरी से अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद आत्महत्या की आशंका

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र के तांतरी उत्तरी पंचायत के कुम्हारडीह गांव के तालाब के बगल में स्थित झाड़ियों से पुलिस ने 25 वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद किया। दिनभर की जांच पड़ताल के बाद भी युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस युवक की पहचान और कहां का निवासी है, आदि पता करने में जुटी हुई है। थाना प्रभारी बिपिन कुमार महतो ने बताया कि प्रथम दृष्टया शव को देखने से प्रतीत होता है कि यह आत्महत्या है। युवक के पास से कीटनाशक की शीशी मिली है। फंदा भी लगाया गया है। हालांकि युवक ने ऐसा क्यों किया इस बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। इससे पूर्व युवक की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। मुखिया गिरिन्द्र मिश्रा ने बताया कि सुबह के समय गांव के लोगों से शव की सूचना मिली। थाना को सूचना दी गई। मौके पर विधायक प्रतिनिधि निरंजन मिश्रा, दयाशंकर ठाकुर, महानंद केवट, विश्वनाथ मांझी समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

रेलवे ट्रैक के पास संदिग्ध हालत में युवक का शव बरामद

बोकारो : फुसरो स्थित पुराना सब्जी मंडी रेलवे गेट के पास साहनी मोहल्ला में शुक्रवार सुबह रेलवे ट्रैक के समीप एक युवक का शव मिलने से पड़ोसियों में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कथारा चार नंबर निवासी संजय चौधरी के रूप में हुई है। मौके पर जुटे स्थानीय लोगों ने युवक की अचानक हुई मौत को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलानी शुरू कर दीं। कुछ लोगों ने इसे प्राकृतिक कारण बताने का अनुमान लगाया, तो कुछ ने आत्महत्या या हत्या की आशंका भी जताई। घटना की सूचना मिलने पर बेरमो थाना की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बोकारो सामान्य अस्पताल भेज दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर शव मिलने की परिस्थितियां संदिग्ध लग रही हैं, इसलिए सभी संभावित पहलुओं पर तफ्तीश की जा रही है। मौके से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास के लोगों से बयान लिए जा रहे हैं। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम व फोरेंसिक रिपोर्ट मिलने के बाद ही मृत्युदर का वास्तविक कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

लबे संघर्ष के बाद मजदूर को मिला गेटपास : बिके चौधरी

बोकारो : एस एम एस -2/सी सी एस मे क्रेन आपरेटर का काम कर रहे ठेका मजदूर सलाहुद्दीन अंन्सारी का गेटपास वापस करबाने के अपने निति और नियत के अनुरुप लम्बे जद्दोजहद के बाद युनियन ने सफलता प्राप्त किया ।खुशी से आज बिभागीय नेताओं के साथ युनियन कार्यालय मे महामंत्री बि के चौधरी को फूल माला और मिठाई खिलाकर सुशोभित किया। मौके पर बि के चौधरी ने बिभाग के मुख्य महाप्रबंधक सक्सेना सहाब को धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने सही गलत का निर्णय कर मजदूर को गेट पास दिलबाया इसके लिए आप प्रशंसनीय हैं उम्मीद है कोक ओवेन छोड़कर बांकी मुख्य महाप्रबंधक को आपका अनुसरण करना चाहिए जिससे उद्योगिक शांती भंग नही हो सके। बि के चौधरी ने कुछ तथाकथित मजदूर नेताओं पर सबाल उठाते हुए कहा कि बोकारो स्टील प्लांट इतना अधिक बेतन दे रहा है जो इज्जत के साथ अपने बाल बच्चों का भरण पोषण, पढ़ाई लिखाई, घर मकान, शादी ब्याह कर सके बाबजूद क्रेन आपरेटर से यह कहबाना कि अगर सलाहुद्दीन अंन्सारी का गेट पास बना तो बांकी क्रेन आपरेटर हड़ताल कर देगा जिसका जितना भी निंदा किया जाय कम होगा।

11 दिन के अनशन के बाद आदिवासी परिवार का विरोध समाप्त, उपायुक्त ने जूस पिलाकर अनशन तोड़वाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में काम करते हुए घायल हुए और इलाज के दौरान 17 जुलाई को मृतक हुए सुभाष चंद्र मोदी के परिजन 11 दिनों से एकडीएम बिल्डिंग के पास टूटेन गार्डन में अनशन पर बैठे थे। परिवार की नियोजन (स्थायी नियुक्ति) की मांग को लेकर चल रहे इस अनशन के दौरान शव बोकारो जेनरल अस्पताल के मर्चरी में रखा हुआ था। शनिवार को बोकारो उपायुक्त अजय झा की पहल पर अनशन समाप्त हुआ। सूत्रों के अनुसार, सुभाष चंद्र मोदी 30 जून को प्लांट में हुए हादसे में घायल हो गए थे। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु 17 जुलाई को हो गई। परिवार ने मृतक के रोजगार व भविष्य के लिए नियोजन की मांग की और बीएसएल

के एडियम बिल्डिंग के पास टूटेन गार्डन में अनशन शुरू कर दिया। परिजन और आंदोलनकारी लगातार एडियम बिल्डिंग के बाहर अपनी मांग रखते रहे। उनका परिवार यह भी आरोप लगाता रहा कि प्लांट ने कंपनी के नियमों का हवाला देते हुए स्थायी नियुक्ति से इनकार किया। बोकारो उपायुक्त अजय नाथ झा मौके पर पहुंचे और परिवार से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य व सुरक्षा का ध्यान रखते हुए अनशन तोड़वाने की पहल की। उपायुक्त ने परिवार के सदस्यों को जूस पिला कर शारीरिक स्थिति ठीक होने का इंतजाम कराया और प्रशासनिक स्तर पर सहानुभूति जताई। उन्होंने आश्वासन दिया कि परिवार को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मध्यस्थता के बाद बीएसएल और जिला प्रशासन के बीच बातचीत में मृतक के दो बेटों को प्लांट के भीतर कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर नौकरी देने पर सहमति बनी। बीएसएल के एक अधिकारी द्वारा प्लांट के अंदर काम करने वाली एक कंपनी का ऑफर लेटर भी परिवार को दिया गया। साथ ही मृतक की बेटी, जो आर्चरी खिलाड़ी हैं, को जिला प्रशासन की तरफ से समायोजन (रोजगार/सहायता) देने की बात कही गई। परिवार ने बताया कि क्वार्टर और स्वास्थ्य सेवाओं की बहाली का भी आश्वासन दिया गया है। मृतक की पत्नी ने कहा कि डीसी साहब (उपायुक्त) ने उनका ख्याल रखा, परिजन अब प्लांट में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने के लिए सहमत हैं और क्वार्टर व स्वास्थ्य सेवा बहाल रहने की बात कही गई है। मृतक की बेटी ने कहा कि उनके पिता का शव 11 दिनों से मर्चरी में पड़ा था; अनशन समाप्त होने के बाद अब उनकी अंतिम क्रिया कर दी जाएगी। स्थानीय भाजपा नेत्री एंजेला सिंह ने भी उपायुक्त की पहल की सराहना की और कहा कि उपायुक्त के प्रयास से अनशन समाप्त हुआ, यह एक अच्छी पहल रही। परिवार की अनशन समाप्ति से राहत की स्थिति है, लेकिन अब यह देखा जाएगा कि प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासन कितने शीघ्र और प्रभावी रूप से लागू होते हैं। इरछ द्वारा ऑफर की गई कॉन्ट्रैक्ट नौकरियों, मृतक की बेटी के समायोजन और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर आगे की कार्रवाई व समयसीमा सार्वजनिक करनी होगी।

दामोदा कोलियरी में अवैध खनन पर कार्रवाई, पुरानी खदान का मुहाना किया बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीसीसीएल की दामोदा कोलियरी प्रबंधन और सीआईएसएफ की संयुक्त टीम ने सोमवार को नॉर्थ दामोदा क्षेत्र में पुराने अंडरग्राउंड वर्किंग के खुले मुहाने को डोजर की सहायता से पूरी तरह बंद कर दिया। कार्रवाई का उद्देश्य स्थानीय लोगों द्वारा हो रहे अवैध कोयला निष्कर्षण और खनन गतिविधियों को रोकना बताया गया। अभियान की निगरानी दामोदा कोलियरी के सुरक्षा पदाधिकारी पिंटू कुमार विश्वकर्मा एवं प्रबंधक राज कुमार ने की। मौके पर सीआईएसएफ के अधिकारी और जवान भी मौजूद रहे। टीम ने पुराने अंडरग्राउंड माइंस के खुले हिस्से पर ओवरबर्डन (ओबी) डालकर डोजरिंग के माध्यम से मुहाना बंद कराया, जिससे आगे से अवैध प्रवेश और कोयला चोरी पर रोक लगेगी। परियोजना पदाधिकारी विजय

कुमार सिंह ने बताया कि नॉर्थ दामोदा की पुरानी भूमिगत खदान से स्थानीय लोगों द्वारा अवैध रूप से कोयला निकालने की शिकायतें मिल रही थीं। सुरक्षा खतरों और अवैध खनन रोकने के लिए कोलियरी प्रबंधन ने यह स्थायी बंद करने की कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल क्षेत्र में अवैध खनन और कोयला चोरी पर नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान समय-समय पर चलाए जाते रहेंगे। प्रबंधन आगे भी इसी तरह की कार्रवाईयों को जारी रखेगा ताकि खदान क्षेत्र की सुरक्षा और संसाधनों की बचत सुनिश्चित की जा सके।

नेशनल मैनेजमेंट गेम्स में बीएसएल की शानदार जीत, 16 वर्षों बाद सेल के नाम राष्ट्रीय खिताब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिकारियों की टीम ने प्रतिष्ठित '35वें नेशनल मैनेजमेंट गेम्स' में राष्ट्रीय विजेता बनकर इतिहास रच दिया है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सेल, एनटीपीसी, मारुति सुजुकी, आईओसीएल, एनएचपीसी, एलएंडटी, ओएनजीसी सहित देश के प्रमुख सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के 150 से अधिक संस्थानों की टीमों के बीच पांच कठिन क्षेत्रीय प्रारंभिक दौर आयोजित किए गए थे। इसके पश्चात आयोजित ग्रैंड फिनाले में देश की सर्वश्रेष्ठ 19 टीमों ने प्रतिष्ठित चैंपियंस ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा की। इस कड़े मुकाबले में बोकारो इस्पात संयंत्र की ओर से हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) के वरीय प्रबंधक राहुल रंजन पंडा तथा सीएमएम-सीटीएस के वरीय

प्रबंधक ओवैस अहमद की टीम ने व्यावसायिक सिमुलेशन के दौरान उत्कृष्ट रणनीतिक सोच, व्यावसायिक निर्णय क्षमता और वित्तीय कौशल का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। प्रतियोगिता में एनटीपीसी की टीमें द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं। यह जीत बोकारो इस्पात संयंत्र एवं सेल परिवार के लिए अत्यंत गर्व का विषय है, क्योंकि वर्ष 2010 के बाद यह पहला अवसर है जब सेल ने इस प्रतिष्ठित नेशनल मैनेजमेंट गेम्स में राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 में भी नेशनल मैनेजमेंट गेम्स का खिताब जीतने वाली सेल की टीम बोकारो इस्पात संयंत्र की ही थी। यह ऐतिहासिक उपलब्धि बोकारो इस्पात संयंत्र में संवर्धित एवं निरंतर मजबूत हो रही नेतृत्व क्षमता, रणनीतिक उत्कृष्टता तथा उत्कृष्ट प्रबंधन संस्कृति को सशक्त रूप से रेखांकित करती है। बोकारो स्टील प्लांट के शीर्ष प्रबंधन ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता न केवल अधिकारियों के व्यक्तिगत कौशल को दशार्ती है, बल्कि संयंत्र में नवाचार, व्यावसायिक दक्षता एवं परिचालन उत्कृष्टता के प्रति बीएसएल की निरंतर प्रतिबद्धता को भी प्रतिबिंबित करती है।

ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो की मासिक बैठक संपन्न संगठन को सशक्त बनाने पर हुआ मंथन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो की मासिक बैठक रविवार को चीराचास स्थित के.के. सिंह कॉलोनी में राम विलास सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन अनुरंजन शमार्ने किया। बैठक में संगठन को और अधिक सुदृढ़, सक्रिय एवं जनहितकारी बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने बारी-बारी से अपने विचार रखते हुए संगठन के विस्तार, युवाओं एवं महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने, सामाजिक एकता को मजबूत करने तथा सेवा कार्यों को और प्रभावी ढंग से संचालित करने के संबंध में अपने सुझाव दिए। राम विलास सिंह ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, अनुशासन और सक्रिय सदस्यता में निहित है। उन्होंने सभी सदस्यों से समाजहित में समर्पित भाव से कार्य करने तथा

अधिक से अधिक लोगों को ब्रह्मर्षि परिवार से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में समाजहित के विभिन्न कार्यक्रमों को नियमित रूप से संचालित करने तथा संगठन के विस्तार के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। चिरा चास में संगठन को मजबूत करने का दायित्व रामविलाश सिंह को दिया गया।

बैठक में प्रमुख रूप से कमलेश राय, दीपक कुमार मिश्रा, नागनारायण प्रसाद शाही, राकेश मधु, कामेश्वर सिंह, दीनदयाल शर्मा, सुजीत कुमार सिंह, श्रीकांत सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, सर्वेश चौधरी, एस. एन. शर्मा, प्रभात कुमार, के. के. सिंह, रवीन्द्र कुमार, बी. के. सिंह, मदन प्रसाद सिंह, सुशील कुमार ठाकुर, संजय कुमार, राकेश कुमार सिंह , अमर नाथ प्रसाद सिंह, नवल किशोर शर्मा, अवधेश सिंह, श्याम मनोहर सिंह, जितेन्द्र कुमार, राम कुमार सिंह, एस. के. राय, त्रिपुरारी कुमार राय, पंकज कुमार सिंह, हरिओम, अभय कुमार 'मुन्ना', काशीनाथ राय, मिथिलेश कुमार पाण्डेय, साधु शरण सिंह, रणधीर कुमार मिश्रा सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

रॉयल पब्लिक स्कूल में कारगिल दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रॉयल पब्लिक स्कूल सेक्टर 4 में सोमवार को देश के शहीद जवानों के सम्मान में कारगिल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने कई प्रकार की गतिविधियों द्वारा देश के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कक्षा 6 के विद्यार्थियों ने स्लोगन लिखकर, कक्षा 7 के विद्यार्थियों ने कविता वाचन द्वारा व 8 के बच्चों ने शहीदों की चित्रकला बनाकर और कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने लघु नाटिका द्वारा देश के जवानों की कुबार्नी को याद किया। विद्यालय की प्राचार्य रूपम गुप्ता ने कहा देश ऐसे नौजवानों के लिए नतमस्तक है। हमारा विद्यालय भी उन शहीद नौजवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। इन कार्यक्रमों के द्वारा बच्चों में देशभक्ति की भावना भी जागृत होती है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक गण मौजूद थे।

डीपीएस बोकारो के सांस्कृतिक सप्ताह 'धरोहर' का आगाज, तबला और गजल से सजी महफिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : गुणात्मक शिक्षा के साथ-साथ बच्चों की कलात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभा निखारने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में एक बार फिर रंगारंग प्रस्तुतियों का अनुपम उत्सव शुरू हुआ। विद्यालय की सीनियर इकाई में सोमवार को चारदिवसीय सांस्कृतिक सप्ताह (कल्चरल वीक) - धरोहर का आगाज अंतर-सदन समूह तबलावादन और एकल गान प्रतियोगिताओं से हुआ। तबले पर जहां 10 मात्रा के झपताल की लयकारी गूंजी, वहीं एकल-गायन में बाल कलाकारों ने गजलों की

ऐसी मौसिकी छेड़ी कि पूरा माहौल एक सुरीली महफि ल में तब्दील हो गया। उनकी प्रस्तुतियां साधना और प्रतिभा का संगम रहीं। मनोरम मंच साज-सज्जा के बीच कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने वरीय उपप्राचार्य अंजनी भूषण व उपप्राचार्या शालिनी शर्मा तथा विभिन्न हाउस वार्डन के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद समूह तबलावादन में आकर्षक व रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे छोटे उस्तादों की तबले पर फिरकियों की तरह नाचतीं उंगलियां, उनकी थाप और लयकारी का आपसी सामंजस्य अपने-आप में अनूठा रहा। झपताल के विभिन्न प्रकारों को बच्चों ने आकर्षक तरीके से पूरी ऊर्जा के साथ प्रस्तुत किया। कायदा, टुकड़ा, परन, पेशकार आदि को उन्होंने बखूबी पेश किया। बेहतर प्रदर्शन के आधार इस स्पर्धा में जमुना हाउस की टीम पहले स्थान पर रही, तो झेलम ने दूसरा तथा चेनाब सदन की टोली ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं, गजल थीम पर आधारित एकल-गायन की शुरूआत चेनाब सदन से अर्थित सिंह ने मिलकर जुदा हुए... से की। इसके बाद क्रमशः गंगा सदन की मैत्रेयी सिन्हा ने वक्त का ये परिंदा..., जमुना की शांभवी झा ने नीयत-ए-शौक भर न जाए..., सतलज हाउस की आंचल पाठक ने दयार-ए-दिल की रात..., रावी सदन की छात्रा अद्रिका कुमार ने आज जाने की ज़िद न करो... और झेलम हाउस के पीयूष मल्लिक ने रिश्तों के सारे मंजर... पेश कर सबकी भरपूर तालियां बटोरीं। गजलों के अल्फाज, उनकी रवानगी और रूहदारी को इन उभरते फनकारों ने बखूबी निभाया। विभिन्न मापदंडों के आधार पर जमुना हाउस की शांभवी झा और सतलज की आंचल पाठक ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

संक्षिप्त खबरें

सम्राट पृथ्वीराज चौहान पार्क में मां वत्सला भवानी मंदिर का भूमिपूजन संपन्न

बोकारो : बोकारो के दुगदा स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान पार्क परिसर में शनिवार को मां शाकाम्भरी वत्सला भवानी मंदिर के निर्माण के लिये विधिवत भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुरोहित सुरेश पांडेय की वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच इस धार्मिक अनुष्ठान का संपन्न हुआ। मुख्य यजमान के रूप में संत चौहान और उनकी धर्मपत्नी पुनम चौहान ने भूमि पूजन किया। भूमिपूजन समारोह में बोलते हुए बोकारो वियाडा के पूर्व चेयरमैन विजय कुमार झा ने कहा कि सियाराम चौहान, संत चौहान एवं अन्य समाजसेवियों द्वारा उठाये गए इस पुण्य प्रयास से धार्मिक और सांस्कृतिक उन्नयन होगा। उन्होंने कहा कि यह मंदिर न केवल दुगदा बल्कि पूरे कोयलांचल क्षेत्र में धार्मिक आस्था को मजबूती प्रदान करेगा और यहां एक प्रभावशाली आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण होगा। विजय झा ने कहा, मंदिर निर्माण में कार्य का उचित बांटवारा कर शीघ्र शुरुआत की जानी चाहिए। विजय झा ने यह भी प्रस्ताव रखा कि वत्सला देवी के मंदिर के साथ-साथ सम्राट पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा का स्थापना भी की जानी चाहिए, जिससे समाज में नई ऊर्जा का संचार होगा और श्रद्धालु दोनों का दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने यह इसे समाज के लिये प्रेरणादायी अभियान करार दिया। चौहान महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष एस.पी. चौहान ने बताया कि चौहान समुदाय की कुलदेवी मां वत्सला भवानी हैं और पिछले 17 वर्षों से यहां सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना का आयोजन होता आ रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों व श्रद्धालुओं की मांग को ध्यान में रखते हुए आज मंदिर का वास्तविक रूप देने के लिए भूमिपूजन किया गया। उनका कहना था कि अब क्षेत्र में धार्मिक कार्यक्रमों के लिये एक स्थायी स्थान उपलब्ध होगा और दूर-दूर से भक्त दर्शन के लिये आएँगे।

असाढ़ पूर्णिमा सह नगर महोत्सव में सांस्कृतिक प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन

चास : कुशवाहा नगर विकास समिति द्वारा आयोजित असाढ़ पूर्णिमा सह नगर महोत्सव के द्वितीय दिवस का आयोजन कुशवाहा भवन, चास में उत्साह, अनुशासन और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला समिति की संयोजक आशा सिंहा, सुलाबी देवी, उषा देवी, कालावती देवी, राम सुंदरी सिंहा, मायावती, गायत्री देवी, रंजना, संगीता, यामुनी देवी, गीता कुमारी आदि अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। महोत्सव के दूसरा दिन गीत, समूह नृत्य, मेहंदी कला एवं व्यक्तित्व प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों, युवाओं एवं महिलाओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास, रचनात्मकता तथा सांस्कृतिक चेतना को समर्पित है। गीत प्रतियोगिता में आकांक्षा, सरिता प्रसाद, कामिनी देवी, खुशबू कुमारी, इन्दु कुमारी आदि प्रतिभागियों ने मधुर एवं प्रेरणादायक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। प्रतिभागियों ने देशभक्ति, सामाजिक जागरूकता, संस्कृति तथा प्रेरणादायक विषयों पर आधारित गीत प्रस्तुत किए। इसके पश्चात समूह नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें आकांक्षा, दिव्यांश, निकिता कुमारी आदि प्रतिभागीओं ने भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं एवं सामाजिक संदेशों पर आधारित आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों की तालमेल, अनुशासन, वेशभूषा एवं मंच प्रस्तुति ने दर्शकों को प्रभावित किया। आयोजन समिति ने सभी समूहों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मेहंदी कला प्रतियोगिता में पुजा कुमारी, निकिता, रश्मि रानी, एंजल आदि प्रतिभागियों ने निर्धारित समय के भीतर एक अथवा दोनों हाथों पर सुंदर एवं कलात्मक मेहंदी डिजाइन तैयार किए। प्रतियोगिता में पारंपरिक भारतीय कला, सृजनात्मकता एवं सौंदर्यबोध का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला।

गोमिया में दो अलग मामलों में दो आरोपित गिरफ्तार

बोकारो : गोमिया थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। दोनों मामलों में संबंधित आशंका जनक घटनाओं के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पहला मामला: किशोरी के साथ दुष्कर्म का आरोप- ग्राम माईन्स स्वांग निवासी वादिनी शोभा देवी के लिखित आवेदन पर गोमिया थाना में कांड संख्या 97/2026, दिनांक 26/07/2026 के तहत धारा 65(1)/351(2) बी.एन.एस एवं 4/6 पोस्को एक्ट के अंतर्गत विकास कुमार यादव (36) पुत्र- विश्वनाथ गोप, निवासी गंझूडीह, थाना गोमिया, बोकारो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। शिकायत में आरोप है कि अभियुक्त ने वादिनी की नाबालिक बेटी को बहला-फुसला कर जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया ।अग्रतर अनुसंधान के क्रम में गोमिया पुलिस ने कांड दर्ज होने के 24 घंटों के अंदर ही छापामारी कर विकास कुमार यादव को धर दबोचा और विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। गिरफ्तारी दल में अनुसंधानकर्ता पु.अ.नि. दीपनारायण शुक्ला, पु.अ.नि. अरुण कुमार तथा स0अ0नि0 अखिलेख कुमार एवं थाना के सशस्त्र बल मौजूद थे। दूसरा मामला: झालदा से मिली शून्य प्राथमिकी के आधार पर दर्ज मामला- जिला राजसी कदम उठाते हुए, झालदा (पश्चिम बंगाल) थाना से प्राप्त शून्य प्राथमिकी के आधार पर भी गोमिया थाना में कांड संख्या 99/2026, दिनांक 27/07/2026 के तहत धारा 64(2)(एफ)(आई)(आई)(एम)/127(4) बी.एन.एस एवं 6 पोस्को एक्ट के अन्तर्गत शिकायतकर्ता मिलन पासी (पिता: सिकंदर पासी), ग्राम टुलिन, थाना झालदा के विरुद्ध अभियुक्त उमेश कुमार पासी (25) पुत्र- घोषाल पासी, निवासी गांधीग्राम, स्वांग, थाना गोमिया, बोकारो के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। घटनाक्रम की जांच के दौरान पुलिस ने दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर ही उमेश कुमार पासी के विरुद्ध छापामारी कर गिरफ्तारी की और उसे भी न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस गिरफ्तारी दल का नेतृत्व थाना प्रभारी पु.अ.नि. प्रफुल्ल कुमार महतो और अनुसंधानकर्ता पु.अ.नि. बिरसा बाड़ा कर रहे थे; साथ में आरक्षी सुनील यादव (क्रमांक 1587) तथा सशस्त्र बल भी उपस्थित थे। पुलिस ने कहा है कि दोनों मामलों की विधिवत जांच चल रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई निर्बाध रूप से जारी रहेगी। थाना प्रशासन ने पीड़ितों के हित में आगे की आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

एक नजर

अवैध बालू परिवहन पर बड़ी कार्रवाई चार ट्रैक्टर जब्त

सिमरिया : सिमरिया अंचलाधिकारी गौरव कुमार राय एवं थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता के संयुक्त नेतृत्व में सोमवार को अवैध बालू खनन एवं परिवहन के खिलाफ थाना क्षेत्र में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मुरवे के समीप अवैध रूप से बालू का परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। कार्रवाई के दौरान सभी ट्रैक्टरों को जब्त कर सिमरिया थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। प्रशासन ने बताया कि मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई के लिए जिला खनन पदाधिकारी को प्रतिवेदन भेजा जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध बालू खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से भी अपील की है कि अवैध खनन एवं परिवहन की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सुरभि पाल ने नेशनल रैंकिंग आर्चरी टूर्नामेंट में जीता कांस्य पदक

सिल्ली : पहला नेशनल रैंकिंग आर्चरी टूर्नामेंट जयपुर के जगतपुरा शूटिंग रेंज में 24 से 27 जुलाई तक आयोजित हुआ,जिसमें बिरसा मुंडा आर्चरी अकादमी की सुरभि पाल ने रैंकिंग राउंड में 649 स्कोर के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।वहीं एकल स्पर्धा में महाराष्ट्र की मृणमल महेंद्र कदम को 6-0 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया । सुरभि के इस जीत पर अकादमी के मुख्य संरक्षक सुदेश महतो एवं अध्यक्ष नेहा महतो के साथ साथ सभी खेल प्रेमियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दिया।

टाटा स्टील रैकेट्स स्पोर्ट्स फेस्ट 2026 का भव्य समापन

पूर्वी सिंहभूम : जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित टाटा स्टील रैकेट्स स्पोर्ट्स फेस्ट 2026 का दूसरा संस्करण सोमवार को भव्य समापन समारोह और पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हुआ। चार दिनों तक चले इस आयोजन में झारखंड, ओडिशा और बिहार के विभिन्न शहरों से पहुंचे खिलाड़ियों ने रैकेट स्पोर्ट्स में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान बैडमिंटन, लॉन टेनिस, स्क्वॉश और पिकलबॉल की विभिन्न स्पधाओं में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। इस स्पोर्ट्स फेस्ट में कुल 365 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इनमें बैडमिंटन में 206, लॉन टेनिस में 72, स्क्वॉश में 13 और पिकलबॉल में 74 खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में ओडिशा के राउरकेला और मेरामंडली, बिहार के पटना और झारखंड के जमशेदपुर, रांची, धनबाद, गिरिडीह, चाईबासा, सरायकेला और बोकारो स्टील सिटी सहित कई शहरों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

मयूरहंड प्रखंड का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

▶ 97 छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित की बालिका आवासीय विद्यालय व स्वास्थय केंद्र की सुविधाओं का भी लिया जायजा

मयूरहंड : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रवि आनंद ने सोमवार को चतरा जिले के मयूरहंड प्रखंड का दौरा कर प्रखंड सह अंचल कार्यालय, झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय तथा प्राथमिक स्वास्थय केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली, शिक्षा एवं स्वास्थय सेवाओं की गुणवत्ता, आधारभूत संरचनाओं और आमजनों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की। प्रखंड सह अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पदाधिकारियों एवं कर्मियों से उनके कार्य दायित्वों की जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रतिदिन समय पर कार्यालय पहुंचकर आमजनों की समस्याओं का पारदर्शी एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों में नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने उपस्थिति पंजी, कैश बुक सहित विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन किया तथा उनके समुचित संधारण पर बल दिया। साथ ही कार्यालय परिसर एवं विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं सुव्यवस्थित कार्य वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके उपरांत उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कल्याण विभाग की ह्लउन्नति की पहियाह्व योजना के तहत 97 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरित की। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं

देते हुए कहा कि यह योजना विद्यालय आने-जाने में सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ उनकी नियमित उपस्थिति एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में भी सहायक सिद्ध होगी। दौरे के दौरान उपायुक्त ने झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास, कक्षाओं, छात्रावास, खेल मैदान, ओपन जिम तथा साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। छात्राओं से संवाद करते हुए उन्होंने उनकी पढ़ाई, उपलब्ध सुविधाओं एवं समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्वयं कक्षा में पहुंचकर छात्राओं का पाठ भी लिया और उन्हें विषय को समझकर अध्ययन करने, अनुशासन एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्टाफ क्वार्टर एवं ओपन थिएटर निर्माण की मांग पर उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार को स्थल का आकलन कर आवश्यक प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बाद उपायुक्त ने प्राथमिक स्वास्थय केंद्र, मयूरहंड का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर में जलजमाव की समस्या को देखते हुए पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही डायग्नोस्टिक सेंटर, दवा भंडारण कक्ष, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, वार्ड, शौचालय एवं साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। उपायुक्त ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से भी मुलाकात कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थय सेवाओं की जानकारी ली तथा गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध चिकित्सा सेवा सुनिश्चित करने पर बल दिया। अस्पताल प्रबंधन द्वारा सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता बताए जाने पर उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवश्यक कार्रवाई कर प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार, बीपीओ अजय सिन्हा सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय सिंघानी में नई प्रबंधन समिति का हुआ गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पत्थलगड़ा : पत्थलगड़ा प्रखंड अंतर्गत ग्राम सिंघानी स्थित उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय समेत अन्य विद्यालयों में सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अनुरूप विद्यालय प्रबंधन समिति एवं सरस्वती वाहिनी संचालन समिति का गठन किया गया। यह गठन राज्य परियोजना निदेशक के 2 जुलाई 2026 के आदेश तथा जिला शिक्षा अधीक्षक, चतरा के निर्देश के आलोक में पूर्ववर्ती समिति को निरस्त कर आयोजित आमसभा के माध्यम से किया गया। उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय सिंघानी परिसर में आयोजित आमसभा की अध्यक्षता वार्ड सदस्य पूनम देवी ने की, जबकि संचालन प्रधानाध्यापक चेतलाल राम रजक ने किया। बैठक में अभिभावकों, ग्रामीणों एवं विद्यालय परिवार की उपस्थिति में सर्वसम्मति से 20 सदस्यीय सरस्वती वाहिनी

संचालन समिति का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से सोनी देवी को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष, मिंटू प्रसाद केशरी को उपाध्यक्ष, पिंकी देवी को संयोजिका तथा जमीला खातून को उप-संयोजिका चुना गया। उपस्थित लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि नई प्रबंधन समिति विद्यालय के शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं विकासात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगी। इस अवसर पर सहायक शिक्षिका सुप्रिया कुमारी, सुनीता पाण्डेय, मीना देवी, शांति देवी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

चतरा कॉलेज के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग में विदाई समारोह आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा कॉलेज, चतरा के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग में सोमवार को जूनियर विद्यार्थियों द्वारा सेमेस्टर-4 के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीजी सेमेस्टर-2 एवं सेमेस्टर-4 के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह का उद्देश्य वरिष्ठ विद्यार्थियों को सम्मानपूर्वक विदाई देना तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. नंदकिशोर सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला महाविद्यालय के डॉ. बलदेव राम उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत विभाग के विद्यार्थियों ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. नंदकिशोर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए

कहा कि शिक्षा एक अनवरत एवं जीवनपर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर अध्ययन, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि नियमित परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने चतरा कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ. एल्विन बाखला के शैक्षणिक योगदान की सराहना करते हुए विभाग को निरंतर आगे बढ़ाने की शुभकामनाएं दीं। विशिष्ट अतिथि डॉ. बलदेव राम ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम करने तथा जीवन में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। राजनीति विज्ञान विभाग की डॉ. एल्विन बाखला ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि व्यक्तित्व विकास के लिए शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ सामाजिक सहभागिता भी आवश्यक है।

प्रतापपुर के 70 सरकारी विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

प्रतापपुर : प्रतापपुर प्रखंड के 70 सरकारी विद्यालयों में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन को लेकर सोमवार को निर्धारित कार्यक्रम के तहत चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। यह प्रक्रिया राज्य परियोजना निदेशक, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देश के आलोक में प्राथमिक, मध्य, उच्च एवं प्लस टू विद्यालयों सहित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में आयोजित की गई। चुनाव प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षकों की देखरेख में निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए संपन्न कराया गया। प्रखंड कार्यक्रम समन्वयक अजय कुमार दास ने बताया कि अधिकांश विद्यालयों में चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी

तरीके से संपन्न हुई। कुछ विद्यालयों में विशेष परिस्थितियों के कारण प्रक्रिया प्रभावित रही, जबकि शेष विद्यालयों में समिति का गठन सफलतापूर्वक कर लिया गया। समिति गठन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद संबंधित विद्यालयों की बैठक की कार्यवाही पंजी एवं निर्धारित प्रपत्र प्रखंड संसाधन केंद्र में जमा कराए गए। प्रखंड कार्यक्रम समन्वयक अजय कुमार दास ने सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने में सहयोग करने वाले सभी प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति विद्यालयों के समग्र विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

पोषण योजना समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर उपायुक्त ने की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रवि आनंद की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित प्रधानमंत्री पोषण योजना सहित शिक्षा, पोषण, स्वास्थय एवं खाद्य सुरक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान विद्यालयों में संचालित प्रधानमंत्री पोषण योजना के संचालन, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थय सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य तभी सार्थक होगा, जब पात्र लाभुकों तक सभी सुविधाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंचें। इसके लिए संबंधित सभी विभागों को बेहतर

समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उपायुक्त ने अधिकारियों को विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाने तथा नियमित अनुश्रवण के माध्यम से योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थय परीक्षण एवं आवश्यक स्वास्थय सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए पात्र लाभुकों तक शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाने, विभागीय समन्वय को और मजबूत बनाने तथा योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम पंचायत विकास योजना निर्माण को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिद्धौर : गिद्धौर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में सोमवार से जीपीडीपी (ग्राम पंचायत विकास योजना) सबकी योजना, सबका विकास अभियान 2026 के अंतर्गत ग्राम पंचायत विकास योजना 2026-27 के निर्माण हेतु ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अंचलाधिकारी अनंत सयनम विश्वकर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण का संचालन प्रशिक्षक कुमारी अनिता यादव एवं सुरेश प्रसाद राणा ने किया। उन्होंने उपस्थित मुखिया, वार्ड सदस्यों, रोजगार सेवकों,

पंचायत सचिवों तथा जेएसएलपीएस की महिला सदस्यों को ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रत्येक वर्ष की तरह वर्ष 2026-27 के लिए ग्राम स्तर पर आवश्यक विकास योजनाओं का चयन कर उन्हें पंचायत विकास योजना में शामिल किया जाएगा, ताकि गांवों का समग्र एवं सहभागी विकास सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षकों ने कहा कि ग्रामसभा की भागीदारी से तैयार की गई योजनाएं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप होती हैं और इनके प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास संभव है। कार्यक्रम में द्वारी पंचायत के मुखिया जगदीश यादव, पहरा पंचायत की मुखिया बेबी देवी, बारीसाखी पंचायत की मुखिया सुमीरा देवी, पंचायत सचिव दिगंबर पांडेय, प्रियंका प्रिया, खुशबू लता, जनसेवक उज्ज्वल कुमार सिंह, रोजगार सेवक निर्मल दांगी, प्रदीप कुमार, पार्वती देवी, जेएसएलपीएस की बीआरपी बिजया रजक सहित विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधि, रोजगार सेवक एवं बड़ी संख्या में जेएसएलपीएस की महिलाएं उपस्थित थीं।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात हाइवा की टक्कर से 19 वर्षीय युवक की मौत, दुसरा घायल

इटखोरी : इटखोरी थाना क्षेत्र में रविवार रात करीब 9 :00 बजे हुए दर्दनाक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा इटखोरी-चौपारण मुख्य मार्ग पर सपना होटल से लगभग 20 मीटर आगे उस समय हुआ, जब दोनों युवक मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक अनियंत्रित अज्ञात हाईवा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चौपारण थाना क्षेत्र के महाराजगंज मध्यगोपाली गांव निवासी ललन कुमार साव 19 वर्ष एवं बबलू कुमार साव 20 वर्ष इटखोरी से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात हाईवा ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में ललन कुमार साव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बबलू कुमार साव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एएसआई राजेश राम ने मानवता का परिचय देते हुए दोनों युवकों को सरकारी वाहन से तत्काल सामुदायिक स्वास्थय केंद्र इटखोरी पहुंचाया। वहां डॉ. संजीव कुमार ने जांच के बाद ललन कुमार साव को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल बबलू कुमार साव को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। मृतक ललन कुमार साव चौपारण थाना क्षेत्र के महाराजगंज मध्यगोपाली निवासी तोखलाल साव के पुत्र थे, जबकि घायल बबलू कुमार साव उसी गांव के संजीवन साव के पुत्र हैं। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर और पूरे गांव में मातम पसर गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सोमवार को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेजा और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अज्ञात हाईवा और उसके चालक की तलाश में जुटी है तथा मामले की जांच जारी है।

प्लस टू उच्च विद्यालय बारीसाखी में नई विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन

गिद्धौर : गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत प्लस टू उच्च विद्यालय बारीसाखी में सोमवार को नई विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि दिनेश भारती ने की, जबकि संचालन पूर्व अध्यक्ष परमेश्वर रविदास ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया। समिति के सदस्यों ने आपसी सहमति से लक्ष्मण दांगी को अध्यक्ष, कंचन देवी को उपाध्यक्ष तथा मुनिया देवी को संयोजिका चुना। नवनिर्वाचित अध्यक्ष लक्ष्मण दांगी ने सभी सदस्यों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने, विद्यार्थियों के हित में कार्य करने तथा विद्यालय के समग्र विकास के लिए सभी के सहयोग से कार्य किया जाएगा। प्रबंधन समिति के गठन पर ग्रामीणों एवं समाजसेवियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए विद्यालय के विकास के लिए मिलकर कार्य करने की अपेक्षा जताई।

सिमरिया में चित्रांकन प्रतियोगिता, छात्राओं ने दिखाई सामाजिक सोच

सिमरिया : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के निर्देशन में संचालित 90 दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम के तहत सोमवार को सिमरिया प्रखंड मुख्यालय स्थित अनुसूचित जाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय में चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने सड़क सुरक्षा, नशापान उन्मूलन, डायन प्रथा उन्मूलन सहित विभिन्न सामाजिक विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर समाज को जागरूक करने का संदेश दिया। छात्राओं की रचनात्मक प्रस्तुति की उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य कुमारी सुषमा ने छात्राओं को सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक रहने और अपने अधिकारों की जानकारी रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर अधिकार मित्र सुबोध कुमार शर्मा, उमेश प्रसाद, रंजन कुमार मिश्रा एवं सीता देवी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को कानून, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं जनजागरूकता से जुड़े विषयों की जानकारी दी गई तथा उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

हंटरगंज : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की खबर के बाद सोमवार शाम हंटरगंज प्रखंड स्थित कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कार्यकताओं ने खुशी का इजहार किया। इस दौरान कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया और इसे छात्रों के आंदोलन तथा जनदबाव की जीत बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष कामेंद्र सिंह ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों के संघर्ष और लोकतांत्रिक आवाज की जीत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता से जुड़े मुद्दों पर लगातार संघर्ष करती रहेगी और किसी भी जनविरोधी निर्णय के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक टिप्पणी करते हुए कहा कि, धर्मेंद्र प्रधान अभी झांकी हैं, नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह अभी बाकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की कई नीतियों के खिलाफ देशभर में असंतोष है और कांग्रेस जनता की आवाज बनकर अपना आंदोलन जारी रखेगी। कार्यक्रम में कांग्रेस ओबीसी जिला अध्यक्ष सरवन साव, कमल कुमार केशरी, मनोज सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कैसे बनाएं अपने लिविंग रूम को खूबसूरत और हटके? ट्राई करें ये बेहतरीन प्रोडक्ट्स

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है।

घर का सबसे अहम हिस्सा लिविंग रूम होता है क्योंकि यहीं मेहमानों का स्वागत होता है, परिवार के साथ अच्छा समय बिताया जाता है और यही वो जगह है जो आपके पूरे घर की पहली छाप छोड़ती है। लेकिन क्या आपका लिविंग रूम अब बोरिंग और पुराना हो गया है? क्या आपको भी लगता है कि इस जगह को थोड़ा नयापन चाहिए, वो भी बिना ज्यादा खर्च किए? अगर हाँ, तो आपको बस अपनी सजावट में थोड़ा क्रिएटिव टच जोड़ने की ज़रूरत है। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन और आसान डेकोरेशन टिप्स जो आपके लिविंग रूम की खूबसूरती बढ़ा देंगे।

दीवारों को सजाएँ

दीवारें किसी भी कमरे का मूड सेट करती हैं। आप अपने लिविंग रूम की दीवारों को हल्के पेस्टल शेड्स से पेंट कर सकते हैं या वॉलपेपर लगा सकते हैं। आजकल ट्रेंडी वॉल आर्ट भी काफी पसंद किए जा रहे हैं।

कुशन और पर्दों से मूड बदलें

लिविंग रूम में सोफ़े या कुर्सी का लुक बदलना मुश्किल हो सकता है, लेकिन आप कुशन कवर और पर्दों को बदलकर पूरे कमरे का लुक आसानी से बदल सकते हैं। चटख, कॉन्ट्रास्टिंग रंगों और पैटर्न वाले कपड़ों का इस्तेमाल करें। मौसम के हिसाब से कपड़े चुनें, गर्मियों में सूती और सर्दियों में मखमल या रेशमी।

पौधे लगा सकते हैं

पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि आपके घर को एक प्राकृतिक और ताजा रूप भी देते हैं। स्नेक प्लांट, मनी प्लांट या एरेका पाम जैसे इनडोर पौधे आपके लिविंग रूम को सुंदर और शांत बना सकते हैं। कोने की मेज या खिड़की पर छोटे पौधे सजाएँ।

प्रकाश व्यवस्था का सर्वोत्तम उपयोग करें

सिर्फ़ अच्छी रोशनी ही लिविंग रूम के रूप को निखार सकती है। हल्की पीली लाइटें, फ्लोर लैंप या फेयरी लाइटें कमरे को आरामदायक और आकर्षक बना सकती हैं। सेंटर लाइट के साथ कुछ साइड लैंप भी लगाएँ।

एक्सेसरीज़ से जोड़ें अपना निजी स्पर्श

फोटो फ्रेम, कैंडल स्टैंड, बुक शेल्फ़ या हाथ से बनी कलाकृतियाँ, ये सभी आपके लिविंग रूम को अनोखा और आपके व्यक्तित्व के अनुरूप बना सकते हैं।

लिविंग रूम को नया रूप देना कोई महंगा या मुश्किल काम नहीं है। बस थोड़ी सी रचनात्मक सोच, कुछ किफायती सजावट के आइडिया और सही संयोजन से, आप अपने लिविंग रूम को स्टाइलिश, सुंदर और खास बना सकते हैं। तो देर किस बात की? इन सुझावों को आजमाएँ और अपने घर को एक नया और ताजा एहसास दें।

नया घर बनाते समय इन बातों का जरूर रखें ध्यान वरना उठाना पड़ेगा भारी नुकसान

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है।

दुनिया भर में लोग अपने घर में खुशियां, अच्छा स्वास्थ्य और समृद्धि लाने के लिए अलग-अलग मान्यताओं का पालन करते हैं। इन सभी का उद्देश्य घर में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाना और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना है। जब आप घर बनवा रहे होते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है ताकि वह रहने के लिए एक अच्छा और सुखद स्थान बन जाए। क्योंकि घर रोज-रोज नहीं बनता, इसलिए घर बनवाते समय वास्तु का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में सकारात्मक ऊर्जा लाने के लिए कुछ नियमों का पालन किया जाता है। इससे घर में रहने वाले लोगों की खुशियां और तरक्की बढ़ती है। वास्तु शास्त्री अंशुल त्रिपाठी बता रहे हैं कि घर बनवाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

भूमि पूजन घर बनवाने से पहले भूमि पूजन करना बहुत शुभ माना जाता है। धरती को मां माना जाता है, इसलिए घर बनवाते समय खुदाई शुरू करने से पहले उसका सम्मान करना जरूरी होता है। इसे शुभ शुरुआत माना जाता है और इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

कुआं

घर बनवाते समय उत्तर-पूर्व दिशा में कुआं खोदें और उसी पानी का इस्तेमाल घर बनवाने में करें। इससे सौभाग्य की प्राप्ति होती है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में कुआं बनवाना अशुभ माना जाता है, इससे घर में परेशानी आ सकती है।

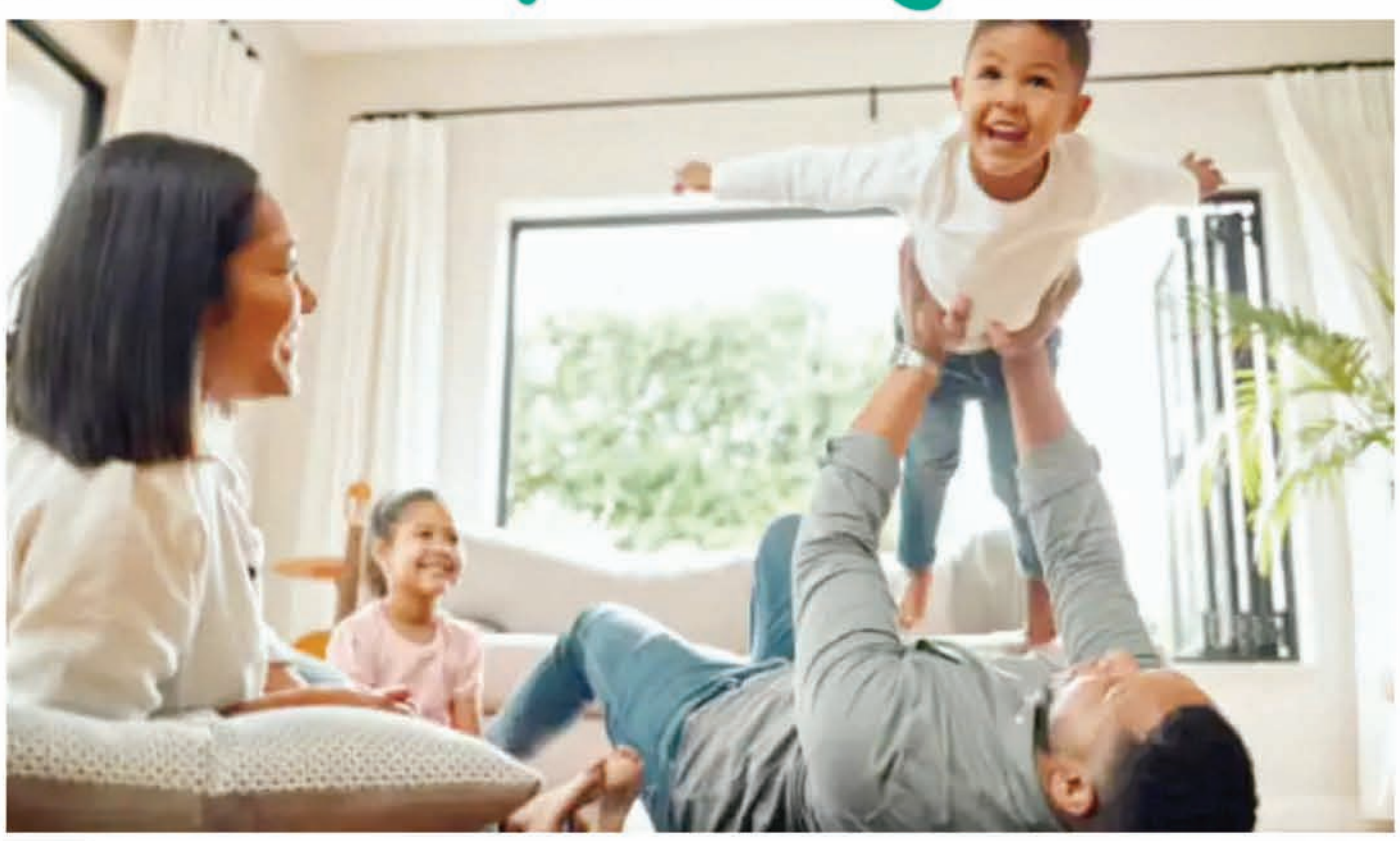

दरवाजा

दक्षिण-पश्चिम दिशा में कोई दरवाजा नहीं होना चाहिए। उत्तर या पूर्व दिशा में दरवाजा शुभ माना जाता है। दरवाजे अंदर की ओर खुलने चाहिए, ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करे। बाहर की ओर खुलने वाले दरवाजे से सकारात्मक ऊर्जा बाहर की ओर प्रवाहित होती है।

पानी की निकासी

घर का गंदा पानी भी उत्तर-पूर्व दिशा में ही निकलना चाहिए।

पुराना घर खरीदते समय

अगर आप पुराना घर खरीद रहे हैं, या खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, तो उसे जरूर रंगवा लें। अगर आप खुद रंगवा सकते हैं या उसमें मदद कर सकते हैं, तो और भी अच्छा रहेगा। ऐसा करने से घर में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आएगी।

घर बनवाते समय इन बातों का रखें ध्यान

मुख्य द्वार के सामने लगे पेड़ को हटाना।

बेडरूम में पलंग को दीवार से सटाकर रखें।

रसोई में गैस चूल्हे का मुंह पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए।

मंदिर घर के उत्तर-पूर्व कोने में होना चाहिए।

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

घर का लेआउट और व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य और खुशी को प्रभावित कर सकती है।

घर हमेशा दिखता है बिखरा और गंदा? ऑर्गेनाइज करने के लिए फॉलो करें 7 टिप्स, लाइफ बनेगी आसान

आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में साफ-सुथरे और ऑर्गेनाइज्ड घर की चाहत तो सबको होती है, लेकिन समय की कमी, थकान और दिनभर के तनाव के बीच अक्सर घर बिखरा हुआ और अस्त-व्यस्त नजर आता है। चाहे आप गृहिणी हों, ऑफिस जाने वाले प्रोफेशनल या स्टूडेंट — गंदा और बिखरा घर मानसिक शांति को भी प्रभावित करता है। साइकोलॉजिकल स्टडीज़ भी बताती हैं कि साफ और व्यवस्थित घर में रहने वाले लोग अधिक फोकस्ड और मानसिक रूप से शांत रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम कुछ आसान आदतों और स्मार्ट टिप्स को अपनाकर अपने घर को साफ और ऑर्गेनाइज रख सकें। यहां हम आपको बता रहे हैं 7 आसान और कारगर टिप्स, जिन्हें फॉलो करके न सिर्फ आपका घर हमेशा चमकता रहेगा, बल्कि आपकी लाइफ भी बेहतर और आसान बन जाएगी।

1. हर चीज़ की तय जगह बनाएं

घर में जितनी चीजें हैं, अगर उनकी एक फिक्स जगह तय हो जाए तो आधा काम वहीं खत्म हो जाता है। चाबियों के लिए की-होल्डर, रिमोट्स के लिए बॉक्स और जूतों के लिए शू-रैक जैसे साधारण उपाय घर को ऑर्गेनाइज रखने में मदद करते हैं।

2. वन इन, वन आउटफ्र रूल अपनाएं

जब भी कोई नई चीज़ घर लाएं, तो एक पुरानी या अनुपयोगी चीज़ को बाहर निकाल दें। इससे फालतू सामान जमा नहीं होगा और घर में जगह भी बनी रहेगी।

3. 10 मिनट क्लीनिंग रूटीन

हर दिन सिर्फ 10 मिनट का समय घर की सफाई को दें। आप चाहें तो सुबह उठते ही या रात सोने से पहले ये कर सकते हैं। इससे गंदगी जमा नहीं होगी और सफाई एक बोझ की तरह महसूस नहीं होगी।

4. स्मार्ट स्टोरेज का करें इस्तेमाल

बाजार में आजकल स्टोरेज बॉक्स, प्लास्टिक कंटेनर और ऑर्गेनाइज़र डिवाइडर उपलब्ध हैं। इनका इस्तेमाल करके आप कपड़ों, बर्तनों, किताबों या बच्चों के खिलौनों को अच्छी तरह जमा सकते हैं।

5. साप्ताहिक %डिक्लटर डे%

हफ्ते में एक दिन ऐसा रखें जब आप घर की अनावश्यक चीजों की छंटाई करें। पुराने अखबार, खराब इलेक्ट्रॉनिक्स या बेकार कपड़े - जो भी ज़रूरी नहीं है, उसे अलग करें।

6. रात में 5 मिनट का राउंड

सोने से पहले घर का एक चक्कर लगाएं और देखें कि कौन सी चीज अपनी जगह से हट गई है। उन्हें वापस रख दें। इससे सुबह उठने पर घर साफ मिलेगा और दिन की शुरुआत बेहतर होगी।

7. नो डंप ज़ोनफ्र बनाएं

ऐसे स्थान तय करें जहां कोई भी चीज़ बिना सोचे-समझे न रखी जाए, जैसे डाइनिंग टेबल, सेंटर टेबल या एंट्रेंस एरिया। यह आदत आपके घर की सुंदरता बनाए रखेगी।

हमेशा बिखरी हुई रहती है अलमारी, इन 5 तरीकों से रखें ऑर्गेनाइज नहीं होगी कपड़े ढूंढने में तकलीफ

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है?

क्या आपकी अलमारी हर बार खोलते ही बिखर जाती है? क्या कपड़े ढूँढ़ना एक मुश्किल काम बन गया है और बार-बार व्यवस्थित करने के बावजूद सब कुछ उलझा हुआ सा लगता है? दरअसल, हम अनजाने में कुछ ऐसी गलतियाँ कर देते हैं जिनकी वजह से हमारी अलमारी हमेशा अव्यवस्थित रहती है। लेकिन अगर आप चाहें, तो छोटे-छोटे बदलावों से अलमारी को पूरी तरह साफ़, सुथरा और व्यवस्थित बना सकते हैं, तो आइए जानते हैं कि आप अपनी अलमारी को कैसे व्यवस्थित कर सकते हैं ताकि आपके कपड़े व्यवस्थित और व्यवस्थित रहें।

पुराने और टाइट कपड़े हटाएँ

कई बार हम अलमारी में ऐसे कपड़े रख देते हैं जो अब हमें फिट नहीं आते या जिन्हें हमने पहनना बंद कर दिया है। ये कपड़े न सिर्फ़ जगह घेरते हैं बल्कि ज़रूरत के कपड़े ढूँढ़ना भी मुश्किल बना देते हैं। अगर आपके पास भी ऐसे कपड़े हैं, तो समय-समय पर उन्हें व्यवस्थित करना ज़रूरी है।

व्यवस्था प्रणाली अपनाएँ

जब अलमारी में कपड़ों को व्यवस्थित तरीके से रखने या रोज़मर्रा के कपड़ों को एक साथ रखने जैसी कोई व्यवस्था नहीं होती, तो चीज़ें जल्दी बिखर जाती हैं। अगर आप अपने कपड़ों को रोज़ाना सही और व्यवस्थित तरीके से रखें, तो चीजें आसानी से बिखर सकती हैं।

गलत हैंगर का इस्तेमाल

कई लोग भारी जैकेट या कोट के लिए कमज़ोर प्लास्टिक के हैंगर इस्तेमाल करते हैं जिससे कपड़े गिर जाते हैं या खराब हो जाते हैं। हर कपड़े के लिए सही हैंगर का इस्तेमाल करना बहुत ज़रूरी है ताकि कपड़े अपनी शेप में रहें और अलमारी साफ़-सुथरी दिखे। इसलिए भारी कपड़ों के लिए अलग और हल्के कपड़ों के लिए अलग हैंगर रखें।

अलमारी में जगह कम होना

कई लोगों की अलमारी में जगह कम होती है और अगर कपड़े ज़्यादा हों, तो उनका बिखरना स्वाभाविक है। ऐसे में शेल्फ डिवाइडर, स्टोरेज बॉक्स या मल्टी-लेयर हैंगर जैसे स्मार्ट स्टोरेज उपाय मददगार हो सकते हैं। ऐसा करने से कम जगह में ज़्यादा चीजें आ सकती हैं।

गलत तरीके से तह किए हुए कपड़े

कई बार कपड़ों को गलत तरीके से तह करने से चीज़ें खराब हो जाती हैं और अलमारी अव्यवस्थित लगती है। सही तह करने की तकनीक अपनाकर और उन्हें श्रेणी के अनुसार व्यवस्थित करके, आप जगह भी बचा सकते हैं और अलमारी को साफ़ भी रख सकते हैं।

कम बजट में घर को दें इंस्टाग्राम जैसा एस्थेटिक लुक, ये चीजें करेंगी कमाल

आजकल सोशल मीडिया पर खासकर इंस्टाग्राम पर कई ऐसे खूबसूरत रूम डेकोरेशन रील्स दिखती हैं जिन्हें देखकर मन करता है कि काश हमारा घर भी ऐसा ही स्टाइलिश और क्लासी होता। लेकिन हर कोई महंगे इंटीरियर पर खर्च नहीं कर सकता। ऐसे में अगर आप भी अपने आशियाने को नया लुक देना चाहते हैं तो परेशान न हों। कुछ सिंपल और किफायती चीजों से आप अपने घर को भी इंस्टाग्राम-लायक बना सकते हैं। आइए जानें कुछ आसान, सुंदर और बजट-फ्रेंडली आइडियाज।

घर को एलिगेंट लुक देने वाले इनडोर प्लांट्स

बड़े साइज के पौधे घर में एक अलग ही ताजगी और खूबसूरती लेकर आते हैं। आप एरेका पाम या स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगा सकते हैं, जो दिखने में स्टाइलिश होते हैं और हवा को भी शुद्ध करते हैं। इनका रख-रखाव भी आसान है और ये ज्यादा महंगे भी नहीं होते।

लाइट कलर के पर्दों से बदलें कमरों का माहौल

पर्दों का रंग और फैब्रिक पूरे कमरे की फील को बदल सकता है। अगर आप अपने रूम को बड़ा, खुला और शांत दिखाना चाहते हैं तो व्हाइट, बेबी पिंक या बेज कलर के हल्के पर्दे लगाएं। ये रंग कमरे को आरामदायक और क्लासी लुक देते हैं।

फेयरी लाइट्स से लाएं रोशनी में जादू

हल्के रंग के पर्दों के साथ अगर आप फेयरी लाइट्स जोड़ देंगे तो आपका कमरा शाम के समय किसी मूवी सीन जैसा लगेगा। ये लाइट्स सॉफ्ट और वॉर्म इफेक्ट देती हैं, जिससे रूम और भी ज्यादा एस्थेटिक नजर आता है।

स्टैंडिंग लैम्प से बढ़ाएं रॉयल टच

अगर आप कमरे में मॉडर्न लुक लाना चाहते हैं तो एक अच्छा स्टैंडिंग लैम्प जरूर लगाएं। ये न सिर्फ लाइटिंग को बेहतर बनाता है बल्कि कमरे की शोभा भी बढ़ाता है। अगर आप किताबें पढ़ते हैं या घर से काम करते हैं, तो ये बेहद काम की चीज है।

वॉल आर्ट और फोटो फ्रेम से दीवारों को सजाएं

खाली दीवारें अक्सर उबाऊ लगती हैं। आप चाहें तो मोटिवेशनल कोट्स, सिंपल वॉल आर्ट या फिर अपनी यादों से भरे फोटो फ्रेम्स दीवारों पर लगा सकते हैं। इससे घर में पर्सनल टच आता है और हर दीवार एक कहानी कहने लगती है।

अरोमा डिफ्यूजर और कैंडल्स से महकाएं कमरा

कमरे की खुशबू उसका माहौल बदल सकती है। एक अच्छा अरोमा डिफ्यूजर आपके रूम को महकाने के साथ-साथ मन को भी शांत करता है। आप चाहें तो लैवेंडर, लेमन ग्रास या रोज फ्लेवर की कैंडल्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे कमरे में सुकून का एहसास होगा।

आपको अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ छोटे बदलाव और बजट-फ्रेंडली चीजों से भी आपका घर बिल्कुल इंस्टाग्राम जैसा दिख सकता है - क्लासी, शांत और आपके दिल के बेहद करीब।

तमिलनाडु के सीएम विजय देंगे सिल्वर मेडल

जीतने वाले वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी को 30 लाख नकद इनाम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने वेटलिफ्टर राजा मुथुपांडी के लिए 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है। मुथुपांडी ने स्कॉटलैंड के ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता था। मुथुपांडी को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इनाम उनके शानदार प्रदर्शन के सम्मान में दिया जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि मेडल जीतने की यह उपलब्धि राज्य भर के युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। मुथुपांडी ने कुल 286 किग्रा (126 किग्रा + 160 किग्रा) का भार उठाया। मुथुपांडी ने 125 किग्रा स्नैच के सफल प्रयास से शुरुआत की और फिर अपने दूसरे प्रयास में इसे बढ़ाकर 126 किग्रा कर दिया। वे अपने आखिरी प्रयास में 129 किग्रा का भार नहीं उठा पाए। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने सफलतापूर्वक 158 किग्रा और 160 किग्रा का भार उठाया, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में 170 किग्रा उठाने में असफल रहे। इस प्रयास से उन्हें सिल्वर मेडल मिला। इस उपलब्धि को तमिलनाडु और भारत के लिए गर्व का क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री विजय ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के जरिए युवा वेटलिफ्टर को बधाई दी। उन्होंने मुथुपांडी के प्रदर्शन को रिकॉर्ड बनाने वाली उपलब्धि बताया और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके दृढ़ संकल्प की सराहना की। 30 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार एथलीट की सफलता को राज्य के सर्वोच्च खेल पुरस्कारों में से एक से सम्मानित करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुथुपांडी की उपलब्धि उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने और तमिलनाडु को और अधिक पहचान दिलाने के लिए प्रेरित करेगी। विजय ने कहा, मैं ग्लासगो में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पुरुषों के 65 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर राजा मुथुपांडी को दिल से बधाई देता हूं। उनकी सफलता तमिलनाडु के लिए बहुत गर्व की बात है।

वैभव सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर

सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

हरारे (एजेंसी)। भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटरनेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए। हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं।

सूर्यवंशी ने पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता: सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे।

सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय: सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था।

सूर्यवंशी की इंटरनेशनल में दूसरी फिफ्टी: सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई। उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50+ स्कोर बनाया था।

सूर्यवंशी इस साल सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय: सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे।टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है।

दो बार के ओलंपियन साजन ने प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

ग्लास्गो (एजेंसी)। दो बार के ओलंपियन भारतीय तैराक साजन प्रकाश ने सोमवार को यहां एक मिनट 58.59 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट (शुरुआती दौर) में दूसरे स्थान पर रहते हुए राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। स्कॉटलैंड के डंकन स्कॉट एक मिनट 58.29 सेकेंड के साथ समय के साथ शीर्ष पर रहे।

साजन अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहे। इस 31 वर्षीय भारतीय ने इसी साल सिंगापुर राष्टीय आयु वर्ग तैराकी चैंपियनशिप में एक मिनट 57.09 सेकेंड का अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप :

ईशा सिंह ने जीता गोल्ड, मनु भाकर को ब्रॉन्ज मेडल

हांगझू (चीन)(एजेंसी)। चीन के हांगझू में हो रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में भारतीय पिस्टल स्टार ईशा सिंह और मनु भाकर ने महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल जीते और प्रतियोगिता में भारत का शानदार सफर जारी रखा। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की प्रेस रिलीज के अनुसार ईशा ने फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 40 हिट के साथ गोल्ड मेडल पक्का किया, जबकि पेरिस 2024 में दो ओलंपिक मेडल जीतने वाली मनु भाकर ने कड़े मुकाबले का सामना करते हुए एक अहम शूट-ऑफ जीता और 28 हिट के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

भारतीय टीम ने क्वालिफिकेशन राउंड में ही बेहतरीन शुरुआत की। मनु भाकर 586-203 के शानदार स्कोर के साथ क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में टॉप पर रहीं, जबकि ईशा सिंह 585-183 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और आसानी से फाइनल में जगह बनाई। एशियाई खेलों की पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट राही सरनोबत ने 582-163 का स्कोर किया, जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ (576-203) और अभिज्ञा अशोक पाटिल (573-163) ने रैंकिंग पॉइंट्स ओनली स्टेटस के तहत खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया।

इस सीजन की शुरुआत में म्यूनिख में वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड-तोड़ गोल्ड मेडल जीतने के बाद मानसिक दबाव से उबरने के बारे में बात करते हुए ईशा सिंह ने कहा, यह मैच मेरे लिए बहुत दबाव वाला था क्योंकि मेरे पास पहले से ही एक मेडल था। आप अपने इवेंट में जितना बेहतर करते हैं, आपको उतनी ही ज्यादा प्रतिष्ठा का बोझ महसूस होता है जिसे आपको पार करना होता है। मुझे खुशी है कि मैं आज इससे उबर पाई और शुक्रगुजार हूं कि मुझमें इसे सहने की क्षमता थी। मुझे हांगझू में मुकाबला करना बहुत पसंद है। एशियाई खेलों के दौरान हुए मुकाबले को याद करते हुए, जहां मैंने चार मेडल जीते थे, मैं यहां वापस आने के लिए बहुत उत्साहित थी। फाइनल हॉल में रेंज, लाइटिंग और माहौल से वाकिफ होना निश्चित रूप से मेरे पक्ष में रहा।

मैच के बाद अपने प्रदर्शन और आने वाले सीजन के लिए मोमेंटम बनाने के बारे में बात करते हुए मनु भाकर ने कहा, यह मेडल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक सीढ़ी की तरह काम करता है। इससे मुझे स्पष्टता मिलती है कि क्या काम कर रहा है और मैं किस दिशा में आगे बढ़ना चाहती हूं। मेडल निश्चित रूप से मेरा आत्मविश्वास बढ़ाता है, लेकिन इस प्रतिस्पर्धी मैच से मुझे जो अनुभव मिला है, वह वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियाई खेलों जैसे बड़े आयोजनों की तैयारी में और भी अधिक मददगार साबित होगा।

हैदराबाद की 21 वर्षीय ईशा सिंह के लिए गोल्ड मेडल करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ता है। इससे पहले इस सीजन में म्यूनिख में ढुस्स्स्न वर्ल्ड कप में ईशा ने फाइनल में 43 हिट के साथ सीनियर और जूनियर दोनों वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रचा था। पेरिस 2024 ओलंपियन और अर्जुन अवार्डी, ईशा दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं।

मनु भाकर के लिए ब्रॉन्ज मेडल ग्लोबल स्टेज पर उनके शानदार प्रदर्शन को और मजबूत करता है, खासकर उनके ऐतिहासिक पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान के बाद जहां वह खेलों के एक ही संस्करण में दो मेडल जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली एथलीट बनी थीं।

रन-अप में बदलाव का मिला फायदा, रवि बिश्नोई का जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में दमदार प्रदर्शन

हरारे (एजेंसी)। भारत के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 3-0 से जीती गई टी20 सीरीज के बाद अपनी शानदार वापसी का राज बताया। बिश्नोई ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर हुई गलतियों के बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बेंगलुरु में अपनी रन-अप पर कड़ी मेहनत की और अब उसका सकारात्मक परिणाम मैदान पर देखने को मिल रहा है। जिम्बाब्वे दौरे पर बिश्नोई ने तीन विकेट झटके और भारत की क्लीन स्वीप में अहम भूमिका निभाई।

इंग्लैंड दौरे की गलती से लिया सबक

रवि बिश्नोई के लिए इंग्लैंड दौरा बेहद निराशाजनक रहा था। मैनचेस्टर टी20 में उन्होंने तीन बैक-फुट नो-बॉल फेंकी थीं और 60 रन खर्च किए थे। उस मुकाबले के बाद उनकी गेंदबाजी और खासकर रन-अप को लेकर सवाल उठे। इसके बाद उन्होंने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पूर्व स्पिनर सैराज बहुतुले और सुनील जोशी की निगरानी में अपनी तकनीक पर काम किया।

गलतियां सुधारीं, अब नतीजे सामने हैं

सीरीज खत्म होने के बाद रवि बिश्नोई ने बताया कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी की कमियों पर मेहनत की और कोचिंग स्टाफ से लगातार मदद मिली।रवि बिश्नोई ने कहा, मैंने उन चीजों पर काम किया जिनमें सुधार की जरूरत थी, क्योंकि मेरी गेंदबाजी में कुछ गलतियां आ गई थीं। अब उन पर काम करने का फायदा मिल रहा है और उसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, कोचों ने मेरा काफी समर्थन किया और बताया कि मुझे किन पहलुओं पर काम करना है। मेरा रन-अप थोड़ा ज्यादा वाइड हो गया था, जो आमतौर पर नहीं होता, लेकिन दुर्भाग्य से इंग्लैंड वाले मैच में बार-बार ऐसा हुआ।

ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026

भारत को बड़ा झटका | राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुरिंदरवीर सिंह का 100 मीटर हीट में सफर समाप्त

ग्लास्को (एजेंसी)। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारत की सबसे बड़ी एथलेटिक्स पदक उम्मीदों में शामिल गुरिंदरवीर सिंह पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा के शुरुआती हीट से आगे नहीं बढ़ सके। राष्टीय रिकॉर्डधारी भारतीय धावक सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, जिससे भारत की एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

गुरिंदरवीर ने मई 2026 में रांची में आयोजित फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर इतिहास रचा था। वह 10.10 सेकंड से कम समय में 100 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष धावक बने थे। इस प्रदर्शन के बाद उनसे राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें थीं, लेकिन अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके।

अब हाई जंप पर टिकी भारत की नजर

गुरिंदरवीर के बाहर होने के बाद अब भारतीय एथलेटिक्स दल की उम्मीदें पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा पर टिकी हैं। फाइनल में राष्टीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे, पूर्व राष्टीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर और आदर्श राम ज्योति शंकर भारत की चुनौती पेश करेंगे। सर्वेश कुशारे हाल ही में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्टीय रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में तीसरा स्थान हासिल कर शानदार फॉर्म का भी परिचय दिया था।

राष्टीय रिकॉर्ड बनाकर पहुंचे थे ग्लास्गो

गुरिंदरवीर ने फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का राष्टीय रिकॉर्ड बनाकर पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा था। उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाते हुए अनिमेष कुजूर के एक दिन पहले बने राष्टीय रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। इसी वजह से उन्हें ग्लास्गो में भारत के संभावित पदक विजेताओं में गिना जा रहा था।

10.39 सेकंड का समय भी नहीं दिला सका सेमीफाइनल का टिकट

100 मीटर हीट में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.39 सेकंड का समय निकाला। हालांकि यह प्रदर्शन सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। सभी 11 हीट समाप्त होने के बाद गुरिंदरवीर 73 धावकों में 28वें स्थान पर रहे। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष 17 धावकों को जगह मिली। रिपोर्ट के अनुसार यदि गुरिंदरवीर 10.24 सेकंड का समय निकालते तो वह अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

सौम्य सरकार की 5 साल बाद वापसी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान नजमुल हुसैन शांतो को सौंपी गई है। बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में ऑलराउंडर सौम्य सरकार को शामिल किया गया है। सौम्य आखिरी बार 2021 में टेस्ट फॉर्मेट में खेले थे। दूसरी तरफ, 2023 की डब्ल्यूटीसी चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही इस सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर चुकी है।

पहले टेस्ट के लिए बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम

नजमुल हुसैन शंतो (कप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजीद हसन, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, अमीत हसन, जाकिर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उप-कप्तान), तैजुल इस्लाम, तास्किन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, इबादत हुसैन चौधरी, मुश्फिक हसन।

30 दिन में निपटाएं सभी लंबित विवेचनाएं : पुलिस आयुक्त

वाराणसी (एजेंसी)। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कैंप कार्यालय में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी विवेचना 30 दिन से अधिक लंबित न रहे तथा सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जघन्य अपराध, गैंग्सटर, गोवध और एनडीपीएस अधिनियम से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने इन सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने ई-समन, ई-नोटिस, ई-वारंट जैसे डिजिटल उपकरणों के प्रभावी उपयोग और डिजिटल साक्ष्यों के समयबद्ध अपलोड के भी निर्देश दिए। गैर-जमानती वारंटों के निष्पादन हेतु तीन दिवसीय अभियान चलाकर अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। मोहित अग्रवाल ने मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रखने पर जोर दिया। उन्होंने महिला अपराधों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए तत्काल एफआईआर, निष्पक्ष विवेचना और त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस आयुक्त ने संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता, गश्त, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, समुचित यातायात प्रबंधन और निरंतर निगरानी के निर्देश दिए। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय) शिवहरी मीणा सहित सभी राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि सभी थाना प्रभारी गूगल मीट के माध्यम से जुड़े।

पानी की टंकी में मृत मिला पूरा परिवार, इलाके में छाया मातम, पुलिस जांच में जुटी

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर जिले के लोहारकी गांव में एक ही परिवार के चार सदस्य पानी की टंकी में मृत मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। शवों का पता रविवार देर रात चला। इस घटना के बाद गांव में मातम छा गया। पुलिस आत्महत्या के शक समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक घटना रविवार रात करीब 9 बजे की है। रामदेवरा एसएचओ ने बताया कि जसराज के भाई ने उसे पानी की टंकी में कूदते हुए देखा और शोर मचाया। परिवार के सदस्य और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन जब तक वे टंकी तक पहुंचे, तब तक चारों की मौत हो चुकी थी। मृतकों की पहचान जसराज सुथार (29), उसकी पत्नी निर्मा (25), 10 साल के बेटे भरत और 5 साल की बेटी मनीषा के तौर पर हुई है। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने टंकी से शव निकाले। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, सबूत इकट्ठा किए और महिला के रिश्तेदारों को सूचना दी। अधिकारियों ने कहा कि घटना की असली वजह का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही चलेगा। पुलिस परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है, ताकि इस घटना के कारणों का पता लगाया जा सके। शुरुआती जांच से पता चलता है कि पति-पत्नी के बीच घरेलू झगड़ा हो सकता है सभी पहलुओं की जांच जारी है। इस घटना से लोहारकी गांव और आसपास के इलाकों के लोग गहरे सदमे में हैं। घटना के बारे में सुनकर ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जांच पूरी होने तक कोई अटकलें न लगाएं।

मुंबई एयरपोर्ट पर बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, कोलंबो से लौटा था

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। वह कथित तौर पर फर्जी तरीके से बनवाए दस्तावेजों के आधार पर भारत में रह रहा था। कोलंबो से लौटते समय हवाई अड्डे पर उसे पकड़ा गया। पुलिस ने खुलासा किया कि कोलकाता में रहते हुए आरोपी ने आधार कार्ड और पैन कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज बनवाए थे, जिसके बाद उसने भारतीय पासपोर्ट हासिल किया। इन पासपोर्ट के जरिए वह मालदीव और कोलंबो की यात्रा कर चुका था। आरोपी की पहचान बाबू बिस्वास उर्फ तपस बिस्वास के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि कोलंबो से लौटते समय मुंबई एयरपोर्ट पहुंचने के बाद आरोपी तपस इमिग्रेशन काउंटर पर स्टांप लगवाने पहुंचा था। सहायक इमिग्रेशन अधिकारी को उसके पासपोर्ट पर शक हुआ। अधिकारी ने उससे पूछताछ की, जिस दौरान संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस ने बताया कि आगे पूछताछ के लिए इमिग्रेशन विंग के प्रभारी और ड्यूटी अधिकारियों के सामने पेश किया गया। इसके बाद यह साफ हो गया कि वह बांग्लादेश के फरीदपुर का रहने वाला है। पुष्टि तब हुई जब उसने घर पर अपनी पत्नी को व्हाट्सएप पर कॉल किया और उससे बांग्लादेशी नागरिकता के प्रमाण के तौर पर कुछ दस्तावेज भेजने को कहा। इसके बाद उसे बाबू विश्वास के पिता के नाम पर बांग्लादेश में रजिस्टर्ड जमीन के दस्तावेजों की फोटोकॉपी मिली।

फुटपाथ हादसे में मृतकों के परिजनों को पूरा मुआवजा देने के आदेश : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि मजबूरी में फुटपाथ पर सो रहे लोगों को सड़क हादसे का जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 2015 के मादीपुर मेट्रो स्टेशन के नीचे हुए दर्दनाक हादसे में मृतकों के परिजनों और घायलों का 50 प्रतिशत मुआवजा घटाने के आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि फुटपाथ पर सोना उनकी लापरवाही नहीं, बल्कि परिस्थितियों की मजबूरी थी। ऐसे में उन्हें उचित और पूरा मुआवजा मिलना चाहिए। यह हादसा अक्टूबर 2015 में हुआ था, जब एक तेज रफ्तार ट्रक फुटपाथ पर चढ़ गया और वहां सो रहे लोगों को कुचल दिया। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे।

बेंगलुरु : प्रदर्शन में उमर खालिद-शरजील इमाम के समर्थन में तख्ती लेने पर एफआईआर

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में छात्र प्रदर्शन के दौरान जेल में बंद कार्यकर्ताओं उमर खालिद और शरजील इमाम के समर्थन में तख्तियां दिखाने वाली एक अज्ञात महिला पर पुलिस ने प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। यह कार्रवाई शुक्रवार शाम हुई घटना के संबंध में की गई है। बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात एक पुलिस उपनिरीक्षक की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज हुआ है। शिकायत के अनुसार, शुक्रवार शाम करीब पांच से साढ़े पांच बजे के बीच, बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के बीच एक युवती को 'उमर खालिद जिंदाबाद', 'शरजील इमाम जिंदाबाद' और 'उखाड़ ले बीएलआर पुलिस' जैसे नारे लिखी तख्तियां पकड़े देखा गया।

आज से दिल्ली में हो सकती है झमाझम, दिल्ली समेत कई इलाकों में गिरेगा तापमान

-आईएमडी ने मंगलवार-बुधवार को बारिश को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीआर के कई इलाकों में झमाझम बारिश की उम्मीद है। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार से बारिश का दौर फिर शुरू हो सकता है जो पूरी जुलाई लोगों को भिगोता रहेगा। वहीं सोमवार को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे। सुबह से लेकर रात तक कई दौर में बारिश हो सकती है। यह बारिश हल्की से मध्यम स्तर की होगी।

दिल्ली समेत नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और गाजियाबाद में सोमवार से मॉनसून सक्रिय होने जा रहा है। ऐसे में बारिश के चलते तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी और मौसम में ठंडक होगी। एनसीआर में सुबह से दोपहर के बीच बहुत हल्की बारिश के साथ कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश हो सकती है। रात में भी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो सोमवार को दक्षिण-पश्चिमी दिशा से हवाएं 10-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी, जबकि अधिकतम तापमान गिरावट के साथ 34 से 36 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा जो सामान्य से काफी कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, इससे गर्मी से राहत मिलेगी।

इस दौरान एनसीआर में उमस का स्तर ऊंचा बना रहेगा, जिससे मौसम कुछ हद तक चिपचिपा हो सकता है, लेकिन बादलों और बारिश की वजह से तेज गर्मी से राहत मिलेगी। आईएमडी के मुताबिक एनसीआर के अन्य शहरों, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद और फरीदाबाद में भी कमोबेश यही स्थिति रहने वाली है। वहां भी आंशिक से सामान्यतः बादल छाए रहेंगे और एक-दो दौर की बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। वहीं मंगलवार से बारिश की गतिविधियां और बढ़ने वाली हैं जो जुलाई के इस आखिरी सप्ताह तक जारी रहेंगी। आईएमडी ने मंगलवार और बुधवार को मध्यम बारिश को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज्यादा बारिश नहीं हुई, लेकिन मानसूनी धाराएं सक्रिय होने से आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद है। जलभराव वाले इलाकों में सावधानी बरतें, छतरी या रेनकोट जरूर साथ रखें और ट्रैफिक में देरी की आशंका को ध्यान में रखकर निकलें। बिजली गिरने की संभावना वाले इलाकों में खुले में न रहें। आगे के दिनों में मानसून और सक्रिय होने से तापमान सामान्य से थोड़ा नीचे रह सकता है।

वांगचुक को अस्पताल से मिल सकती है छुट्टी, डिस्चार्ज होते ही सीधे जा सकते हैं राजघाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में 26 दिन अनशन पर रहे सोनम वांगचुक को मेदांता अस्पताल से सोमवार को छुट्टी मिल सकती है। यहां से डिस्चार्ज होते ही वांगचुक सीधे राजघाट पहुंच सकते हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक वांगचुक को आईसीयू से वॉर्ड में शिफ्ट किया जा चुका है। बता दें सोनम वांगचुक तबीयत खराब होने के चलते पिछले कई दिनों से गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती थे। अनशन के दौरान पुलिस ने उन्हें उठाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया था, लेकिन बाद में कोर्ट के आदेश पर सोनम मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए थे। हालांकि यह भी खबर आ रही है कि सोनम अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद सीधे अपने घर नहीं जाएंगे बल्कि दिल्ली के राजघाट जा सकते हैं। वे यहां महात्मा गांधी की समाधि पर जाएंगे और श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। ऐसे में एक सवाल उठ रहा है कि क्या वे कॉकरोच जनता पार्टी के लोगों से मिलने जंतर-मंतर भी जाएंगे, फिलहाल इसे लेकर कोई स्पष्ट खबर नहीं है, लेकिन हो सकता है कि वे राजघाट से सीधे घर जाएं और कॉकरोच जनता पार्टी से जुड़े कुछ लोग उनसे मिलें। बता दें सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अभिजीत दिपके के साथ मिलकर अनशन किया था, हालांकि केंद्र सरकार के आग्रह पर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में उन्होंने अपना अनशन तोड़ दिया था। केंद्र सरकार ने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

सही निकली राहुल गांधी की बात, आरएएफ जवान ने पैलेट गन से किए थे सात फायर

-सीजेपी के प्रदर्शनकारी हुए थे घायल जिसमें एक पत्रकार भी था शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर कॉकरोज जनता पार्टी (सीजेपी) की अगुवाई में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के इस्?तेमाल को लेकर सनसनीखेज खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि आरएएफ की तरफ से प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्?तेमाल किया गया था। सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फ़ोर्स (सीआरपीएफ) को पता चला है कि उसकी रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के एक जवान ने जिसे 20 जुलाई को संसद तक विरोध मार्च के दौरान कनॉट प्लेस इलाके में तैनात किया था, अपनी पैलेट गन से कम से कम सात राउंड फायर किए। एक अखबार में प्रकाशित खबर के मुताबिक पांच राउंड प्रदर्शनकारियों को लगे, जबकि दो ज़मीन पर लगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीआरपीएफ ने इस बात की जांच शुरू की थी कि क्या प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में आरएएफ जवानों ने पेलेट गन का इस्तेमाल किया था। विरोध मार्च के दौरान पैलेट गन से लगी चोटों के लिए कम से कम तीन लोगों गुरुग्राम में काम करने वाले इरशाद शेख, दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र साहिल लोचब और एक पत्रकार का अस्पतालों में इलाज किया गया। एक सूत्र ने बताया कि आरएएफ जवानों द्वारा की गई लॉग एंट्रीज़ की जांच के बाद यह पता चला है कि कनॉट प्लेस में आरएएफ के एक जवान ने कुल सात पेलेट राउंड फायर किए थे। ये राउंड तब फायर किए गए जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाकर्मियों पर हमला किया और पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। आरपीएफ के डीजी ने अपना पहले वाला बयान दोहराया कि अब, चूंकि आंदोलन वापस ले लिया गया है और जमा हुए लोग चले गए हैं, इसलिए हम घटना के बाद पेशेवर तरीके से समीक्षा करेंगे जैसा कि हम हर बड़े काम के बाद करते हैं और फिर आपको फोर्स हेडक्वार्टर का नजरिया बताएंगे।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी बीते 24 जुलाई को सरकार पर प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पैलेट गन का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था और कहा था कि 'अपराधी शिक्षा मंत्री' धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटना ही होगा। राहुल गांधी ने दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन में पैलेट गन के इस्तेमाल से घायल हुए युवक साहिल को मीडिया के सामने पेश किया था और कहा था कि ऐसे 'हजारों युवाओं' के खिलाफ बर्बर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा था कि सरकार कह रही है कि पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं हुआ, जबकि उस समय पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया जब यह युवक देश का तिरंगा लेकर खड़ा था।

पेपर लीक जवाबदेही को लेकर शिवकुमार के बयान पर भाजपा हुई हमलावर

मुख्यमंत्री बोले- पेपर लीक होने पर डिप्टी कमिश्नर होंगे जिम्मेदार

-भाजपा ने कहा- जिम्मेदारी अधिकारियों की नहीं, सरकार और मुख्यमंत्री की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में छात्र आंदोलन और पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब पेपर लीक मामलों में जवाबदेही तय करने को लेकर कर्नाटक की राजनीति गरमा गई है। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के उस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि राज्य में भविष्य में किसी भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होता है तो संबंधित जिले के डिप्टी कमिश्नर को जिम्मेदार माना जाएगा। भाजपा ने इस बयान को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है।

भाजपा का आरोप है कि राज्य सरकार भर्ती परीक्षाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय पहले से ही अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराने की तैयारी कर रही है। पार्टी का कहना है कि परीक्षा प्रणाली की जवाबदेही अंततः सरकार और मुख्यमंत्री की होती है, इसलिए भविष्य में किसी भी पेपर लीक की स्थिति में मुख्यमंत्री को जिम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए।

कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में कांग्रेस राजनीतिक जवाबदेही की मांग करती है, जबकि कांग्रेस शासित राज्यों में वही जिम्मेदारी अधिकारियों पर डालने की कोशिश की जा रही है। आर. अशोक ने कहा कि मुख्यमंत्री का ध्यान भर्ती प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने पर होना चाहिए, न कि संभावित घटनाओं के लिए पहले से जिला प्रशासन को जिम्मेदार घोषित करने पर। उन्होंने इसे कांग्रेस का दोहरे मानदंड वाला रवैया बताते हुए कहा कि राजनीतिक नेतृत्व अपनी जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रहा है। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में कर्नाटक में किसी भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है तो उसकी राजनीतिक जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और राज्य सरकार की होगी।

चढ़ावा चोरी मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, नई एसआईटी अफसरों ने नाम पेश करेगी सरकार

अयोध्या(एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान यूपी सरकार नई एसआईटी के गठन से जुड़े अधिकारियों के नाम कोर्ट में पेश कर सकती है। बता दें राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नई एसआईटी का गठन किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में 13 जुलाई को सुनवाई में यूपी सरकार को एक सीनियर आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में नई एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया था। इससे पहले अयोध्या स्थित राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट की 22 जुलाई को हुई बैठक में मंदिर में पूजा-पाठ की पूरी व्यवस्था के लिए गठित 'धार्मिक समिति' का पुनर्गठन करके उसमें अयोध्या के पांच संतों समेत कुल नौ सदस्यों को शामिल करने और ट्रस्ट का एक प्रवक्ता तथा सचिव नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन और कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि बैठक में ट्रस्ट के सीईओ पद के लिये बड़ी संख्या में आवेदन आने की वजह से नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए मांगा गया एक माह का अतिरिक्त समय देने पर भी सहमति बनी, साथ ही इस कार्य में हो रहे देरी को देखते हुए एक सचिव की नियुक्ति का फैसला लिया गया। बैठक में ट्रस्ट के सदस्यों ने सावन के महीने में श्रद्धालुओं की संख्या में संभावित बढ़ोत्तरी के लिए की गई तैयारियों, ट्रस्टी के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया में हुई प्रगति और कई प्रशासनिक व वित्तीय मुद्दों की समीक्षा की। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ने बताया कि ट्रस्टी मंडल ने अनियमितताएं सामने आने के बाद बैंक की प्रक्रिया और गंभीरता के अभाव पर निराशा प्रकट की है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की वित्त समिति को बैंक के साथ संबंधों पर और मानक प्रक्रियाओं पर पुनर्विचार कर समुचित निर्णय लेने को कहा है।

फिर लौट रहा कोरोना ! नए मामलों ने बढ़ाई टेंशन, अस्पतालों ने की तैयारी

-10 नए मामले से मचा हड़कंप, स्वास्थ्य विभाग ने भी निगरानी बढ़ाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। कोरोना के नए मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। दक्षिण भारत में खासतौर पर एक बार फिर कोविड-19 के कुछ और मामलों के सामने आने से डर बढ़ गया है। पहले से ही 39 कोरोना मामलों को झेल रहे आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 10 नए मामले सामने आए हैं और कुल केस 49 हो गए हैं। इससे कोरोना की नई लहर आने का खतरा पैदा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश में कोविड-19 का कहर शुरू होने के साथ ही उत्तर भारत में भी कुछ केस सामने आए हैं। हालांकि इससे मौतें अभी तक दक्षिण भारत में ही हुई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आंध्रप्रदेश में 10 नए मामले सामने आने से आसपास हड़कंप मचा हुआ है। स्वास्थ्य विभाग ने अपने बुलेटिन में जानकारी देते हुए बताया है कि अब इस राज्य में कुल मामले बढ़कर 49 हो गए हैं। खास बात है कि ये मामले कई शहरों के हैं, ऐसे में यह डर भी सता रहा है कि कोरोना का दायरा एक शहर न होकर कई शहरों तक फैल गया है। बुलेटिन के मुताबिक 10 नए मामलों में से 3 गुंटूर जिले से, 2 एनटीआर जिले से और 1-1 मामला अल्लूरी सीताराम राजू, एलुरु, कृष्णा, तिरुपति और विशाखापत्तनम जिलों से हैं। इस राज्य में अभी तक 302 संदिग्ध सैंपलों की जांच की गई है, जिसमें से 49 पॉजिटिव निकल चुके हैं। जहां तक कोरोना के आउटब्रेक का मामला है तो सबसे ज्यादा मामले पूर्वी गोदावरी से हैं और यहां 11 केस मिले हैं। इसके बाद गुंटूर में 9, कडपा में 8, विशाखापत्तनम में 5 और एनटीआर में 3 मामले हैं। काकीनाडा, एलुरु और बापटला में 2-2 मामले हैं, जबकि कुछ अन्य जिलों में 1-1 मामला दर्ज हुआ है।

इन सभी 49 कोविड मरीजों में 24 लोग अस्पताल में भर्ती हैं और इनका इलाज चल रहा है। जबकि 16 मरीज कोविड के माइल्ड लक्षणों के साथ घर पर आइसोलेशन में हैं। अभी तक 5 मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं, जबकि चार लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल रोजाना नए मामले मिलने के चलते प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है और स्वास्थ्य विभाग ने भी अलग-अलग जिलों में निगरानी बढ़ा दी है। जिला रैपिड रिस्पॉन्स टीमें भी मरीजों की हालत को बारीकी से देख रही हैं और उनसे जुड़े लोगों को ट्रैक कर रही हैं ताकि उनके संपर्क में आए लोगों का पता चल सके और उनकी भी जांच की जा सके। विभाग का कहना है कि मरीजों की जांच के लिए आरटी-पीसीआर किट उपलब्ध हैं। अस्पतालों में कोविड की तैयारियां चाक-चौबंद की जा रही हैं।

विजय के बाद धनुष के राजनीति में एंट्री के संकेत?

-समाज सेवा की अपील के बाद राजनीतिक गलियारे में अटकलें हुईं तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता और निर्देशक धनुष के राजनीति में आने की अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं। हाल ही में आयोजित एक ब्लड डोनेशन कैंप में उन्होंने अपने प्रशंसकों से समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके संभावित राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

रविवार को धनुष के प्रशंसकों की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में अभिनेता ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का एक मंच पर एकत्र होना अपने आप में बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि इस एकजुटता को केवल फिल्मी आयोजनों, ऑडियो लॉन्च या फैन मीट तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। अपने संबोधन में धनुष ने प्रशंसकों से अपने आसपास रहने वाले जरूरतमंद परिवारों की पहचान कर हर संभव मदद करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यदि उनके प्रशंसक समाज के लिए सकारात्मक कार्य करेंगे तो उन्हें उन पर और अधिक गर्व होगा। अभिनेता के इस संदेश का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई यूजर्स ने अनुमान लगाया कि अभिनेता थलपति विजय की तरह धनुष भी भविष्य में राजनीति का रुख कर सकते हैं। कुछ लोगों ने लिखा कि तमिलनाडु की राजनीति में एक नई और सशक्त आवाज की जरूरत है, जबकि कुछ ने यहां तक कयास लगाए कि धनुष जल्द अपनी राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, धनुष ने अपने संबोधन में कहीं भी राजनीति में प्रवेश या किसी राजनीतिक दल के गठन का ऐलान नहीं किया। उनकी ओर से केवल समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। ऐसे में उनके राजनीति में आने की चर्चाएं फिलहाल केवल अटकलों तक ही सीमित हैं। वैसे भी तमिलनाडु में फिल्मी सितारों के राजनीति में आने की लंबी परंपरा रही है। हाल के वर्षों में अभिनेता थलपति विजय के राजनीतिक सफर की शुरुआत के बाद अब धनुष को लेकर भी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। हालांकि, उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर स्थिति तभी स्पष्ट होगी जब वह स्वयं इस संबंध में कोई औपचारिक घोषणा करेंगे।

दिल्ली में डोगरा लोकपर्व 'रुट्ट राह्ढ़े' का सांस्कृतिक पुनर्जीवन, पारंपरिक गीतों और व्यंजनों से सजी अनूठी प्रस्तुति

नई दिल्ली (एजेंसी)। धम्मा धम्मा राढ़ेया की मधुर स्वर-लहरियों से नई दिल्ली के पृथ्वीराज रोड स्थित जम्मू-कश्मीर हाउस का परिसर उस समय गूंज उठा, जब डोगरा वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा विलुप्तप्राय लोकपर्व रुट्ट राह्ढ़े के पुनर्जीवन हेतु एक परिचयात्मक एवं प्रदर्शनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन की अध्यक्ष सुदेश डोगरा, जम्मू-कश्मीर हाउस की अधिकारी सविनय कुमारी तथा सत्या देवी, सोनी गुलेरिया पूजा शर्मा, पुष्पा शर्मा और इन्द्रू शर्मा के समूह ने रुट्ट राह्ढ़े से जुड़े पारम्परिक डोगरी गीत प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अपने घरों में तैयार किए गए पारम्परिक व्यंजन-रुट्ट, चिल्ले, बबरू, मदरे तथा घ्यूर-भी अतिथियों को परोसे। इन व्यंजनों की इतनी प्रचुर व्यवस्था थी कि अलग से भोजन की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। इस व्यवस्था में वीणा शर्मा तथा पूनम मगोत्रा ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम का गीत-संगीत सुप्रसिद्ध गायक धीरज शर्मा के मार्गदर्शन में तैयार किया गया था। पारम्परिक गीतों में समसामयिक संदर्भों के अनुरूप कुछ अतिरिक्त बोल सुदेश डोगरा एवं धीरज शर्मा द्वारा जोड़े गए थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त रेज़िडेंट कमिश्नर अनिल शर्मा ने डोगरा वेलफेयर एसोसिएशन, दिल्ली-एनसीआर की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ने वैज्ञानिक सोच तथा पारम्परिक लोकबुद्धि पर आधारित, विलुप्त होती इस सांस्कृतिक परम्परा से जम्मू-कश्मीर हाउस तथा दिल्ली में रह रहे डोगरा समाज को पुनः परिचित कराने का सराहनीय प्रयास किया है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी राज्य की धर्मनिरपेक्ष एवं प्रासंगिक सांस्कृतिक परम्पराओं के संरक्षण के लिए किए जाने वाले ऐसे सभी प्रयासों में जम्मू-कश्मीर हाउस का पूर्ण सहयोग रहेगा। एसोसिएशन के महासचिव रमन केसर ने रुट्ट राह्ढ़े की परम्परा, उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि तथा वैज्ञानिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए डोगरा संस्कृति से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जम्मू के गांवों में इस परम्परा को पुनर्जीवित करने का अभियान चलाएं तथा डोगरा समुदाय की राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ बनाने के लिए दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु और चंडीगढ़ जैसे महानगरों में भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार इस उत्सव का आयोजन करें। उनके वक्तव्य के दौरान एसोसिएशन की एक टीम-जगदीश शर्मा, सुदेश डोगरा, सतपाल शर्मा, सुरजीत सिंह गुलेरिया, स्वीटी तथा बोधराज सिंह-पूर्व-तैयार राह्ढ़ों को भूमि में स्थापित कर उनके चारों ओर आकर्षक रंगोलियां सजा रहे थे, जिससे उपस्थित लोगों को इस लोकपरम्परा का जीवंत प्रदर्शन देखने का अवसर मिला।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902